हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • रविवार • 19.07.2026 • वर्ष : 16 • अंक : 352 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 4 रुपये RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

एक नजर

पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा की पत्नी चेन्नम्मा का निधन

बेंगलुरु : पूर्व प्रधानमंत्री एवं जनता दल (सेक्युलर) के संरक्षक एच.डी. देवेगौड़ा की पत्नी चेन्नम्मा (85) का शनिवार को बेंगलुरु के मणिपाल अस्पताल में निधन हो गया। वह पिछले कुछ समय से श्वास संबंधी समस्या से पीड़ित थीं और 15 जुलाई से अस्पताल के आईसीयू में भर्ती थीं। उपचार के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन से राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। देवेगौड़ा के दामाद एवं सांसद डॉ. सी.एन. मंजूनाथ ने मीडिया को बताया कि चेन्नम्मा का अंतिम संस्कार सोमवार को हासन जिले के होलेनरसिपुरा में किया जाएगा। चेन्नम्मा के पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन के लिए राजनीतिक दलों के नेता, परिजन, समर्थक और जनता दल (सेक्युलर) के कार्यकर्ता अस्पताल पहुंच रहे हैं। बड़ी संख्या में लोगों के जुटने की संभावना को देखते हुए अस्पताल परिसर और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। बेंगलुरु शहर के पुलिस आयुक्त सीमंत कुमार सिंह ने भी अस्पताल पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

राम मंदिर ट्रस्ट में सीईओ बनने के लिए आए 2300 आवेदन

अयोध्या : श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की नियुक्ति प्रक्रिया को गति दे दी है। आवेदन की अंतिम तिथि 18 जुलाई तय की गई थी, अब तक करीब 2300 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं, हालांकि अंतिम आंकड़े अभी सामने नहीं आए हैं। अब इन आवेदनों की प्रारंभिक जांच और पात्र उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सीईओ चयन के लिए गठित तीन सदस्यीय समिति ने आवेदनों की छंटनी का दायित्व सचिव स्तर के एक वरिष्ठ अधिकारी को सौंपा है। समिति में सेवानिवृत्त न्यायाधीश प्रमोद कोहली, सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल विष्णुकांत चतुर्वेदी तथा सुरेश हावरे शामिल हैं। सचिव स्तर का अधिकारी सभी आवेदनों की जांच कर पात्र अभ्यर्थियों की सूची तैयार करेगा, जिसके बाद चयन समिति अंतिम चरण की प्रक्रिया आगे बढ़ाएगी।

काकोली घोष को एनसीपीआई प्रमुख के रूप में मिली मान्यता

नयी दिल्ली : तृणमूल कांग्रेस से अलग होकर नेशनल सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में शामिल होने वाले 20 सांसदों को लोकसभा में अलग से बैठने की व्यवस्था को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने मंजूरी दे दी है। उधर, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बागी तृणमूल कांग्रेस नेता सुदीप बंदोपाध्याय और लोकसभा के 19 अन्य सांसदों को संसद के मानसून सत्र से पहले होने वाली पारंपरिक सर्वदलीय बैठक के में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। इस सांसदों ने एनसीपीआई ज्वाइन कर ली है। रिजिजू ने बैठक के लिए डॉ. काकोली घोष दस्तीदार को पार्टी का 'चीफ व्हिप' भी माना है। रिजिजू ने एनसीपीआई की चीफ व्हिप के तौर पर नामित डॉ. काकोली घोष दस्तीदार को बंद्योपाध्याय के साथ बैठक में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। सर्वदलीय बैठक 19 जुलाई को सुबह 11 बजे संसद भवन एनेक्सी के मुख्य समिति कक्ष में बुलाई गई है।

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार: 'आर्टिकल 370' को मिला बेस्ट फीचर फिल्म का अवार्ड

एजेंसी

नयी दिल्ली : फिल्म 'आर्टिकल 370' ने इस बार 'बेस्ट फीचर फिल्म' का पुरस्कार अपने नाम किया है। इसके साथ ही, फिल्म में अपनी दमदार अदाकारी के लिए अभिनेत्री यामी गौतम को 'बेस्ट एक्ट्रेस इन ए लीडिंग रोल' घोषित किया गया है। नई दिल्ली के नेशनल मीडिया सेंटर में सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए विजेताओं की घोषणा की। जाने-माने फिल्ममेकर जयराज की अगुवाई में 11 सदस्यों वाली जूरी ने 2024 में सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने 1 जनवरी 2024 और 31 दिसंबर 2024 के बीच सर्टिफाई किया।

यामी गौतम सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री, तो कार्तिक आर्यन और मम्मूटी बने सर्वश्रेष्ठ अभिनेता

यामी गौतम ने फिल्म 'आर्टिकल 370' के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड जीता। कार्तिक आर्यन को 'चंदू चैंपियन' के लिए बेस्ट एक्टर चुना गया। उन्होंने यह सम्मान 'ब्रह्मा युग्म' (मलयालम) के लिए मम्मूटी के साथ शेयर किया। 'आर्टिकल 370' को बेस्ट फीचर फिल्म का अवॉर्ड भी मिला, जबकि 'श्रीकांत' ने बेस्ट हिंदी फिल्म का खिताब अपने नाम किया। वहीं, राजकुमार पेरियासामी को 'अमरन' (तमिल) के लिए बेस्ट डायरेक्टर का अवॉर्ड मिला।

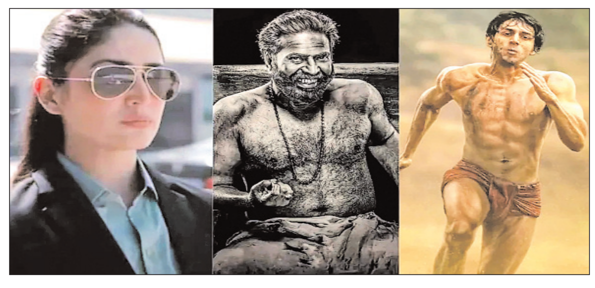

- बेस्ट फीचर फिल्म: आर्टिकल 370
- बेस्ट म्यूजिक डायरेक्टर: शाश्वत सचदेव
- बेस्ट एक्टर अवार्ड: कार्तिक आर्यन (चंदू चैम्पियन)
- बेस्ट एक्टर: मामुटी (ब्रह्म युग्म)
- बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर : संजय मिश्रा (भक्षक)
- बेस्ट डायरेक्टर: राजकुमार पेरियासामी (आमरन)
- बेस्ट डांस कोरियोग्राफी: आज की रात
- बेस्ट एक्शन कोरियोग्राफी: महाराजा
- बेस्ट मलयालम फिल्म: फेमिनीची फातिमा
- बेस्ट कन्नड़ फिल्म : मिथ्या
- बेस्ट तमिल फिल्म: रायण
- बेस्ट फीचर फिल्म : कल्कि 2898

अहमदाबाद की पटाखा फैक्टरी में लगी भीषण आग, आठ लोगों की मौत

एजेंसी

अहमदाबाद : गुजरात के अहमदाबाद में शनिवार को एक पटाखा फैक्टरी में भीषण आग लग गई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस घटना में आठ लोगों की मौत की हो गई है, जबकि 15 लोग घायल बताए जा रहे हैं। वहीं, मौके पर दमकल की कई गाड़ियां आग बुझाने में जुटी हैं। जानकारी के मुताबिक, अहमदाबाद में मेहमदपुरा स्थित टैलेंट पटाखा फैक्टरी में आग लगी, इसके बाद फैक्टरी में रखे विस्फोटक से धमाके होने लगे, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। जेपीसी क्राइम ब्रांच के अधिकारी शरद सिंघल ने बताया कि हादसे के समय फैक्टरी में 15 लोग काम कर रहे थे। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि फैक्टरी बिना लाइसेंस के संचालित की जा रही थी।

कई मीटर ऊपर उठा धुएं का गुबार

पटाखा फैक्टरी में आग लगने के बाद धुएं का गुबार कई सौ मीटर ऊपर तक गया, जिसे कुछ किलोमीटर दूर से भी देखा गया। इस फैक्टरी में आग कैसे लगी इसकी जानकारी अभी तक स्पष्ट नहीं हो सकी है। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 105 के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा। फिलहाल पुलिस और प्रशासन विस्फोट के कारणों की जांच में जुटे हैं। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि बिना लाइसेंस के फैक्टरी कैसे संचालित हो रही थी और सुरक्षा मानकों में कहां लापरवाही बरती गई।

घायलों को अस्पताल में कराया गया भर्ती

यह हादसा रामोल-गात्राड रोड पर मौजूद फैक्टरी में हुआ। वहीं, इसकी सूचना पर दमकल विभाग की पांच से अधिक गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने के साथ राहत-बचाव में जुट गईं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस घटना में घायल हुए लोगों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सीएम ने किया मुआवजे का एलान

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अहमदाबाद में पटाखा फैक्ट्री में हुए हादसे में लोगों की मौत पर दुःख जताया है। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिवारों को 4-4 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की आर्थिक मदद देने की घोषणा की है।

पीएम मोदी ने घटना पर जताया दुःख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के अहमदाबाद में एक पटाखा फैक्टरी में हुए हादसे में लोगों की मौत पर दुःख जताया है। पीएमओ के अधिकारिक एक्स हैंडल से एक पोस्ट में लिखा गया, 'दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। घायलों के जल्द ठीक होने की प्रार्थना करता हूं। स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों की हर संभव मदद दे रहा है। PMNRF से मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।' दुर्घटना स्थल पर जिले के आलाअधिकारी मौके पर मौजूद हैं। फिलहाल अभी तक कोई जानकारी नहीं सामने आई है कि हादसा किस वजह से हुई है।

रांची में 135वें डूरंड कप-2026 की ट्रॉफियों का भव्य स्वागत, 26 से शुरू होंगे मुकाबले

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : एशिया के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित फुटबॉल टूर्नामेंट 135वें डूरंड कप-2026 की तीनों ट्रॉफियां शनिवार को रांची पहुंचीं। दीपाटोली मिलिट्री स्टेशन स्थित करेकट्टा ऑडिटोरियम में आयोजित ट्रॉफी शोकेस समारोह के साथ राजधानी में डूरंड कप का औपचारिक आगाज हुआ। समारोह में पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य मंत्री सुदिव्य कुमार मुख्य अतिथि तथा आईबीजी-23 के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) मेजर जनरल सज्जन सिंह मान सम्मानित अतिथि के रूप में शामिल हुए। समारोह में डूरंड कप, प्रेसिडेंट्स कप और शिमला ट्रॉफी का भव्य प्रदर्शन किया गया। सेना के अधिकारियों, खेल विभाग के प्रतिनिधियों, फुटबॉल खिलाड़ियों, खेल प्रेमियों और मीडिया प्रतिनिधियों ने ट्रॉफियों का स्वागत किया। इस अवसर पर डूरंड कप के गौरवशाली इतिहास और भारतीय फुटबॉल में उसके योगदान पर भी प्रकाश डाला गया। मुख्य अतिथि सुदिव्य कुमार ने कहा कि झारखंड लगातार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की सफल मेजबानी कर रहा है। डूरंड कप जैसे ऐतिहासिक और प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का रांची में आयोजन राज्य के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता से राज्य में फुटबॉल संस्कृति को नई ऊर्जा मिलेगी और युवा खिलाड़ियों को देश के शीर्ष फुटबॉलरों से सीखने तथा प्रेरणा लेने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेलों के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और खिलाड़ियों को बेहतर खेल अधोसंरचना, आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएं तथा राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के अवसर उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि डूरंड कप का आयोजन झारखंड को देश के खेल मानचित्र पर और अधिक मजबूत पहचान दिलाएगा।

सिलीगुड़ी कॉरिडोर की सुरक्षा पर अमित शाह ने की समीक्षा

एजेंसी

सिलीगुड़ी : केंद्र में भाजपा सरकार के गठन के बाद पहली बार केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह शनिवार को उत्तर बंगाल के दौरे पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा व्यवस्था का जमीनी स्तर पर निरीक्षण किया और सिलीगुड़ी स्थित राज्य के मिनी सचिवालय 'उत्तरकन्या' में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी तथा वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में सीमा सुरक्षा, अवैध घुसपैठ, तस्करी, आधुनिक निगरानी तंत्र और रणनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण सिलीगुड़ी कॉरिडोर (चिकन नेक) की सुरक्षा को और सुदृढ़ बनाने पर व्यापक चर्चा हुई। गृह मंत्री शुक्रवार देर रात भारतीय वायुसेना के विशेष विमान से बागडोगरा पहुंचे, जहां मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के अधिकारियों के साथ प्रारंभिक समीक्षा की। शनिवार सुबह अमित शाह ने डाबग्राम-फुलबाड़ी क्षेत्र से सटी भारत-बांग्लादेश सीमा का दौरा किया।

अभिषेक बनर्जी के कार्यालय पर चला बुलडोजर

कोलकाता : डायमंड हार्बर के आमतला स्थित तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के कार्यालय परिसर के सामने बने एक शेड पर शनिवार सुबह प्रशासन ने कार्रवाई की। भारी पुलिस बल और केंद्रीय सुरक्षा बल की मौजूदगी में बुलडोजर चलाकर नीले रंग के शेड को हटाया गया। कार्रवाई के दौरान पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई थी। प्रशासन के अनुसार, कार्यालय से संबंधित पांच मंजिला इमारत के निर्माण को लेकर शिकायत प्राप्त हुई थी कि इसका निर्माण स्वीकृत भवन योजना के बिना किया गया है।

सोनम वांगचुक को अस्पताल में कराया गया भर्ती

एजेंसी

नयी दिल्ली : दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर पर पिछले 20 दिन से अनशन पर बैठे पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक को शनिवार सुबह सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया। इसके अलावा कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के सोशल मीडिया अभियान और प्रदर्शन पर भी कार्रवाई की है। सफदरजंग अस्पताल का कहना है कि शनिवार सुबह सोनम वांगचुक को अस्पताल में भर्ती कराया गया। अभी उनकी चिकित्सीय जांच चल रही है। जल्द ही इस बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। दिल्ली

पुलिस का कहना है कि उच्च न्यायालय के आदेश और सोनम वांगचुक की लगातार गिरते स्वास्थ्य को देखते हुए आज उन्हें सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रदर्शन स्थल से उन्हें ले जाते समय सीजेपी के कार्यकर्ताओं ने गतिरोध उत्पन्न किया। पुलिस ने अनुरोध किया है कि सभी सीजेपी कार्यकर्ता शांतिपूर्ण ढंग से जंतर-मंतर को खाली कर दें। सीजेपी कार्यकर्ताओं का कहना है कि दिल्ली पुलिसकर्मी सादे लिबास में प्रदर्शनस्थल पर पहुंचे थे।

भारत का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 सफलतापूर्वक लॉन्च

एजेंसी

नयी दिल्ली : भारत का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 शनिवार को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से सफलतापूर्वक प्रक्षेपित हो गया। इस लॉन्चिंग को 'मिशन आगमन' नाम दिया गया है। पहले इस मिशन को सुबह 11:30 बजे लॉन्च किया जाना था, लेकिन कुछ तकनीकी कारणों के चलते इसे दोपहर 12.06 बजे प्रक्षेपित किया गया। हैदराबाद की कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा बनाया गया विक्रम-1 तीन सॉलिड-फ्यूल स्टेज और एक लिक्विड ऑर्बिटल एडजस्टमेंट मॉड्यूल से चलता है। विक्रम-1 के प्रक्षेपण के साथ ही भारत ने ग्लोबल प्राइवेट ऑर्बिटल लॉन्च मार्केट में कदम रख दिया है। यह भारत की कमर्शियल स्पेस क्षमताओं को मजबूत करने की

दिशा में एक अहम कदम है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने इसके सफल प्रक्षेपण पर स्काईरूट एयरोस्पेस और उसके वैज्ञानिकों को बधाई दी। प्रधानमंत्री ने कंपनी के सह-संस्थापक पवन कुमार चंदना और नागा भरत डाका से फोन पर बात कर कहा कि स्काईरूट ने आकाश में अपनी जड़ें गाड़ दी हैं और जमीन पर भी उन जड़ों को मजबूत किया है, जो देश के युवाओं को प्रेरणा देंगी। प्रधानमंत्री ने कंपनी के सह-संस्थापक पवन कुमार चंदना से इसरो के दफ्तर में फोन से बात करते हुए इसे आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बड़ा कदम बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस सफलता ने दिखा दिया है कि भारत निजी क्षेत्र की भागीदारी से भी अंतरिक्ष क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने में सक्षम है। स्काईरूट की युवा टीम ने प्रतिबद्धता और मेहनत से भारत मां की गरिमा को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। उन्होंने इसे 'वंदे मातरम मिशन' की तरह बताया और कहा कि यह नई पीढ़ी को तकनीक का लाभ देने और आने वाली पीढ़ी को प्रेरित करने का काम करेगा। उन्होंने स्काईरूट टीम को जल्द मिलने का निमंत्रण भी दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक समय था जब मैं आत्मनिर्भर भारत की बात करता था तो नासमझी में लोग उसका मजाक उड़ाते थे। आज आपने सिद्ध कर दिया कि इस क्षेत्र में भी हम आत्मनिर्भर बनने के लिए समर्थ हैं। उस सामर्थ्य को आपने कर दिखाया। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने देश के पहले निजी तौर पर विकसित ऑर्बिटल-क्लास रॉकेट विक्रम-1 की लॉन्चिंग का आईएसआरओ से सीधा प्रसारण देखा। उन्होंने इसके सफलतापूर्वक प्रक्षेपण को ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। इस मौके पर उन्होंने सभी वैज्ञानिकों को मिठाई खिलाई। उन्होंने भारत के पहले निजी तौर पर विकसित ऑर्बिटल लॉन्च व्हीकल विक्रम-1 के सफल प्रक्षेपण पर स्काईरूट एयरोस्पेस की पूरी टीम को बधाई दी। डॉ सिंह ने कहा कि स्काईरूट एयरोस्पेस को विक्रम-1 के सफल प्रक्षेपण पर हार्दिक बधाई। भारत के पहले निजी तौर पर विकसित ऑर्बिटल लॉन्च व्हीकल का यह मिशन देश के तेजी से उभरते निजी अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह भारत की बढ़ती अंतरिक्ष तकनीकी क्षमता और विकसित हो रही स्पेस इकोनॉमी का प्रमाण है।

उद्धव गुट को बड़ा झटका, शिंदे गुट में बागी सांसदों के विलय को मंजूरी

एजेंसी

नयी दिल्ली : लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के बागी सांसदों की स्थिति को लेकर बड़ा फैसला आ चुका है। इस कड़ी में महाराष्ट्र की शिवसेना यूबीटी को बड़ा झटका लगा है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना में उद्धव गुट के छह सांसदों के विलय को लोकसभा सचिवालय ने मंजूरी दे दी है। इसके तहत शिवसेना यूबीटी के सांसद रहे संजय हरिभाऊ जाधव, भाऊसाहेब राजाराम वाकचौरे, ओमप्रकाश भूपालसिंह निंबालकर, संजय दीना पाटिल, संजय उत्तमराव देशमुख और नागेश बापुराव पाटिल आष्टीकर अब शिंदे गुट के सांसद हो गए हैं। लोकसभा में कुल 542 सदस्य (नामित एंग्लो-इंडियन सीट को छोड़कर) हैं। सबसे बड़ी पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) है, जिसके 239 सांसद हैं और इसके नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। दूसरे स्थान पर कांग्रेस है, जिसके 98 सांसद हैं और नेता राहुल गांधी हैं। समाजवादी पार्टी 37 सांसदों के साथ तीसरे स्थान पर है। तृणमूल कांग्रेस के 28, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के 22, तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के 16, शिवसेना (एकनाथ शिंदे) के 13 और जनता दल (यूनाइटेड) के 12 सांसद हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के आठ, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के पांच, जबकि माकपा, राष्ट्रीय जनता दल और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के चार-चार सांसद हैं। आम आदमी पार्टी, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग, झारखंड मुक्ति मोर्चा और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के तीन-तीन सांसद हैं।

एक नजर

ज्वाहर घाट पुल के पास अनियंत्रित होकर पलटा टेलर उपचालक की मौत

बरही : जवाहर घाट स्थित पुल के समीप शुक्रवार देर रात अनियंत्रित होकर टेलर पलट गया। जिसमें उपचालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक घायल हो गया। दुर्घटना के बाद कुछ घटनास्थल पर अफरा – तफरी का माहौल बन गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार, ट्रेलर संख्या बीआर 27 जीबी 0320 जवाहर घाट से गुजर रहा था। इसी दौरान चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और ट्रेलर सड़क किनारे पलट गया। पुल पर बने गार्ड वॉल के कारण वाहन सीधे तिलैया डैम में गिरने से बच गया, जिससे बड़ी दुर्घटना टल गई। हादसे में चालक बिट्टू कुमार को हल्की चोटें आईं। वहीं, उपचालक सुधीर कुमार पिता – बच्चू यादव, निवासी ताजपुर गांव, थाना रोह, जिला नवादा (बिहार), ट्रेलर के केबिन में बुरी तरह फंस गए। गंभीर चोट लगने के कारण उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही बरही थाना पुलिस मौके पर पहुंची। काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने उपचालक के शव को केबिन से बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए बरही अनुमंडलीय अस्पताल भेजा। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मृतक के घर में हादसे की खबर पहुंचते ही मातम छा गया। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

स्वास्थ्य सहिया लक्ष्मी देवी का निधन, सहिया संघ ने किया शोक व्यक्त

बड़कागांव : बड़कागांव पश्चिमी क्लस्टर गोरा बजार निवासी सुरेंद्रनाथ कुशवाहा की पत्नी 45 वर्षीय स्वास्थ्य सहिया लक्ष्मी देवी का आकस्मिक निधन हो गया। पिछले कई माह से अस्वस्थ चल रही थी। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर है। लक्ष्मी देवी अपने पीछे पति , एक पुत्र एवं एक पुत्री समेत भरापूरा परिवार छोड़ गई। निधन पर सहिया संघ ने शोक व्यक्त किया। अंतिम यात्रा में भारी संख्या में स्थानीय लोग शामिल हुए तथा गहरा शोक व्यक्त करते हुए शोकाकुल संतप्त परिवार के प्रति संवेदना प्रकट किया। शोक व्यक्त करने वालों में मुख्य रूप से प्रखंड सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर अविनाश कुमार, बीडीएम विश्वजीत कुमार, बीएएम अशोक कुमार, बड़ा बाबू आशीष कुमार,एचएम मृत्युंजय कुमार, सहिया साथी आशिया खातून ,तिलेश्वरी देवी, लक्ष्मी देवी , जमनी देवी, सुनीता सिंहा, मंजू देवी, बसंती देवी, तरूण कुमार, दीपक कुमार , नंदलाल कुमार, आदि सभी सहीया ने शोक व्यक्त किया है।

मरकच्चो बीडीओ हुलास महतो के पिता का निधन शोक व्यक्त

बड़कागांव : बड़कागांव के नटराजनगर निवासी मरकच्चो बीडीओ हुलास महतो के पिता 75 वर्षीय मुनेश्वर महतो का बीते शुक्रवार शाम 4 बजे आकस्मिक निधन हो गया। शनिवार को बड़े पुत्र गणेश महतो ने मुखाग्नि देकर अंतिम संस्कार किया । श्मशान घाट में 2 मिनट मौन धारण कर लोगों ने भगवान से उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। वे पिछले कुछ महीनों से अस्वस्थ चल रहे थे। उनके निधन की खबर से क्षेत में शोक की लहर दौड़ गई। भुवनेश्वर महतो अपने पीछे बड़े पुत्र गणेश महतो समेत भरापूरा परिवार छोड़ गए।अंतिम यात्रा में प्रशासनिक पदाधिकारी , एवं भारी संख्या में स्थानीय लोग शामिल हुए तथा गहरा शोक व्यक्त करते हुए शोकाकुल संतप्त परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की है।

झारखंड क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा-2024 की तैयारियां पूरी, परीक्षा केंद्रों पर धारा 163 लागू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : झारखण्ड क्षेत्रीय कार्यकर्त्ता प्रतियोगिता परीक्षा-2024 को कदाचारमुक्त एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के उद्देश्य से उपायुक्त हेमन्त सती और पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने शुक्रवार को विनोबा भावे विश्वविद्यालय परिसर स्थित विवेकानंद सभागार में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों एवं केंद्राधीक्षकों को ब्रीफ किया। यह परीक्षा 19 जुलाई 2026, रविवार को तीन पालियों में हजारीबाग सदर अनुमंडल क्षेत्र के विभिन्न केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। ब्रीफिंग के दौरान उपायुक्त ने कहा कि परीक्षा का संचालन निष्पक्षता के साथ हो, इसके लिए सभी दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी आपसी समन्वय बनाकर अपने दायित्व का निर्वहन जिम्मेवारीपूर्वक करें। सभी संबंधित अधिकारियों को परीक्षा से जुड़े दिशा-निर्देशों एवं मार्गदर्शिकाओं का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही परीक्षा के तकनीकी पहलुओं की भी विस्तृत जानकारी दी गई। बैठक में सदर एसडीओ आदित्य पाण्डेय, प्रशिक्षु आईएएस पूर्वा अग्रवाल, अपर समाहर्ता छोटन महेंद्र उरांव, बरही एसडीओ जोहन टुडू सहित सभी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी, विभागीय पदाधिकारी एवं केंद्राधीक्षक उपस्थित थे।

परीक्षा केन्द्रों पर निषेधाज्ञा लागू

परीक्षा के कदाचारमुक्त संचालन एवं विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए अनुमंडल दंडाधिकारी सदर एवं बरही ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा जारी की है। यह आदेश 19 जुलाई 2026 को सभी परीक्षा केंद्रों पर लागू रहेगा। निषेधाज्ञा के तहत परीक्षा केंद्र के 100 मीटर की परिधि में परीक्षार्थियों के अलावा अन्य व्यक्तियों के प्रवेश, घातक हथियार, लाठी, अग्नेयास्त्र लेकर घूमने, परीक्षा केंद्र में पुस्तक, नोटबुक, मोबाइल एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक गैजेट ले जाने तथा लाउडस्पीकर के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

यह आदेश परीक्षा केंद्र पर तैनात सरकारी पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मियों पर लागू नहीं होगा।

एसपी ने उरीमारी ओ.पी. प्रभारी रथू उरांव को किया सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने उरीमारी ओ.पी प्रभारी रथू उरांव को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।उन्हें यह सम्मान कटकमदाग थाना क्षेत्र में हुए चर्चित नाबालिक भाई-बहन के अपहरण एवं हत्याकांड के त्वरित उद्भेदन और मुख्य अभियुक्त संजीत पासवान की गिरफ्तारी में सराहनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया।रथू उरांव को मिले इस सम्मान पर पुलिस विभाग के अधिकारियों, सहयोगियों तथा उरीमारी क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों एवं प्रबुद्ध लोगों ने उन्हे बधाई दी है।

भारत सरकार द्वारा आयोजित शोध-आलेख प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए विभावि आमंत्रित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय को भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक **(सीएजी)** द्वारा इंडियन कौंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च के सहयोग से आयोजित शोध आलेख प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। इस प्रतियोगिता का आयोजन भारत के 28 राज्य तथा तीन केंद्र शासित प्रदेशों में किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता केंद्र तथा राज्यों के पिछले 5 वर्षों के सीएजी द्वारा समर्पित ऑडिट रिपोर्ट पर आधारित होगा। झारखंड राज्य में इस प्रतियोगिता के आयोजन हेतु प्रधान महालेखाकार झारखंड के कार्यालय को इसका नोडल कार्यालय मनोनीत किया गया है। इस संबंध में झारखंड के प्रधान महालेखाकार श्री चंद्र मौली सिंह ने विभावि के कुलपति प्रो चंद्र भूषण शर्मा को पत्र द्वारा इस प्रतियोगिता में अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करवाने का आग्रह किया है। कुलपति ने इस प्रतियोगिता की जानकारी के प्रचार प्रसार के लिए राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ सुकल्याण मोइत्रा तथा मानव विज्ञान विभाग के प्राध्यापक एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के विश्वविद्यालय समन्वयक डॉ जॉनी रूफीना तिर्की को यह दायित्व सौपा है। पत्र में बताया गया है कि 01 जून 2026 से पंजीकरण की प्रक्रिया को प्रारंभ की गई है। 01 जुलाई से 31 अगस्त 2026 के बीच राज्य स्तर पर तथा 01 अगस्त से 30 सितंबर 2026 तक राष्ट्रीय स्तर पर आलेख समर्पित किया जा सकता है। आलेख के चार प्रमुख विषय निम्नलिखित हैः (i) वित्तीय संघवाद तथा शासन (ii) कौशल विकास, रोजगार तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, (iii) सामाजिक क्षेत्र पर खर्च तथा (iv) शहरी और ग्रामीण स्थानीय निकायों को सशक्त बनाना।

आरसीसीएफ व डीएफओ ने किया कुंदा महादेव मठ का निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कुंदा : क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक (आरसीसीएफ) रविंद्र नाथ मिश्रा के नेतृत्व में उत्तरी एवं दक्षिणी वन प्रमंडल के अधिकारियों की टीम ने शनिवार को ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थल कुंदा महादेव मठ का दौरा किया। इस दौरान आरसीसीएफ के साथ उत्तरी वन प्रमंडल के डीएफओ राहुल मीणा एवं दक्षिणी वन प्रमंडल के डीएफओ मुकेश कुमार ने भगवान भोलेनाथ की विधिवत पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। पूजा-अर्चना के बाद अधिकारियों ने महादेव मठ परिसर का निरीक्षण कर यहां उपलब्ध प्राकृतिक एवं धार्मिक धरोहरों का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान आरसीसीएफ रविंद्र नाथ मिश्रा ने कहा कि महादेव मठ धार्मिक एवं पर्यटन की अपार संभावनाओं वाला स्थल है। यदि यहां आधारभूत सुविधाओं का विस्तार किया जाए तो यह क्षेत्र प्रमुख धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित हो सकता है, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार और आर्थिक लाभ मिलेगा। निरीक्षण के दौरान आरसीसीएफ ने वन भूमि से संबंधित अनापत्ति प्रमाण पत्र की प्रक्रिया की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एनओसी जारी करने में ग्राम सभा की अनुशंसा सर्वोच्च महत्व रखती है। एक हेक्टेयर तक के मामलों में डीएफओ स्तर से एनओसी जारी की जा सकती है, जबकि इससे अधिक क्षेत्रफल के मामलों में उच्च स्तर से स्वीकृति की प्रक्रिया अपनाई जाती है। अधिकारियों ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं संबंधित अधिकारियों के साथ पर्यटन विकास, पर्यावरण संरक्षण तथा श्रद्धालुओं के लिए आधारभूत सुविधाओं के विस्तार पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के साथ पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विभाग समन्वित प्रयास करेगा। इसके बाद अधिकारियों ने सोहरलाट में किए गए पौधारोपण कार्य का भी निरीक्षण किया। आरसीसीएफ ने पौधारोपण की सराहना करते हुए पौधों के संरक्षण, नियमित देखभाल एवं हरित क्षेत्र के विस्तार पर विशेष बल दिया।

भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुआ श्री जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : श्री जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव का समापन रविवार को श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के माहौल में हुआ। समापन अवसर पर भगवान श्री जगन्नाथ, बड़े भाई भगवान बलराम एवं बहन देवी सुभद्रा मौसीबाड़ी से भव्य वापसी रथ पर सवार होकर श्रीमंदिर के लिए प्रस्थान किए। इस दौरान हजारों श्रद्धालु रथयात्रा में शामिल हुए और "जय जगन्नाथ" के जयघोष से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह के साथ रथ की डोरी खींचकर महाप्रभु का आशीर्वाद प्राप्त किया। वापसी रथयात्रा के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) जोहन टूडू एवं अंचल अधिकारी संजय यादव ने भगवान जगन्नाथ, बलराम और देवी सुभद्रा की विधिवत पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। दोनों अधिकारियों ने रथ के समक्ष मत्था टेककर महाप्रभु का आशीर्वाद भी लिया। रथयात्रा मार्ग पर महिला, पुरुष, बच्चे और बुजुर्गों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े। पूरे मार्ग में भक्ति गीतों और जयघोष से वातावरण गुंजायमान रहा। आयोजन समिति एवं प्रशासन की ओर से सुरक्षा, यातायात और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं बेहतर ढंग से की गई थीं, जिसके कारण महोत्सव शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। महाप्रभु की वापसी रथयात्रा ने चौपारण में आस्था, सामाजिक सौहार्द और सांस्कृतिक एकता का संदेश दिया।

महिलाओं एवं बच्चों के लिए आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं का भरोसेमंद केंद्र बना एचजेडबी आरोग्यम कुणाल अस्पताल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

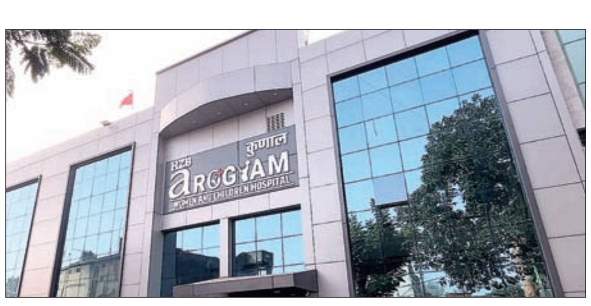

हजारीबाग : हजारीबाग महिलाओं एवं बच्चों को बेहतर, सुरक्षित एवं आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एचजेडबी आरोग्यम कुणाल महिला एवं बाल चिकित्सालय द्वारा रविवार 19 जुलाई को सुबह 10:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक अस्पताल परिसर में इन-हाउस निःशुल्क महिला एवं बाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। स्थान - इमली कोठी, लिटिल एंजेल्स स्कूल के समीप, बड़कागांव रोड, हजारीबाग। संपर्कः 9031074363, 9031074364।

शिविर में स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. रीमा वर्मा, डॉ. एस. कुमारी एवं डॉ. सुधा भेंगरा, बाल रोग एवं नवजात शिशु विशेषज्ञ डॉ. डी. के. गुप्ता तथा नवजात एवं शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रकाश चंद्र महिलाओं एवं बच्चों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, परामर्श एवं आवश्यक चिकित्सीय मार्गदर्शन देंगे। शिविर में महिला स्वास्थ्य परामर्श, बाल रोग परामर्श, गर्भावस्था एवं सुरक्षित प्रसव संबंधी मार्गदर्शन तथा सामान्य स्वास्थ्य जांच की सुविधा पूरी तरह निःशुल्क रहेगी। भाग लेने के लिए पूर्व पंजीकरण की आवश्यकता नहीं है। इच्छुक महिलाएं एवं अभिभावक सीधे अस्पताल पहुंचकर लाभ ले सकते हैं। अस्पताल में गर्भावस्था की नियमित देखभाल, जटिल गर्भावस्था का उपचार, सामान्य एवं सिजेरियन प्रसव, गर्भाशय एवं अंडाशय से संबंधित रोगों का इलाज, दूरबीन विधि से शल्य चिकित्सा तथा निःसंतान दंपतियों की जांच एवं उपचार जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। नवजात शिशुओं एवं बच्चों के लिए एनआईसीयू लेवल-3, पीआईसीयू, बाल शल्य चिकित्सा और 24 घंटे आपातकालीन सेवा भी दी जा रही है। आर्थिक रूप से कमजोर एवं मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए मात्र 30,000 रुपये में सिजेरियन प्रसव की विशेष सुविधा शुरू की गई है। अस्पताल के निदेशक हर्ष अजमेरा ने कहा, हर महिला और हर बच्चे तक सुरक्षित, आधुनिक और भरोसेमंद स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं तथा अनुभवी चिकित्सकों की टीम के माध्यम से हम हजारीबाग एवं आसपास के लोगों को महानगरों जैसी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। अस्पताल की प्रशासक जया सिंह ने कहा, निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में अधिक से अधिक महिलाएं एवं अभिभावक पहुंचकर विशेषज्ञ चिकित्सकों की सलाह और स्वास्थ्य जांच का लाभ उठाएं।

संक्षिप्त खबरें

श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने सूर्यकुंड का किया शैक्षणिक भ्रमण

बरही : देवचंदा मोड़ स्थित श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने शनिवार को हजारीबाग जिले के प्रसिद्ध पर्यटन एवं धार्मिक स्थल सूर्यकुंड का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने सूर्यकुंड के ऐतिहासिक, धार्मिक एवं वैज्ञानिक महत्व के बारे में जानकारी प्राप्त की। शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को असाइनमेंट आधारित गतिविधियां दी गईं, जिसके तहत उन्होंने सूर्यकुंड के गर्म जलस्रोत, उसके प्राकृतिक स्वरूप, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि तथा स्थानीय मान्यताओं पर अध्ययन एवं अवलोकन किया। विद्यार्थियों ने स्थल पर ही नोट्स तैयार किए और शिक्षकों से विभिन्न विषयों पर चर्चा कर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक अमरजीत पांडेय एवं विकास गुप्ता विद्यार्थियों के साथ मौजूद रहे। उन्होंने बच्चों को सूर्यकुंड के इतिहास, भूगोल, धार्मिक महत्व एवं प्राकृतिक विशेषताओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा उन्हें शोधपरक दृष्टिकोण से सीखने के लिए प्रेरित किया।

प्राचार्य कैलाश कुमार ने कहा किकिताबों से मिलने वाला ज्ञान महत्वपूर्ण है, लेकिन जब विद्यार्थी किसी ऐतिहासिक या प्राकृतिक स्थल को स्वयं देखकर सीखते हैं तो उनकी समझ और अधिक विकसित होती है। इसी उद्देश्य से विद्यालय प्रत्येक शनिवार को शैक्षणिक भ्रमण आयोजित करता है। विद्यालय प्रबंधक विकास सिंह ने कहा किश्रीदस इंटरनेशनल स्कूल में हमारा प्रयास बच्चों को केवल परीक्षा के लिए नहीं, बल्कि जीवन के लिए तैयार करना है। एजुकेशनल टूर विद्यार्थियों में जिज्ञासा, शोध की प्रवृत्ति और आत्मविश्वास विकसित करते हैं।

सांसद तीर्थ दर्शन महाअभियान के 1 वर्ष पूर्ण, करीब 250 सेवाकर्मियों और कार्यकर्ताओं का सम्मान

हजारीबाग : सांसद तीर्थ दर्शन महाअभियान के सफल एक वर्ष पूर्ण होने पर शनिवार को डाक बंगला चौक स्थित होटल पैराडाइज रिसॉर्ट में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह थे। इस अवसर पर अभियान से जुड़े लगभग 250 भाजपा मंडल अध्यक्षों, सांसद प्रतिनिधियों, सांसद सेवा केंद्र के सेवाकर्मियों और यूथ विंग के सदस्यों को सम्मान पत्र, श्रीराम की तस्वीर और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सांसद मनीष जायसवाल, बरही विधायक मनोज कुमार यादव, मांडू विधायक तिवारी महतो, जिला संगठन प्रभारी किसुन दास, जिला परिषद अध्यक्ष उमेश प्रसाद मेहता, उपाध्यक्ष किशुन यादव, डिप्टी मेयर अविनाश कुमार यादव, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद, प्रदेश मंत्री अमरदीप यादव, जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह, रामगढ़ जिला अध्यक्ष संजीव कुमार बावला, चतरा जिला अध्यक्ष रामदेव सिंह भोक्ता, आजसू जिला अध्यक्ष परमेश्वर महतो, पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक यादव, के.पी. ओझा, हरीश श्रीवास्तव , रमेश ठाकुर, विजय यादव, आकाश जयसवाल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे। सांसद मनीष जायसवाल ने अभियान के विस्तार की घोषणा करते हुए एक और बस जोड़ने की बात कही। यह बस सावन माह में एक महीने तक हजारीबाग से बाबा बैद्यनाथ धाम जाने वाले कांवरियों की सेवा में चलेगी।

डीएवी पब्लिक स्कूल बरही में कृत्रिम बुद्धिमत्ता विषय पर अंतर-हाउस भाषण प्रतियोगिता

बरही : डीएवी पब्लिक स्कूल, बरही के साहित्यिक क्लब द्वारा शुक्रवार को कक्षा 8वीं से 12वीं के विद्यार्थियों के लिए "कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उदय – The Rise of Artificial Intelligence" विषय पर अंतर–हाउस भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों को एआई के अवसरों, चुनौतियों और भविष्य पर इसके प्रभाव को समझकर अपने विचार प्रभावी ढंग से रखने का मंच देना था। विद्यालय के चारों सदनों हंसराज, दयानंद, विवेकानंद एवं एन.डी. ग्रोवर के प्रतिभागियों ने आत्मविश्वास और तार्किक सोच के साथ अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में अंशु प्रिया, कक्षा 11वीं विज्ञान, हंसराज सदन ने 50 में से 47 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं सृष्टि रानी, कक्षा नवम, एन.डी. ग्रोवर सदन ने 50 में से 42 अंक के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया। मूल्यांकन विषय–वस्तु, प्रस्तुतीकरण, अभिव्यक्ति, स्वर और समय–प्रबंधन के आधार पर किया गया। प्राचार्य पी.के. झा ने विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास और संप्रेषण कौशल को मजबूत करती हैं। उन्होंने छात्रों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी आधुनिक तकनीकों के प्रति जागरूक रहने और उनके नैतिक उपयोग की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन साहित्यिक क्लब के समन्वयक धर्मेंद्र कुमार ने किया।

स्मार्ट चैंप प्ले स्कूल में धूमधाम से मनाया गया ग्रैंडपैरेंट्स डे

बरही : बरही तिलैया रोड बरही में संचालित स्मार्ट चैंप प्ले स्कूल में शनिवार को ग्रैंडपैरेंट्स डे का आयोजन बड़े उत्साह और भावनात्मक माहौल में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों और दादा–दादी, नाना–नानी के बीच के रिश्ते को मजबूत करना और बुजुर्गों के योगदान को सम्मान देना था। कार्यक्रम की शुरूआत बच्चों द्वारा स्वागत गीत और तिलक लगाकर दादा–दादी के स्वागत से हुई। इसके बाद नन्हे मुन्नों ने गीत, नृत्य, कविता और नाटिका के माध्यम से सभी का मन मोह लिया। बच्चों ने अपने दादा–दादी के साथ मिलकर गेम्स और एक्टिविटीज में भी हिस्सा लिया। इस अवसर पर कई दादा–दादी ने अपने बचपन की यादें और कहानियां बच्चों के साथ साझा कीं। स्कूल परिसर संगीत, तालियों और हंसी से गूंजता रहा। स्कूल की प्राचार्या स्नेहा प्रिया ने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में बच्चों को बुजुर्गों के अनुभव और संस्कारों से जोड़ना जरूरी है। ग्रैंडपैरेंट्स डे इसी सोच के साथ मनाया जाता है। उन्होंने सभी दादा–दादी और अभिभावकों को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए धन्यवाद दिया।

एक नजर

छात्रवृत्ति नहीं मिलने पर छात्रों का प्रदर्शन कल्याण मंत्री के इस्तीफे की मांग

रांची : झारखंड में एसटी, एससी और ओबीसी वर्ग के छात्रों की लंबित छात्रवृत्ति को लेकर शनिवार को आदिवासी छात्र संघ ने जोरदार प्रदर्शन किया। जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से अल्बर्ट एक्का चौक तक रैली निकालकर छात्रों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और कल्याण मंत्री चमरा लिंडा के इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शनकारी छात्रों का आरोप है कि पिछले डेढ़ से चार वर्षों से हजारों छात्रों को छात्रवृत्ति भुगतान नहीं हुआ है। उनका कहना है कि छात्रवृत्ति उनके लिए केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि उच्च शिक्षा जारी रखने का प्रमुख आधार है। छात्रों ने बताया कि आर्थिक तंगी के कारण कई परिवारों को बकरी, मुर्गी और धान तक बेचने पड़े हैं, जबकि कई छात्र-छात्राएं पढ़ाई के साथ रेस्टोरेंट में काम करने, घरों में झाड़ू-पोछा और बर्तन धोने जैसे कार्य करने को मजबूर हैं। एक छात्रा ने बताया कि वह दोपहर तक कॉलेज की पढ़ाई करने के बाद रात तक रेस्टोरेंट में काम करती है और फिर घर लौटकर पढ़ाई करती है। आदिवासी छात्र संघ के केंद्रीय अध्यक्ष ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के बीच फंड को लेकर होने वाला विवाद छात्रों की जिम्मेदारी नहीं है। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार केंद्र से समन्वय कर जल्द से जल्द लंबित छात्रवृत्ति का भुगतान सुनिश्चित करे। छात्रों ने आरोप लगाया कि कल्याण मंत्री चमरा लिंडा द्वारा बार-बार कुछ समय में छात्रवृत्ति जारी करने का आश्वासन दिया जाता है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। छात्रों का कहना है कि वर्ष 2024, 2025 और 2026 के कई विद्यार्थियों को भी अब तक छात्रवृत्ति नहीं मिली है।

स्पेशल कांवरिया ट्रेन में 20 के बदले 27 कोच लगाने पर रेल मंत्री सहमत : शेफाली गुप्ता

रांची : स्पेशल कांवरिया ट्रेन में अब 20 के बदले 27 कोच लगेंगे। भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता के अनुरोध पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कोच की संख्या बढ़ाने पर सहमति दे दी है। स्पेशल कांवरिया ट्रेन 27 जुलाई से चलेगी। ट्रेन हर सोमवार और शुक्रवार को रांची से स, मंगल और शनिवार को भागलपुर से चलेगी। शेफाली गुप्ता ने बताया कि उन्होंने स्पेशल कांवरिया ट्रेन में भक्तों की बढ़ती संख्या को देखते हुए DRM से मिलकर रेल मंत्री के नाम ज्ञापन दिया था। इसमें कोच की संख्या 20 से बढ़ाकर 27 करने का अनुरोध किया गया था। रेल मंत्री ने इसे स्वीकार करते हुए कोच की संख्या बढ़ाने पर सहमति दे दी है। सावन स्पेशल ट्रेन रांची, मुरी, बरकाकाना, हजारीबाग, तिलैया, कोडरमा, गया होते हुए सुल्तानगंज, भागलपुर सहित प्रमुख स्टेशनों से होकर जायेगी। स्पेशल कांवरिया ट्रेन के चलने से झारखंड, बिहार और आस पास के श्रद्धालुओं को लाभ होगा।

मोरहाबादी बाजार से हटाए गए वेंडरों को टैगोर हिल के पास मिला नया वेंडिंग

रांची : नगर निगम शहर में स्थायी वेंडिंग व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। मोरहाबादी मैदान से हटाए गए वेंडरों के पुनर्वास की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। शनिवार को मोरहाबादी स्थित टैगोर हिल के समीप लगभग 45 डिसमिल गैरमजरूआ भूमि पर वेंडरों को जगह दिया गया है। नगर निगम की टीम ने आज सभी वेंडरों से संवाद किया और उनकी समस्याओं एवं सुझावों को सुना। इसके बाद उन्हें नए वेंडिंग स्थल पर बैठाने की प्रक्रिया संपन्न कराई गई, ताकि वे बिना किसी समस्या के अपना व्यवसाय शुरू कर सकें।

नई शिक्षा नीति, क्लस्टर सिस्टम व सीटों में कटौती के विरोध में डोरंडा कॉलेज के छात्रों का सड़क जाम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : डोरंडा कॉलेज में नई शिक्षा नीति (NEP), क्लस्टर सिस्टम और यूजी-पीजी की सीटों में कटौती के विरोध में छात्रों ने शनिवार को जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने कॉलेज के बाहर मुख्य सड़क पर मानव श्रृंखला बनाकर जाम लगा दिया। इस दौरान कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित भी रही। प्रदर्शन कर रहे छात्रों का कहना था कि नई शिक्षा नीति को बिना पर्याप्त तैयारी के लागू किया गया है। उनका आरोप है कि वे इस नीति के पहले बैच हैं और उनके साथ प्रयोग किया जा रहा है। छात्रों के अनुसार, नया पाठ्यक्रम लागू होने के समय न शिक्षक पूरी तरह तैयार थे और न ही विद्यार्थियों को स्पष्ट जानकारी थी, जिससे पढ़ाई प्रभावित हुई।

छात्रों ने 7.5 CGPA की अनिवार्यता का भी विरोध किया। उनका कहना है कि सेमेस्टर-7 में प्रवेश के लिए 7.5 CGPA की शर्त के कारण कई विद्यार्थियों का भविष्य अधर में लटक गया है। छात्रों का आरोप है कि कॉलेज ने री-एडमिशन और परीक्षा शुल्क पहले ही ले लिया, लेकिन अब कम CGPA का हवाला देकर आगे की पढ़ाई से रोका जा रहा है। वहीं, पीजी में नामांकन के बाद भी अब तक कक्षाएं शुरू नहीं होने का आरोप लगाया गया। प्रदर्शन में शामिल छात्रों ने कहा कि डोरंडा कॉलेज में लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा सहित कई ग्रामीण क्षेत्रों से आर्थिक रूप से कमजोर छात्र पढ़ने आते हैं। यदि यूजी-पीजी की सीटें कम की जाती हैं या क्लस्टर सिस्टम के तहत पीजी की पढ़ाई अन्य संस्थानों में स्थानांतरित की जाती है, तो ऐसे छात्रों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा और उनकी पढ़ाई प्रभावित होगी। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने सरकार की शिक्षा नीतियों पर भी सवाल उठाए और कहा कि उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए।

सड़क जाम की सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने छात्रों को समझाकर सड़क खाली कराने का प्रयास किया। बाद में छात्रों ने आम लोगों की सुविधा को देखते हुए सड़क का एक हिस्सा खोल दिया, लेकिन अपनी मांगों को लेकर सड़क किनारे धरने पर बैठे रहे। छात्रों का कहना था कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया जाता, आंदोलन जारी रहेगा और आगे भी चक्का जाम होता रहेगा।

आईएमवीएसएल के वार्षिक फेट और प्रदर्शनी को लेकर 20 को होगी बैठक

रांची : इस्पात महिला विकास सहयोग समिति लिमिटेड (आईएमवीएसएसएल), श्यामली कॉलोनी की ओर से आयोजित होने वाले वार्षिक फेट, प्रदर्शनी एवं बिक्री मेले की तैयारियों को लेकर 20 जुलाई को श्यामली कॉलोनी में विचार-विमर्श बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक के दौरान आयोजन की रूपरेखा, तैयारियों और कार्यक्रम से संबंधित विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी। मेकॉन लिमिटेड की कार्यभार प्रभारित महाप्रबंधक सीमांतिनी साहू ने शनिवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि समिति वर्षों से सामाजिक सरोकार, महिला सशक्तिकरण और सामुदायिक विकास से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन करती आ रही है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी वार्षिक फेट, प्रदर्शनी और बिक्री मेले का आयोजन किया जाएगा।

सरला बिरला पब्लिक स्कूल में चतुर्थ राष्ट्रीय अंतर-विद्यालयी अंतरविषयी कला महोत्सव 'प्रतिध्वनि' का भव्य शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : सरला बिरला पब्लिक स्कूल, रांची में तीन दिवसीय चतुर्थ राष्ट्रीय अंतर-विद्यालयी अंतरविषयी कला महोत्सव 'प्रतिध्वनि' का भव्य शुभारंभ गरिमामय समारोह के साथ हुआ। देश के विभिन्न विद्यालयों से आए युवा प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की सहभागिता से आयोजित इस राष्ट्रीय महोत्सव ने साहित्य, प्रदर्शन कला, आलोचनात्मक चिंतन तथा सृजनात्मक अभिव्यक्ति को एक सशक्त मंच प्रदान किया। नॉलेज रिसोर्स क्यूरेटर मुखर्जी पी. के मार्गदर्शन में आयोजित यह महोत्सव विद्यार्थियों को अंतरविषयी गतिविधियों के माध्यम से साहित्य, प्रदर्शन कला, आलोचनात्मक चिंतन एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति के विविध आयामों का अनुभव कराने का अवसर प्रदान करता है। वर्षों के दौरान 'प्रतिध्वनि' रचनात्मकता, नवाचार एवं सहयोगात्मक अधिगम को प्रोत्साहित करने वाला एक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय मंच बन चुका है, जिसमें देशभर के अग्रणी विद्यालयों की सक्रिय सहभागिता रही है।

इस वर्ष इस महोत्सव में देशभर के 26 विद्यालयों के 450 से अधिक विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। वाद-विवाद, स्टोरीटेलिंग, रंगमंच, कविता, क्विज, रचनात्मक लेखन सहित साहित्यिक एवं कलात्मक प्रतियोगिताओं की विविध अंतरविषयी विधाओं में प्रतिभागी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। कार्यक्रम में सरला बिरला विश्वविद्यालय के महानिदेशक प्रो. (डॉ.) गोपाल पाठक, कुलपति प्रो. (डॉ) सी. जेगनाथन, कुलसचिव प्रो. एस. बी. डांडिन, विभिन्न प्रतिष्ठित सीबीएसई विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं प्रधानाचार्याएं, नॉलेज रिसोर्स क्यूरेटर मुखर्जी पी., प्रख्यात थिएटर आर्टिस्ट एवं फिल्म निर्माता मेघनाथ तथा निर्णायक मंडल के सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इसके पश्चात सरला बिरला पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मनोहारी नृत्य-नाटिका 'मंत्रा टू मशीन - ए डांस ओडिसी' ने उपस्थित सभी अतिथियों एवं दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अद्भुत प्रस्तुति में पंचतत्त्व-पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश के माध्यम से परंपरा से आधुनिक तकनीकी युग तक मानव सभ्यता की विकास यात्रा का अत्यंत प्रभावशाली चित्रण किया गया। आकर्षक नृत्य संयोजन, भावपूर्ण संगीत एवं सशक्त अभिव्यक्ति के माध्यम से प्रकृति, मानव सभ्यता और नवाचार के संतुलित सहअस्तित्व का प्रेरणादायी संदेश प्रस्तुत किया गया। इस प्रस्तुति ने उपस्थित सभी दर्शकों को भाव-विभोर करते हुए सृजनात्मकता एवं अंतरविषयी अधिगम के उत्सव का वातावरण निर्मित कर दिया। उद्घाटन सत्र में मुखर्जी पी. एवं माइम कलाकार कुणाल मोटलिंग द्वारा 'प्रदूषण' विषय पर प्रस्तुत प्रभावशाली मूकाभिनय आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा।

रांची में किराए के मकान से मां-बेटे का शव बरामद, चार वर्षीय बेटी और ननद गंभीर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची के रातू थाना क्षेत्र स्थित चटकपुर शांति नगर पोखर टोला में शनिवार सुबह एक किराए के मकान से मां और उसके मासूम बेटे का शव बरामद हुआ। वहीं परिवार की चार वर्षीय बेटी और 15 वर्षीय ननद गंभीर हालत में मिलीं। दोनों घायलों को पहले सेवा सदन में प्राथमिक उपचार दिया गया, जहां से उनकी हालत गंभीर होने पर राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) रेफर कर दिया गया। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान 32 वर्षीय पिंकी देवी और उनके ढाई वर्षीय पुत्र श्रवण कुमार के रूप में हुई है। वहीं घायलों में पिंकी की 15 वर्षीय ननद चंदा कुमारी और चार वर्षीय बेटी प्राची कुमारी शामिल हैं। दोनों का रिम्स में उपचार जारी है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, शनिवार तड़के काफी देर तक घर का दरवाजा नहीं खुलने पर उन्हें संदेह हुआ। सुबह करीब पांच बजे पड़ोसियों ने एस्बेस्टस की चादर हटाकर घर के भीतर प्रवेश किया। अंदर का दृश्य देखकर सभी स्तब्ध रह गए। कमरे में पिंकी देवी और उनके बेटे का शव पड़ा था, जबकि चंदा कुमारी और प्राची कुमारी अचेत एवं गंभीर अवस्था में जमीन पर मिलीं। घटना की सूचना मिलते ही रातू थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में दम घुटने की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि जिस कमरे में चारों लोग सो रहे थे, उसी कमरे में कोयले का चूल्हा भी रखा था। आशंका है कि चूल्हे से निकले धुएं या जहरीली गैस के कारण यह हादसा हुआ हो सकता है। हालांकि पुलिस ने स्पष्ट किया है कि मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट और वैज्ञानिक जांच के बाद ही चल सकेगा।

कुछ देर की बारिश ने नगर निगम की तैयारी की खोली पोल, कई जगह जलजमाव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मूसलाधार बारिश ने नगर निगम की मानसून की तैयारी की पोल खोल दी है। शनिवार को दोपहर बाद तेज बारिश हुई। मुख्य सड़कों से कनेक्टिंग नालियों में पानी भर गई। इसकी वजह से सड़कों पर घुटनों तक पानी भर गया। लोगों को आने-जाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ा। मुसलाधार बारिश के कारण एनएच 75 रोड पंचशील की सड़कों पर तेज बहाव हो गया। इसकी वजह से लोगों को आवागमन में थोड़ी मुश्किल हो गई। वहीं, हिंदपीढ़ी, सहजानंद चौक, कर्बला चौक, बड़ा तालाब समेत अन्य स्थानों पर पानी जम गया है। बारिश के थमने के बाद सड़कों पर वाहनों का भीड़ बढ़ गई। हरमू रोड पर वाहनों की रफ्तार धीरे हो गई। पांच मिनट के सफर में घंटों का समय लग गया। वहीं, बड़ा तालाब के किनारे लाखों रुपए की लागत से नाली बनाई गई है, लेकिन आधे घंटे की मुसलाधार बारिश से तीन फिट पानी सड़क पर जमा हो गया है।

एसआइआर को सफल बनाने में सामुदायिक सहभागिता जरूरी : तुषार कांति शीट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : शहर के जाने-माने समाजसेवी एवं श्रीरामकृष्ण सेवा संघ के सहायक सचिव तुषार कांति शीट ने कहा है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के प्रति मतदाताओं का जागरूक होना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की नींव मतदान पर टिकी है और मतदान की शुद्धता के लिए सही एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची का होना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से चुनाव आयोग समय-समय पर विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिविजन) कार्यक्रम संचालित करता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में मतदाता सूची का घर-घर जाकर गहन सत्यापन कराया जा रहा है। इस प्रक्रिया में बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) प्रत्येक घर जाकर मतदाता सूची में दर्ज नाम, पता, उम्र और फोटो का सत्यापन कर रहे हैं। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे इस कार्य में बीएलओ का सहयोग करें।

तुषार कांति शीट ने बताया कि सामान्य पुनरीक्षण प्रक्रिया में केवल ऑनलाइन या ऑफलाइन आवेदन लिए जाते हैं, जबकि एसआईआर में भौतिक सत्यापन (फिजिकल वेरिफिकेशन) आवश्यक होता है। इसका उद्देश्य एक व्यक्ति का नाम दो स्थानों पर दर्ज होने से रोकना, मृत मतदाताओं के नाम हटाना, फर्जी मतदान पर अंकुश लगाना, स्थानांतरित लोगों के नाम जोड़ना या हटाना तथा नए मतदाताओं को सूची में शामिल करना है। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष से अधिक आयु के युवाओं का नाम मतदाता सूची में जुड़ना चाहिए। साथ ही नाम, उम्र, लिंग और फोटो से संबंधित गलतियों को भी सुधारना एसआईआर का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। इससे निष्पक्ष, पारदर्शी और त्रुटिरहित चुनाव सुनिश्चित हो सकते हैं।

उन्होंने मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि एसआईआर के दौरान जब बीएलओ घर आएं तो सत्यापन फॉर्म अवश्य भरें और सही जानकारी उपलब्ध कराएं। आवश्यक दस्तावेज जैसे आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र और पता प्रमाण पत्र तैयार रखें। नए मतदाता फॉर्म-6 भरकर अपना नाम जुड़वा सकते हैं, जबकि पता बदलने की स्थिति में फॉर्म-8ए के माध्यम से संशोधन कराया जा सकता है। मृत या स्थानांतरित मतदाताओं की सूचना भी संबंधित अधिकारियों को देनी चाहिए, ताकि सूची को अपडेट किया जा सके।

श्री शीट ने कहा कि एसआईआर पूरी तरह निःशुल्क है और इसके लिए किसी को पैसे देने की आवश्यकता नहीं है।

संक्षिप्त खबरें

रांची में चार अगस्त को निकलेगा चेहल्लुम का मातमी जुलूस, तैयारियां तेज

रांची : रांची में शिया समुदाय की ओर से हजरत इमाम हुसैन और कर्बला के शहीदों की याद में चार अगस्त को चेहल्लुम का मातमी जुलूस निकाला जाएगा। जुलूस को लेकर समुदाय के स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। आयोजन के दौरान बड़ी संख्या में अकीदतमंदों के शामिल होने की संभावना है। शिया समुदाय के प्रतिनिधि सैयद फराज अब्बास ने शनिवार को बताया कि चेहल्लुम का मातमी जुलूस मुहर्रम की 10वीं तारीख (आशूरा) के 40 दिन बाद निकाला जाता है। यह दिन कर्बला के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने, उनके बलिदान को याद करने और उनके संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि चार अगस्त को सुबह 10 बजे जुलूस मेन रोड स्थित विश्वकर्मा मंदिर लेन में स्वर्गीय अधिवक्ता सैयद यावर हुसैन के आवास 'अनवर आर्केड' से प्रारंभ होगा। वहां से मातमी जुलूस मेन रोड, अंजुमन प्लाजा चौक, उर्दू लाइब्रेरी, डेली मार्केट, ओल्ड टैक्सी स्टैंड, गांधी चौक स्थित हनुमान मंदिर, काली मंदिर चौक, चर्च रोड, विक्रांत चौक और कर्बला चौक होते हुए कर्बला पहुंचेगा, जहां जुलूस का समापन होगा। आयोजकों के अनुसार, जुलूस के दौरान अकीदतमंद मातम और नौहाख्वानी के माध्यम से हजरत इमाम हुसैन तथा कर्बला के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। जुलूस के शांतिपूर्ण और व्यवस्थित आयोजन के लिए प्रशासन से भी आवश्यक सहयोग का अनुरोध किया गया है।

209 वां श्री श्याम भंडारा संपन्न

रांची : श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में 209 वा श्री श्याम भंडारा का भव्य आयोजन किया गया। शनिवार का भंडारा ओम प्रकाश गुप्ता मंजू गुप्ता के परिवार द्वारा निवेदित किया गया था। मण्डल के निवर्तमान अध्यक्ष सुरेश सरावगी निर्वतमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया महामंत्री गौरव अग्रवाल एवं गुप्ता परिवार ने इष्ट मित्रों के साथ संयुक्त रूप से बाबा श्री श्याम का भोग भजन गाया। आओ आओ भोग लगाओ बाबा श्याम जी के भोग भजन से श्री श्याम मंदिर गूंज रहा था। सर्वप्रथम भंडारे का भोग लगाकर महाप्रसाद में मिलवाया गया। इसके बाद यजमान परिवार के सदस्यों ने मंदिर के आचार्यों को भोजन प्रसादी ग्रहण करवाया। भंडारे का भोग हर शनिवार को गौशाला में गौ माता के लिए भेजा जाता है। मंदिर के सदस्य एवं सहयोगी गौशाला में भंडारे का भोग लेकर जाते हैं। श्री श्याम मंदिर परिसर भक्तों से भर गया एवं हरमू रोड में भक्तजनों की लंबी-लंबी कतारें लग गई। खाटूनरेश की जय जयकारों से पूरा हरमू रोड गूंज रहा था। प्रथम देव श्री गणेश जी महाराज की जय जयकारों के बीच प्रसाद वितरण प्रारंभ किया गया। आज के भंडारे में वेजीटेबल पुलाव आलू लॉकी मिक्स झोलदार सब्जी केसरिया जलेबी बिस्किट एवं खीर चूरमा का भोग लगाया गया। श्री श्याम भंडारे में मण्डल के निवर्तमान अध्यक्ष सुरेश सरावगी, निर्वतमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, महामंत्री गौरव अग्रवाल, यजमान परिवार से ओम प्रकाश गुप्ता, मंजू देवी, ऋषि, निवेदिता, आदिश्री, अन्वेषा, प्रिशा, निरीश गुप्ता, दीपक, नीति अग्रवाल, मंडल उपाध्यक्ष श्रवण ढांढनिया, अशोक लड़िया, वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य श्यामसुंदर शर्मा, अनुज मोदी, अंकित सिंह, हर्ष मिश्रा, मनोज खेतावत, उपेन्द्र पांडे सहित 50 से ज्यादा कार्यकर्ताओं ने सहयोग दिया।

इनर व्हील क्लब ऑफ संजीवनी रांची का द्वितीय शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

रांची : इनर व्हील क्लब ऑफ संजीवनी, रांची (डिस्ट्रिक्ट 325) का इंस्टॉलेशन सेरेमनी शनिवार को राजधानी रांची के मेन रोड स्थित एवीएन ग्रैंड होटल में संपन्न हुआ। समारोह की मुख्य अतिथि पीडीसी पूनम प्रकाश थीं। विशेष अतिथियों के रूप में डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी नीता नारायण, सीजीआर माला श्रीवास्तव एवं इनर व्हील क्लब ऑफ स्वर्णरेखा की सदस्याओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं इनर व्हील प्रार्थना के साथ हुआ। इसके पश्चात वर्ष 2026-27 के लिए नई कार्यकारिणी ने पद एवं गोपनीयता की शपथ लेकर कार्यभार ग्रहण किया। नई कार्यकारिणी में अध्यक्ष डॉ. अंजना वर्मा, उपाध्यक्ष पूनम यादव, सचिव तनुजा अधिकारी, कोषाध्यक्ष अमिता अग्रवाल, आईएसओ वर्तिका तथा एडिटर डॉ. शैल सिंह ने अपने-अपने दायित्व ग्रहण किए। अपने अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. अंजना वर्मा ने कहा कि क्लब आने वाले वर्ष में महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में विभिन्न जनकल्याणकारी परियोजनाओं का संचालन करेगा। वहीं, मुख्य अतिथि पूनम प्रकाश ने नई टीम को शुभकामनाएं देते हुए इनर व्हील की मूल भावना 'फ्रेंडशिप एंड सर्विस' (मित्रता व सेवा) को आगे बढ़ाने का संदेश दिया। कार्यक्रम के सफल संचालन में क्लब के सभी सदस्यों का योगदान सराहनीय रहा। धन्यवाद ज्ञापन के उपरांत राष्ट्रगान से समारोह का समापन हुआ। इस अवसर पर इनर व्हील क्लब ऑफ संजीवनी रांची की सदस्य गण उपस्थित थीं।

छात्रवृत्ति नहीं मिलने के लिए केंद्र सरकार जिम्मेदार : आदिवासी छात्र संघ

रांची : आदिवासी छात्र संघ के संस्थापक सदस्यों की बैठक सोमवार को मोराबादी स्थित ट्राइबल छात्रावास में आयोजित हुई। बैठक में झारखंड के छात्रों को पिछले दो वर्षों से छात्रवृत्ति नहीं मिलने के मुद्दे पर चिंता व्यक्त की गई। बैठक में वक्ताओं ने आरोप लगाया कि देश के अन्य राज्यों को छात्रवृत्ति की राशि केंद्र सरकार द्वारा उपलब्ध करा दी गई है, जबकि झारखंड को अब तक राशि नहीं भेजी गई है। उनका कहना था कि छात्रवृत्ति मद में 75 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार तथा 25 प्रतिशत राशि राज्य सरकार वहन करती है। संघ के सदस्यों ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की लापरवाही के कारण राज्य के छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति से वंचित होना पड़ रहा है। बैठक में रांची विश्वविद्यालय में प्रस्तावित क्लस्टर प्रणाली का भी विरोध किया गया। वक्ताओं ने कहा कि पांचवीं अनुसूचित क्षेत्र में क्लस्टर सिस्टम लागू नहीं किया जाना चाहिए और वर्तमान व्यवस्था को यथावत रखा जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस निर्णय को वापस नहीं लिया गया तो आदिवासी छात्र संघ सड़क पर उतरकर आंदोलन करेगा। बैठक में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। संघ ने बताया कि सरना धर्म कोड लागू करने और परिसीमन का विरोध करने का अभियान वर्ष 2001 से लगातार चलाया जा रहा है।

एक नजर

विधिक जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

कोडरमा : प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा रमाकांत मिश्रा के मार्गदर्शन में शनिवार को विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन कोडरमा मॉडल कारा में बंदियों के बीच आयोजित की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रभारी जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव प्रज्ञा बाजपेई उपस्थित थी। इस अवसर पर बंदियों को कानून की जानकारी देते हुए प्रभारी सचिव ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को उचित माध्यम से उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना है। साथ ही कानून के प्रति जागरूक करना है। जिससे अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंच सके। साथ ही प्राधिकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की विस्तृत रूप से जानकारी देते हुए कहा कि गरीब और असहाओं की मदद के लिए डीएलएसए हमेशा तत्पर है। आप सभी अपने आचरण और व्यवहार में सुधार करें। आप अपनी गलतियों से सबक लेते हुए यहां से बाहर निकल कर आगे गलती न करने का प्राण ले। कानून की जानकारी से सभ्य और सुव्यवस्थित समाज का निर्माण संभव है। बताते चले की 90 दिन गहन विधिक जागरूकता शिविर के तहत उपयुक्त कार्यक्रम आयोजित की गई थी।

ब्राउन शुगर के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

टंडवा : चतरा पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए टंडवा थाना क्षेत्र से दो ब्राउन शुगर तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 19.72 ग्राम ब्राउन शुगर, चार मोबाइल फोन तथा नाप-तौल करने वाली इलेक्ट्रॉनिक मशीन बरामद की गई है। टंडवा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी प्रभात रंजन बरवार ने शनिवार को आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि एनटीपीसी टंडवा गेट नंबर-02 जाने वाले मार्ग पर अवैध ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री की जा रही है। सूचना के सत्यापन एवं कार्रवाई के लिए उनके नेतृत्व में छापामारी टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राजेश कुमार (25 वर्ष), ग्राम पचड़ा, थाना केरेडारी, जिला हजारीबाग तथा विकाश कुमार महतो 24 वर्ष, ग्राम नईपारम, थाना टंडवा, जिला चतरा के रूप में हुई है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने दोनों आरोपियों के पास से कुल 19.72 ग्राम ब्राउन शुगर, चार मोबाइल फोन तथा डिजिटल नाप-तौल मशीन बरामद की। इनमें राजेश कुमार के पास से 9.01 ग्राम तथा विकास कुमार महतो के पास से 10.71 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई।

नाबालिग से छेड़छाड़ मामले में 12 घंटे के भीतर आरोपी गिरफ्तार

प्रतापपुर : महिलाओं एवं बच्चों के विरुद्ध अपराधों के प्रति प्रतापपुर पुलिस ने एक बार फिर अपनी तत्परता का परिचय दिया है। नाबालिग से छेड़छाड़ के मामले में प्राथमिकी दर्ज होने के महज 12 घंटे के भीतर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की क्षेत्र में सराहना हो रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 17 जुलाई को प्राप्त आवेदन के आधार पर प्रतापपुर थाना कांड संख्या-65/2026 दर्ज किया गया। मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 74 एवं पॉक्सो अधिनियम की धारा 8 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने तत्काल छापेमारी अभियान शुरू किया। छापेमारी के दौरान नामजद आरोपी ललन साव, पिता स्वर्गीय रामचंद्र साव, निवासी टंडवा, थाना प्रतापपुर, जिला चतरा को गिरफ्तार कर लिया गया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

'लोक अदालत में दोनों पक्षों की होती है जीत' : प्रधान जिला जज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के निर्देश के आलोक में कोडरमा के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार रमाकान्त मिश्रा के कुशल मार्ग दर्शन में व जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा के तत्वावधान में व्यवहार न्यायालय परिसर में आज शनिवार को चेक बाउंस से सम्बंधित मामलो के निष्पादन के लिए विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस मौके पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार रमाकान्त मिश्रा ने कहा कि आज के वर्तमान परिवेश में विशेष लोक अदालत किसी परिचय की मोहताज नहीं है यही कारण है कि इसकी लोकप्रियता दिन प्रति दिन बढती जा रही है। उन्होंने कहा कि विशेष लोक अदालत में दिए गए फैसले में दोनों पक्षों की जीत होती है तथा यह फैसला दोनों पक्षों को संतुष्ट करता है।

कोई पक्ष इसे थोपा हुआ महसूस नहीं करता है। विशेष लोक अदालत में दिए गए निर्णय के विरुद्ध कहीं भी कोई अपील नहीं होती। विशेष लोक अदालत का निर्णय अंतिम निर्णय होता है। उन्होंने कहा कि विशेष लोक अदालत शीघ्र, सस्ता और सुलभ न्याय प्रदान करने का सशक्त माध्यम है। लोक अदालत का फैसला अंतिम होता है। उन्होने कहा कि विशेष लोक अदालत में बढ़ रही भीड़ इस बात का परिचायक है कि विशेष लोक अदालत आम लोगों के बीच कितना लोकप्रिय होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि विशेष लोक अदालत में जहाँ एक ओर लोगों के समय और पैसे की बचत होती है वहीँ दूसरी ओर न्यायालय से मुकदमों का बोझ कम होता है। चेक बाउंस के मामलो से सम्बंधित विशेष लोक अदालत में कुल पांच बेंचों का गठन किया गया। बेंच संख्या एक में अवर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रज्ञा बाजपेयी व अधिवक्ता सुमन कुमारी, बेंच संख्या दो में सिविल जज सीनियर डिवीजन सत्यभामा कुमारी व अधिवकता रीना कुमारी, बेंच संख्या तीन में न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी ज्योत्सना पाण्डेय व अधिवक्ता शांति कुमारी, बेंच संख्या चार में न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी विकास कुमार भगत व अधिवकता संजय कुमार सिंह , बेंच संख्या पांच में न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी नमिता मिंज व अधिवक्ता टीनू कुमारी ने मामले की सुनवाई की। विशेष लोक अदालत में पांच बेंचो के माध्यम से कुल 12 वादो का निष्पादन किया गया एवं 20,00,000/ (बीस लाख रुपए मात्र) की वसूली की गई।

मंईयां सम्मान योजना : महिलाओं के सपनों को मिल रहे नए पंख, आत्मनिर्भर बन रहा कोडरमा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : आर्थिक रूप से सशक्त महिला ही एक मजबूत परिवार और समृद्ध समाज की आधारशिला होती है। इसी सोच को साकार करते हुए झारखंड सरकार की मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना जिले की हजारों महिलाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रही है। योजना के तहत मिलने वाली नियमित आर्थिक सहायता केवल एक वित्तीय सहयोग नहीं, बल्कि महिलाओं के आत्मविश्वास, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता की नई शुरूआत बन रही है। कोडरमा जिले की अनेक महिलाओं ने इस सहायता राशि का उपयोग स्वरोजगार शुरू करने, छोटे व्यवसाय का विस्तार करने तथा परिवार की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने में किया है। आज ये महिलाएं न केवल अपने परिवार की आय बढ़ा रही हैं, बल्कि अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा का स्त्रोत बन रही हैं। चंदवारा प्रखंड की रीना देवी पहले बेरोजगार थीं। मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना से मिलने वाली राशि को उन्होंने बचाकर कपड़ों की दुकान शुरू की। धीरे-धीरे उनका व्यवसाय बढ़ा और आज वे आत्मनिर्भर होकर अपने परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। रीना देवी कहती हैं कि यह योजना उनके लिए नई शुरूआत का माध्यम बनी है और अब उनका लक्ष्य अपने व्यवसाय का और विस्तार करना है। गायत्री देवी ने योजना से प्राप्त राशि का उपयोग किराना दुकान शुरू करने में किया। आज उनकी दुकान से नियमित आय हो रही है, जिससे परिवार की जरूरतें आसानी से पूरी हो रही हैं। उनका कहना है कि इस योजना ने उन्हें आत्मविश्वास दिया और अपने पैरों पर खड़े होने का अवसर प्रदान किया। जयनगर की पूजा देवी के पास पहले कोई स्थायी रोजगार नहीं था। योजना की सहायता से उन्होंने राशन दुकान का संचालन शुरू किया। आज वे सम्मानपूर्वक अपना व्यवसाय चला रही हैं और परिवार का भरण-पोषण स्वयं कर रही हैं। उनके लिए यह योजना आर्थिक सहायता के साथ सामाजिक सम्मान का भी आधार बनी है। सीमा देवी पहले से पूजा सामग्री और सब्जी की छोटी दुकान चलाती थीं। मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना से प्राप्त राशि से उन्होंने अपने व्यवसाय में अतिरिक्त पूंजी लगाई, जिससे दुकान का विस्तार हुआ और आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

चितरपुर में लगा डीएल के लिए कैंप, 47 लोगों को दिया गया लर्निंग सर्टिफिकेट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : जिले में वाहन चालकों को ड्राइविंग लाइसेंस उपलब्ध कराने के लिए लगातार कैंप लगाए जा रहे हैं। शनिवार को चितरपुर प्रखंड में एक दिवसीय कैंप का आयोजन जिला परिवहन विभाग ने किया। जिला परिवहन पदाधिकारी (डीटीओ) राजेश कुमार एक्का की मौजूदगी में इस कैंप में 47 लोगों को लर्निंग लाइसेंस उपलब्ध कराया गया। डीटीओ ने बताया कि आम नागरिकों को ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए कार्यालय का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। वह सीधे क्षेत्र में जाकर ड्राइविंग लाइसेंस उपलब्ध कराने का काम कर रहे हैं। सारी प्रक्रिया पूरी करने के बाद ट्रैफिक नियमों की जानकारी भी वाहन चालकों को दी जा रही है। उन्होंने बताया कि चितरपुर में लगे कैंप के दौरान कुल 83 लोगों ने लाइसेंस के लिए आवेदन दिया था। इसमें 47 लोग पास हुए और 36 लोग फेल हुए हैं। डीटीओ ने कहा कि वाहन चलाने से पहले ट्रैफिक नियमों की जानकारी बेहद जरूरी है। ओवर स्पीडिंग नहीं करने और सड़क पर सतर्क रहकर गाड़ी चलाने की जरूरत है। दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में ट्रैफिक नियमों का पालन बेहद आवश्यक है। इसके अलावा नशे में गाड़ी नहीं चलाने की हिदायत भी लाइसेंस धारी को दी गई है।

मरकच्चो में कांग्रेस जिला कार्यकारिणी की जीबी बैठक संपन्न, 38 लोगों ने थामा कांग्रेस का दामन

संविधान एवं लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रहेगा : प्रकाश रजक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जिला कांग्रेस कमेटी, कोडरमा की जिला कार्यकारिणी (जीबी) की महत्वपूर्ण बैठक शनिवार को मरकच्चो बाजार स्थित वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोहम्मद कासिम के आवास पर जिलाध्यक्ष प्रकाश रजक की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में संगठन की मजबूती, आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों, सदस्यता विस्तार अभियान एवं जनसरोकारों से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक प्रारंभ होने से पूर्व मरकच्चो प्रखंड कांग्रेस कमेटी की ओर से प्रदेश महासचिव एवं कोडरमा जिला संगठन प्रभारी विजय यादव, जिलाध्यक्ष प्रकाश रजक, जिला पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों का माला, गुलदस्ता एवं अंगवस्त्र भेंट कर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर नवनियुक्त मरकच्चो प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष मोहम्मद अजहर आलम को नियुक्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। बैठक के दौरान प्रदेश महासचिव एवं जिला संगठन प्रभारी विजय यादव, जिलाध्यक्ष प्रकाश रजक, जिला उपाध्यक्ष मालती चंद्रा एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोहम्मद कासिम की उपस्थिति में कांग्रेस पार्टी की नीतियों, विचारधारा तथा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व से प्रभावित होकर 38 लोगों ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। सभी नए सदस्यों का पार्टी का पट्टा पहनाकर एवं फूल-माला से स्वागत किया गया। कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करने वालों में मोहम्मद वाहिद अली, मोहम्मद तनवीर, मोहम्मद तौफीक, मोहम्मद अफसल, मोहम्मद असलम, मोहम्मद महताब, मोहम्मद चांद उद्दीन, मोहम्मद अरशद, मोहम्मद समीम, मोहम्मद हसनैन, ननकू यादव, सलिना खातून, रूबी खातून, नूरजहां खातून, आसमा खातून, आयसा खातून, गुड़िया देवी, भारती देवी, शीला देवी, कौशल्या देवी, ललिता देवी, सरिता देवी, मरजीना बानो, मकीना खातून, इशरत बानो, मुनिया खातून, सैबुन खातून, मुनेजा खातून, अनोखा खातून, होरैरा खातून, फरहा खातून, मुन्नी खातून, जरीना खातून, रवीना खातून, नजर खातून, मेहरून खातून तथा सलमा बानो शामिल हैं।

केटीपीएस से पानी छोड़े जाने पर किसानों की फसल बर्बाद, मुआवजे की मांग तेज

कोडरमा : जयनगर कोसमाडीह गांव निवासी राजेंद्र यादव ने मुख्य अभियंता सह परियोजना प्रमुख केटीपीएस डीवीसी को लिखित आवेदन देकर किसानों के खेत को बनवाने एवं धान के बीज नुकसान के भरपाई करने का अनुरोध किया। नवनिर्माण 800.880 मेगावाट थर्मल पावर प्लांट का पानी दिनांक 7 जुलाई 2026 को समय 12 बजे से लगभग 1 बजे दिन को जोरो से पानी खोल दिया गया। जिससे हम सभी किसानों का धान का बीज खेत में मिट्टी बालू पत्थर भर चुका है खेत का बड़ा मेड टूट चुका है और धान का बीज नष्ट हो गया। लिखित आवेदन में मुंना यादव, राजेंद्र यादव, माधुरी कुमारी तीनों के पिता स्व नागो यादव, प्रभु महतो वगैरह का खेत में बालू मिट्टी अधिक मात्रा में भर गया डीवीसी द्वारा बनाया गया गाडवाल भी टूट कर खेत में गिर गया और धान का बीज भी नष्ट हो गया। जल्द से जल्द खेत बनवाया जाए और बीज का भरपाई किया जाए।

केंद्रीय मंत्री ने 'सम्मिलित ज़िम्मेदारी' अभियान का किया शुभारंभ, मातृ पोषण को जन आंदोलन बनाने का आह्वान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरीतिलैया : केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कोडरमा में आयोजित प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई) संवाद कार्यक्रम के दौरान 'सम्मिलित ज़िम्मेदारी' अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने मातृ एवं शिशु पोषण को जनभागीदारी से जोड़ते हुए इसे जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में 'सम्मिलित ज़िम्मेदारी' शपथ दिलाई गई तथा डिजिटल शपथ काउंटर का भी शुभारंभ किया गया। अभियान का केंद्रीय संदेश मातृ पोषण की डोर, उज्ज्वल भविष्य की ओर रखा गया है। अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विकसित भारत की मजबूत नींव स्वस्थ माताओं और सुपोषित बच्चों से ही तैयार होती है। उन्होंने बताया कि गर्भावस्था से लेकर बच्चे के दो वर्ष की आयु तक का समय, अर्थात जीवन के पहले 1,000 दिन, शारीरिक एवं मानसिक विकास, सीखने की क्षमता, रोग प्रतिरोधक क्षमता तथा आजीवन स्वास्थ्य के लिए सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। उन्होंने कहा कि मातृ एवं शिशु पोषण को केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी के रूप में स्वीकार करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार मातृ एवं शिशु पोषण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत पात्र गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है, जबकि मिशन सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 के माध्यम से समयबद्ध पोषण एवं स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि आर्थिक सहायता के साथ समय पर परामर्श, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं, परिवार का सहयोग और सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन सुनिश्चित होने पर बेहतर परिणाम प्राप्त होते हैं। यही 'कैश प्लस' दृष्टिकोण की मूल भावना है। केंद्रीय मंत्री ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, आशा कार्यकर्ताओं तथा अन्य अग्रिम पंक्ति के कर्मियों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने गर्भवती महिलाओं की देखभाल को पूरे परिवार और समाज की जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि पति, परिवार, समुदाय और स्वास्थ्य कर्मियों के सामूहिक प्रयास से ही स्वस्थ एवं सुपोषित पीढ़ी का निर्माण संभव है। कार्यक्रम में बरकट्ठा विधायक अमित यादव, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी कनक कुमारी तिर्की, सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार, जिला समाज कल्याण विभाग की बाल विकास परियोजना पदाधिकारी डॉ. रेखा रानी, राजीव रंजन,उमेश वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष अनूप जोशी सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

नीट-यूजी मुद्दे पर सोनम वांगचुक के समर्थन में दिल्ली रवाना हुए गुलाम मुस्तफा

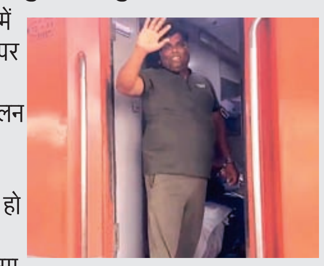

कोडरमा : नीट-यूजी परीक्षा में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के विरोध में दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे आंदोलन के समर्थन में आपकी विकास पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा दिल्ली के लिए रवाना हो गए। उन्होंने बताया कि उनकी पार्टी सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के नेतृत्व में चल रहे आंदोलन को अपना समर्थन देगी। दिल्ली रवाना होने से पूर्व गुलाम मुस्तफा ने कहा कि देश के युवाओं के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि नीट-यूजी परीक्षा में सामने आए कथित विवादों ने लाखों छात्रों और अभिभावकों की चिंता बढ़ा दी है। उन्होंने कहा कि आपकी विकास पार्टी छात्रों के हितों की रक्षा के लिए आंदोलन के साथ मजबूती से खड़ी है और परीक्षा व्यवस्था को पारदर्शी, निष्पक्ष एवं जवाबदेह बनाने की मांग का समर्थन करती है। पार्टी ने सरकार से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी व्यवस्था लागू करने की मांग की है।

बैंक ऑफ इंडिया आरसेटी में किसान दिवस पर ऋण वितरण शिविर, 30 लाभुक लाभान्वित

कोडरमा : किसान दिवस के शुभ अवसर पर बैंक ऑफ इंडिया ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, कोडरमा परिसर में किसान दिवस एवं कृषि ऋण वितरण शिविर का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाना तथा कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करना था। इस अवसर पर बैंक ऑफ इंडिया की कोडरमा जिले की विभिन्न शाखाओं द्वारा कुल 30 लाभुकों के बीच 60.4 लाख का ऋण वितरित किया गया। ऋण वितरण में किसान क्रेडिट कार्ड, किसान, स्वयं सहायता समूह एवं पीएमएफएमई , किसान के लिए खेती यंत्र ट्रेक्टर आदि योजनाओं के अंतर्गत लाभ प्रदान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अग्रणी जिला प्रबंधक विमल कांत झा ने अपने संबोधन में कहा कि रकिसान हमारी पहचान हैं, हमारे अन्नदाता हैं। किसान हैं तो अन्न है और अन्न है तो जीवन है। बैंक ऑफ इंडिया किसानों को आत्मनिर्भर बनाने और उनकी आर्थिक उन्नति के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। कार्यक्रम का संचालन आईसीटी निदेशक शिशिर चौरिया ने किया। उन्होंने कहा कि किसानों की सहायता करना बैंक की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है तथा ऐसे ऋण वितरण शिविर ग्रामीण विकास को नई गति प्रदान करते हैं। अंत में वरिष्ठ संकाय पवन कुमार शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए बैंक ऑफ इंडिया आरसेटी द्वारा संचालित विभिन्न स्वरोजगार एवं कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने सभी अतिथियों, बैंक अधिकारियों, शाखा प्रबंधकों एवं उपस्थित किसानों का कार्यक्रम में सहभागिता और अपना बहुमूल्य समय देने के लिए आरसेटी परिवार की ओर से हार्दिक आभार व्यक्त किया।

जामु-हरलाडीह जंगल में हाथियों का डेरा, वन विभाग ने जारी किया अलर्ट

मरकच्चो : जामु एवं हरलाडीह जंगलों में जंगली हाथियों का झुंड ने अपना डेरा जमाए हुवे है। वन विभाग ने मरकच्चो प्रखंड के जंगल से सटे गांव के ग्रामीणों को सतर्क रहने की अपील की है। विभाग के पेट्रोलिंग कर रहे कर्मियों ने बताया कि हाथियों का झुंड जामु, हरलाडीह, बेरहवा, दशारो के जंगलों में विचरण कर रहा है, और कभी भी आबादी वाले क्षेत्र की ओर रुख कर सकता है। वन विभाग ने ग्रामीणों से विशेष रूप से रात के अंधेरे एवं अहले सुबह जंगल या नदी किनारे जाने से बचने की सलाह दी है। साथ ही जंगल से सटे क्षेत्र में रहने वाले लोगों से समूह में आवागमन करने, बच्चों को अकेले बाहर नहीं भेजने तथा हाथियों की गतिविधि दिखने पर उनके पास जाने या उन्हें छेड़ने का प्रयास नहीं करने को कहा गया है। बनरक्षि अभिमन्यु कुमार ने बताया कि यदि किसी गांव के आसपास हाथियों की सूचना मिले तो इसकी जानकारी तुरंत वन विभाग या स्थानीय प्रशासन को दें ,ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। वन विभाग के कर्मी लगातार प्रभावित क्षेत्रों में निगरानी कर रहे हैं, और ग्रामीणों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने तथा पूरी सतर्कता बरतने की अपील की है। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन नियमित रूप से रात दी पेट्रोलिंग की जा रही है । नियमित पेट्रोलिंग दल में प्रधान बनरक्षि अभिमन्यु कुमार के अलावे देवनारायण दास, अनिल कुमार साव, संतोष कुमार, सुनील कुमार दास,जितेंद्र यादव,गुड्डन अंसारी,दामोदर पंडित के नाम शामिल हैं।

सरकारी गाड़ी छोड़ निजी क्रेटा का इस्तेमाल प्रशासनिक अधिकारी पर उठे सवाल

चंदवारा : प्रशासनिक अमले में पारदर्शिता और जवाबदेही को ताक पर रखकर निजी ठाठ-बाट को तवज्जो देने का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। क्षेत्र में चर्चा का विषय बने 'साहब' इन दिनों अपनी सरकारी गाड़ी को छोड़ लग्जरी प्राइवेट क्रेटा कार से सफर कर रहे हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि जब तक इस प्राइवेट गाड़ी के इस्तेमाल और उसके पीछे के रसूख पर उंगलियां नहीं उठी थीं, तब तक साहब बिल्कुल खामोश थे। लेकिन जैसे ही कल से प्राइवेट क्रेटा पर सवाल उठने शुरू हुए, साहब की तरफ से आनन-फानन में सफाई का दौर शुरू हो गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, साहब का सरकारी वाहन पिछले 2 महीनों से खराब पड़ा हुआ है। ताज्जुब की बात यह है कि इन 2 महीनों के लंबे अंतराल में साहब ने कभी किसी पत्रकार या मीडियाकर्मी के सामने इस खराबी का जिक्र तक नहीं किया। चार महीने तक बिना किसी शिकायत के चुपचाप प्राइवेट लग्जरी क्रेटा की सवारी का आनंद लिया जाता रहा। लेकिन जैसे ही कल मीडिया और जनता के बीच इस प्राइवेट क्रेटा कार को लेकर सवाल खड़े हुए कि आखिर सरकारी पद पर रहते हुए इस निजी लग्जरी वाहन का उपयोग किस हैसियत और नियम के तहत किया जा रहा है, वैसे ही साहब के खेमे में खलबली मच गई। अब खुद को घिरता देख प्रशासनिक महकमे की ओर से यह दलील दी जा रही है कि रसरकारी वाहन दो महीने से खराब है। साहब की इस आनन-फानन में आई सफाई ने उनकी कार्यशैली पर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं: चार महीने तक क्यों साधी चुप्पी अगर सरकारी वाहन वाकई चार महीनों से खराब था, तो इसकी लिखित सूचना वरीय अधिकारियों को देकर उसे दुरुस्त क्यों नहीं कराया गया अचानक क्यों जागा सरकारी प्रेम जब तक प्राइवेट क्रेटा पर सवाल नहीं उठे थे, तब तक सरकारी गाड़ी की खराबी की चर्चा क्यों नहीं की गई? क्या यह सिर्फ विवाद से बचने का एक बहाना है क्रेटा का खर्च कौन उठा रहा है? एक सरकारी अधिकारी द्वारा महीनों तक चमचमाती प्राइवेट क्रेटा कार का इस्तेमाल करना और अब पकड़े जाने पर खराबी का रोना रोना, पूरे मामले को संदिग्ध बनाता है।

किसान दिवस पर बैंक ऑफ इंडिया का आयोजन छह करोड़ रुपये के कृषि ऋण स्वीकृति पत्र वितरित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : बैंक ऑफ इंडिया, चतरा द्वारा शनिवार को जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट सह प्रशिक्षण भवन सभागार में किसान दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को बैंकिंग सेवाओं, कृषि वित्तपोषण एवं सरकार की किसान हितैषी योजनाओं से जोड़ते हुए उनकी आर्थिक समृद्धि और आत्मनिर्भर कृषि को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बैंक ऑफ इंडिया, प्रधान कार्यालय के महाप्रबंधक अमिताभ बनर्जी ने कहा कि बैंक ऑफ इंडिया किसानों के सर्वांगीण विकास और कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने किसानों से किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), कृषि ऋण, डिजिटल बैंकिंग और बैंक की विभिन्न किसान हितैषी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि समय पर वित्तीय सहायता मिलने से कृषि उत्पादन के साथ किसानों की आय में भी वृद्धि होगी। अंचल प्रबंधक नरेंद्र कुमार ने कृषि वित्तपोषण और वित्तीय समावेशन को ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती का आधार बताते हुए बैंक द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। वहीं लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर एहसान अहमद, नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक मृत्युंजय बक्शी, कृषि विज्ञान केंद्र के निदेशक तथा जेएसएलपीएस के जिला कार्यक्रम प्रबंधक ने किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, सरकारी योजनाओं, आजीविका संवर्धन और वित्तीय साक्षरता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी। इस अवसर पर बैंक ऑफ इंडिया द्वारा किसान माह के तहत स्वीकृत लगभग छह करोड़ रुपये के कृषि ऋण के स्वीकृति पत्र किसानों के बीच वितरित किए गए। ऋण प्राप्त करने वाले किसानों ने बैंक के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे उनकी कृषि गतिविधियों को गति मिलेगी और उत्पादन क्षमता बढ़ाने में सहायता मिलेगी। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न प्रखंडों से बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए। इस दौरान बैंक अधिकारियों ने किसानों की समस्याओं को सुना, बैंकिंग सेवाओं से संबंधित जिज्ञासाओं का समाधान किया तथा कृषि एवं बैंकिंग योजनाओं की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई। कार्यक्रम में बैंक ऑफ इंडिया के अंचल प्रबंधक नरेंद्र कुमार, लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर एहसान अहमद, नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक मृत्युंजय बक्शी, कृषि विज्ञान केंद्र के निदेशक, जेएसएलपीएस के जिला कार्यक्रम प्रबंधक, बैंक ऑफ इंडिया के विभिन्न शाखा प्रबंधक, अधिकारी एवं जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

अब 'सरिया को जिला बनाओ' आंदोलन की कमान में अनशन पर बैठेंगे त्रिभुवन मंडल

सरिया : भौगोलिक दूरी का दर्द जब जनता की जेब और समय पर भारी पड़ने लगे, तो आंदोलन की चिंगारी सुलगना लाजिमी है। गिरिडीह जिले का प्रमुख व्यावसायिक केंद्र 'सरिया' इन दिनों एक बार फिर अपनी पुरानी और जायज मांग को लेकर उद्वेलित है। मांग सिर्फ इतनी है सरिया को जिला बनाया जाए। यह मांग अब सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि सरिया की आम जनता की जुबान पर तैरता हुआ एक दर्द बन चुकी है। सरिया की जनता आज कई मोर्चों पर दुखों से पीड़ित है, जिसमें सबसे बड़ा अभिशाप है—गिरिडीह जिला मुख्यालय की बेहिसाब दूरी। सरिया प्रखंड के पश्चिमी छोर गरमुंडो से जिला मुख्यालय की दूरी लगभग 92 किलोमीटर है। सरिया बाजार से दूरी जो इलाका पूरे जिले की व्यावसायिक मंडी है, वहां से भी जिला मुख्यालय 72 किलोमीटर दूर है। इस दूरी का आलम यह है कि अगर गरमुंडो या आसपास के किसी ग्रामीण को कोर्ट-कचहरी या प्रशासनिक काम के लिए गिरिडीह जाना हो, तो उसे एक दिन पहले से तैयारी करनी पड़ती है। सार्वजनिक परिवहन के अभाव में मजबूरीवश 2,500 से 3,000 रुपये खर्च करके निजी गाड़ी बुक करनी पड़ती है। एक अदद दस्तखत या तारीख के लिए गरीब जनता की गाढ़ी कमाई का बड़ा हिस्सा इस सफर में स्वाहा हो जाता है।इस गंभीर समस्या को लेकर पूर्व में भी कई धरना-प्रदर्शन, चक्का जाम और आंदोलन हो चुके हैं। झारखंड आंदोलनकारियों से लेकर स्थानीय नेताओं तक ने इस आवाज को बुलंद किया, लेकिन सत्ता के गलियारों में बैठी सरकार के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी। सरकार द्वारा लगातार की जा रही इस उपेक्षा ने अब जनता के सब्र का बांध तोड़ दिया है। जब तक अधिकार नहीं मिलेगा, तब तक संघर्ष थमेगा नहीं।

टॉल प्लाजा पर अंधेरे के खिलाफ प्रदर्शन, 10 दिनों में लाइटें ठीक करने के आश्वासन पर खुला जाम

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : एनएच-33 पर विकास गोलचक्कर से लेकर रामपुर तक स्ट्रीट लाइटें खराब होने के विरोध में शनिवार को आदिवासी मूलवासी एकता मंच के सचिव रामपोदो महतो के नेतृत्व में हेसल टॉल प्लाजा के समक्ष धरना प्रदर्शन किया गया। इस दौरान आंदोलनकारियों ने लगभग एक घंटे तक टॉल गेट को पूरी तरह जाम रखा, जिससे मार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। मामले की गंभीरता को देखते हुए टॉल के प्रबंध निदेशक राम बहादुर गुप्ता और प्रबंधक संतोष पाठक ने आंदोलनकारियों से वार्ता की। प्रबंध निदेशक ने आश्वासन दिया कि एनएचएआई के अधिकारियों से वार्ता हो चुकी है और आगामी 10 दिनों के भीतर सभी बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को दुरुस्त कर दिया जाएगा। इस ठोस आश्वासन के बाद धरना प्रदर्शन समाप्त किया गया। मंच के सचिव रामपोदो महतो ने कहा कि सड़क और टॉल प्लाजा शुरू हुए तीन वर्ष बीत चुके हैं। ₹504 करोड़ की लागत से बनी इस 16 किलोमीटर लंबी सड़क पर रोशनी की व्यवस्था न होने के कारण पूरा मार्ग अंधेरे में डूबा रहता है।इस वजह से अब तक दर्जनों बाइक सवार हादसों का शिकार होकर अपनी जान गंवा चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व में लाइट के लिए आवंटित राशि का बंदरबांट कर लिया गया था और अब आंदोलन के दबाव में काम शुरू किया गया है। मौके पर मुख्य रूप से मुन्ना मुंडा, विनोद करमाली सहित बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित थे।

कम पानी, अधिक उपजः उषा मार्टिन फाउंडेशन की पहल

आधुनिक कृषि तकनीकों से जल संरक्षण के साथ आय संवर्धन लक्ष्य : डॉ मयंक मुरारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

- 119 किसानों के खेतों में ड्रीप सिंचाई प्रणाली स्थापित
- ड्रीप सिंचाई से बदल रही किसानों की स्थिति

अनगड़ा : जलवायु परिवर्तन, अनिश्चित मानसून और घटते भूजल स्तर के बीच कृषि क्षेत्र के सामने सबसे बड़ी चुनौती कम पानी में अधिक उत्पादन सुनिश्चित करने की है। ऐसे समय में उषा मार्टिन फाउंडेशन की ड्रीप सिंचाई पहल झारखंड के किसानों के लिए टिकाऊ और लाभकारी खेती का प्रभावी मॉडल बनकर उभरी है। फाउंडेशन पिछले चार वर्षों से रांची जिले के नामकुम और अनगड़ा प्रखंडों में सूक्ष्म सिंचाई तकनीक को बढ़ावा दे रहा है। इस अवधि में 119 किसानों के खेतों में ड्रीप सिंचाई प्रणाली स्थापित की गई है। इसके परिणामस्वरूप किसानों ने कम पानी में अधिक उत्पादन प्राप्त किया है तथा सब्जियों, नकदी फसलों और मोटे अनाज की खेती का दायरा भी बढ़ा है। उषा मार्टिन फाउंडेशन के प्रमुख डॉ. मयंक मुरारी ने बताया कि संस्था का उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़कर उनकी आय बढ़ाना और जल संरक्षण को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि ड्रीप सिंचाई तकनीक से 40 से 60 प्रतिशत तक पानी की बचत होती है, जबकि 30 से 50 प्रतिशत तक फसल उत्पादन में वृद्धि देखी गई है। उन्होंने बताया कि इस प्रणाली के माध्यम से पानी सीधे पौधों की जड़ों तक नियंत्रित मात्रा में पहुंचता है। इससे न केवल जल की बबार्दी रुकती है, बल्कि खरपतवार की वृद्धि भी कम होती है। उर्वरकों और कीटनाशकों का उपयोग अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकता है, जिससे उत्पादन लागत घटती है और फसल की गुणवत्ता बेहतर होती है। डॉ. मुरारी ने कहा कि फाउंडेशन की भूमिका केवल ड्रीप सिंचाई प्रणाली उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है। किसानों को वैज्ञानिक खेती, फसल प्रबंधन, उन्नत बीज, जल संरक्षण, पोषक तत्व प्रबंधन तथा बाजार से जुड़ाव के लिए नियमित प्रशिक्षण और तकनीकी परामर्श भी दिया जा रहा है। आने वाले वर्षों में अधिक से अधिक किसानों को आधुनिक सिंचाई तकनीकों से जोड़ने की योजना है।

कुत्ते के चपेट में आने से ऑटो अनियंत्रित होकर पलटा, चालक गंभीर रूप से घायल

बोकारो : बोकारो थर्मल थाना क्षेत्र के उच्च विद्यालय के समीप स्थित ओवरब्रिज पर शनिवार को एक तेज रफ्तार ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में ऑटो चालक संजय सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। ऑटो में केवल चालक मौजूद था, वरना बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ऑटो के आगे के चक्के में अचानक एक कुत्ता आ गया, जिससे वाहन चालक नियंत्रण खो बैठा। वाहन ओवरब्रिज पर लगे बिजली के पोल से टकराया और पलट गया।

मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : जिला उप निर्वाचक पदाधिकारी

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

गिद्धौर : जिला उप निर्वाचक पदाधिकारी रवीन्द्र कुमार ने शनिवार को गिद्धौर प्रखंड कार्यालय पहुंचकर विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत चल रहे मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने प्रखंड स्तरीय अधिकारियों एवं कर्मियों के साथ बैठक कर कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली और निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी कार्य गंभीरता एवं पारदर्शिता के साथ पूरा करने का निर्देश दिया। बैठक में जिला उप निर्वाचक पदाधिकारी ने कहा कि शुद्ध एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची लोकतंत्र की मजबूती के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को नए पात्र मतदाताओं का नाम सूची में जोड़ने, मृत एवं स्थानांतरित मतदाताओं के नाम नियमानुसार हटाने तथा सभी मतदाताओं के विवरण का सत्यापन निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि एसआईआर कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी संबंधित कर्मी अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करें तथा क्षेत्र में कार्यरत बीएलओ के साथ नियमित समन्वय स्थापित कर पुनरीक्षण कार्य को सफल बनाएं। उन्होंने आम लोगों से भी मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील करते हुए अधिक से अधिक पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में जोड़ने पर जोर दिया। बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल देव, बीपीआरओ दिगम्बर पांडेय, प्रियंका प्रिया सहित अन्य प्रखंड स्तरीय अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

बिपत्तारिणी पूजा में उमड़ी महिलाओं की आस्था परिवार की सुख-समृद्धि की मांगी कामना

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : सिल्ली, मुरी एवं आसपास के क्षेत्रों में शनिवार को माँ बिपत्तारिणी की पूजा श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई। आषाढ़ मास के शनिवार और मंगलवार को होने वाली इस पूजा में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया और परिवार की सुख-समृद्धि व रक्षा की कामना की। सिल्ली बाजार स्थित काली मंदिर, पंडित दिनेश बनर्जी के आवास परिसर, महावीर चौक दुर्गा मंदिर, हिंडाल्को दुर्गा पूजा पंडाल सहित कई स्थानों पर सामूहिक पूजा का आयोजन किया गया। सुबह से ही मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। महिलाओं ने विधि-विधान से माँ बिपत्तारिणी की पूजा-अर्चना की। पूजा के दौरान महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर शुभकामनाएं दीं और मंगलकामना की। इस पूजा में संख्या 13 का विशेष महत्व है। मान्यता के अनुसार माँ को 13 प्रकार के फल, 13 प्रकार के फूल और 13 प्रकार के मिष्टान्न अर्पित किए जाते हैं। पूजा के बाद पूजित लाल रंग के धागे को परिवार के सभी सदस्य अपनी बांह में बांधते हैं। इस धागे में दूब घास बांधी जाती है और उस पर 13 गांठें लगाई जाती हैं। मान्यता है कि इस रक्षा सूत्र को बांधने से भक्त हर प्रकार की विपदा से सुरक्षित रहते हैं। इसी कारण इसे बिपत्तारिणी रक्षा सूत्र भी कहा जाता है। पूजा के बाद प्रसाद वितरण किया गया। आयोजकों ने बताया कि यह पूजा विपत्तियों से मुक्ति और परिवार की रक्षा के लिए की जाती है। महिलाओं ने पूरे दिन उपवास रखकर माँ से आशीर्वाद मांगा।

झारखण्ड सरकार कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग,
(पशुपालन प्रभाग)
कार्यालय, जिला पशुपालन पदाधिकारी, सिमडेगा पशुपालको /SHG/FPO के लिए
आम सूचना:—

वित्तीय वर्ष 2026—27 में सरकार की सचिव कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (पशुपालन प्रभाग) झारखण्ड राँची के राज्यादेश संख्या 13रा0 (वि0) दिनांक— 19.06.2026 द्वारा मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजनान्तर्गत उद्यमी पशुपालकों को प्रोत्साहित करने के लिए एक नवीन योजना का प्रारम्भ व्यवसायिक स्तर पर किया जाना है, जिसका मुख्य उद्देश्य इच्छुक व्यक्ति लघु उद्यमियो / युवा शिक्षित बेरोजगार / प्रगतिशील पशुपालकों को अनुदानित दर पर योजना का लाभ देकर आत्मनिर्भर बनाना एवं ग्रामिण क्षेत्रों में व्यवसायिक अवसरों का सृजन करना है। इस योजना से महिला सशक्तिकरण, पोषण एवं पशुधन उत्पादकता में वृद्धि के साथ—साथ ग्रामीण बहुत राज्य के निवासियों की उच्च गुणवत्तायुक्त प्रौटीन की मांग की पूर्ति बकरे से प्राप्त मास के द्वारा की जा सकेगी। पशुपालन प्रक्षेत्र की उक्त योजना से लाभान्वित होने हेतु इच्छुक उद्यमियों से प्रस्ताव उपस्थापित किया जाना है।

योजना का विवरणी निम्नवत है:—

क्र0 स0	योजना का नाम	योजना का लगत राषि	70% सरकारी अनुदान की राषि	30% लाभुक अंषदान—सह—बैक ऋण की राषि
1	2	3	4	5
01	व्यवसायिक बकरा—बकरी पालन की योजना(100 बकरी +05 बकरा)	978000/-	684600/-	293400/-

योजनान्तर्गत उद्यमियों के चयन हेतु अर्हता:—

- उद्यमी झारखण्ड राज्य के स्थायी निवासी होंगे जिन्हें पूर्व में बकरी पालन का अनुभव प्राप्त हो।
- उद्यमियों को व्यवसायिक बकरा—बकरी फार्म की स्थापना के लिए आवश्कतानुसार भूमि की व्यवस्था स्वंय करनी होगी। 100 बकरी +05 बकरा क्षमता वाले व्यवसायिक बकरा बकार फार्म की स्थापना हेतु कम—से—कम 0.50 एकड़ भूमि आवश्यक है जो स्वंय की हो अथवा लीज पर ली गई हो एवं एक जगह होनी चाहिए। लीज पर होने की स्थिति में आवेदन स्वीकृति के समय कम—से—कम 10 वर्षो के लिए भूमि लीज की अवधि होनी चाहिए।
- कुल लागत का 15% उद्यमी के द्वारा बैंक ऋण के माध्यम से अथवा स्वंय वहन किया जाना है। न्यूनतम 15% राशि उद्यमी के द्वारा स्वंय वहन किया जाएगा तथा 70% का अनुदान की राशि के रूप में सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।
- उद्यमी के अंशदान हेतु बैंक द्वारा निर्गत izek.k&i=@fiNys 01 वर्ष का औसत Bank Balance समर्पित करना होगा। बैंक ऋण प्राप्त करने की स्थिति में उद्यमी के द्वारा योजना प्रस्ताव समर्पित करने के समय बैंक से योजना स्वीकृति संबंधित दस्तावेज संलग्न करना आवश्यक होगा।
- उद्यमी के द्वारा परियोजना को कम—से—कम 10 वर्ष चलाने संबंधी शपथ—पत्र संलग्न किया जाएगा। योजना संचालन नहीं होने पर उद्यमियों द्वारा अनुदान की राशि की बैंक दर से ब्याज सहित वापस की जाएगी।
- चयनित उद्यमियों के पास पूर्व से व्यवसायिक बकरा बकरी फार्म के लिए आधारभूत संरचना उपलब्ध होने की स्थिति में उस संरचना पर होने वाले अनुमानित खर्च की राशि का अनुदान देय नहीं होगा।
- उद्यमियों के चयन में बकरा बकरी पालन में प्रशिक्षण प्राप्त आवेदकों कों प्राथमिकता दी जाएगी।
- योजना का लाभ व्यक्ति(individual)के साथ—साथ स्वंय सहायता समूह (SHG)एवं किसान उत्पादक संगठन (FPO) को भी दिया जायेगा।
- इस योजनान्तर्गत बकरा बकरी योजना का लाभ पूर्व में मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत अन्य योजनान्तर्गत लाभ प्राप्त लाभुकों को नहीं दी जाएगी।
- व्यवसायिक बकरा बकरी फार्म की स्थापना में Epidemic Control Measure का अनुपालन सुनिश्चित करना उद्यमियों की जिम्मेदारी होगी। संबंधित जिला पशुपालन पदाधिकारी द्वारा Epidemic Control Measureका अनुपलान की समीक्षा नियमित रूप से की जाएगी।
- अनुदान की राशि लाभुकों के बैंक खाते में उनके अंशदान तथा बैंक के ऋण की राशि का हस्तांतरण होने के उपरांत ही उपलब्ध करायी जायेगी।
- योजना क्रियान्वयन अंशदान की राशि दो किस्तों में भुगतान किया जाएगा।प्रथम किस्त के रूप में 40% अनुदान की राशि का भ्रुगतान योजना स्वीकृत होने के पश्चात तथा 60% अनुदान की राशि का भुगतान लाभुकों के द्वारा आधारभूत संरचना का कार्य सम्पन्न होने के प्श्चात किया जाएगा। साक्ष्य दस्तावेज प्रखण्ड पशुपालन पदाधिकारी के द्वारा अभिप्रमाणित किया जाएगा।
- इच्छुक उद्यमी निम्नलिखित सभी आवश्यक दस्तावेज को संलग्न करते हुए योजना प्रस्ताव (विहित आवेदन पत्र के साथ) संबंधित प्रखण्ड के प्रखण्ड पशुपालन पदाधिकारी द्वारा अनुशंसा के पश्चात जिला पशुपालन पदाधिकारी के कार्यालय में जमा करेंगे:—

i. पासपोर्ट आकार फोटो,व्यक्तिगत आवेदन हो।आधार / पहचान पत्र,यदि लागू हो।
ii. स्थायी निवास प्रमाण—पत्र जाति प्रमाण—पत्र,यदि लागू हो।आधार / पहचान पत्र, यदि लागू हो।
iii. भूमि रसीद / खाता / खेसरा / स्वामित्व प्रमाण या लीज डीह।
iv. बैंक द्वारा निर्गत अंशदान प्रमाण—पत्र. अथवा पिछले 1 वर्ष का औसत बैंक बैलेंस प्रमाण।
v. बैंक द्वारा ऋण स्वीकृति / सहमति पत्र यदि लागू हो।
vi. प्रशिक्षण प्रमाण—पत्र यदि उपलब्ध हो।
vii. परियोजना प्रतिवेदन।
viii. स्व—घोषणा पत्र।
ix. शपथ—पत्र / एफिडेविट।
x. SHG के लिए सदस्य सूची समूह सकल्प, समूह नियमावली / उपविधि बैंक विवरण।
xi. FPO / FPC के लिए पंजीकरण प्रमाण—पत्र, PAN / TAN / CIN अन्य पंजीकरण, बोर्ड / प्रबध समिति संकल्प,सदस्य सूची बैंक विवरण।

नोट:— विशेष जानकारी एवं आवेदन पत्र (निःशुल्क) प्राप्त करने के लिए संबंधित प्रखण्ड के प्रखण्ड पशुपालन पदाधिकारी अथवा जिला पशुपालन कार्यालय, सिमडेगा से संपर्क किया जा सकता है।

निवेदक,
जिला पशुपालन पदाधिकारी, सिमडेगा

PR 385287 Simdega(26-27)D

दसवीं पास युवाओं को नि:शुल्क प्रशिक्षण के बाद मिलेगा रोजगार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : आईडीटीआर जमशेदपुर में शॉट टर्म स्कील्ड डेवलपमेंट का निःशुल्क आवासीय कार्यक्रम की शुरूआत आगामी 16 अगस्त से की जाएगी। इसको लेकर पटमदा प्रखंड कैम्पस में शनिवार को संस्थान द्वारा एक कैम्प लगाया गया । कैम्प में संस्थान के कार्यक्रम को ऑर्डिनेटर पंकज कुमार ने बताया कि टीआरसीएससी एवं आईडीओआर के प्लानिंग बैठक में गार्डेन रीच शीप विल्डर्स एवं इंजीनियर्स तथा टेक्नोलॉजी रिसोर्स कम्युनिकेशन एंड सर्विस सेंटर के बीच एमओयू हुआ है जिसके तहत समाज के युवाओं के बीच निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण प्रदान कर उनके जीवन स्तर को उठाना है। इसके लिए दोनों संस्थाओं ने शॉट टर्म स्कील्ड डेवलपमेंट ट्रेनिंग कार्यक्रम की शुरूआत की है। जिसमें आईडीटीआर इस कार्यक्रम का ट्रेनिंग पार्टनर है। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम दो से तीन माह का होगा जिसमें बेल्डर , सीट मेटल और इलेक्ट्रिशियन दो दो महीने का तथा पलंबर का प्रशिक्षण 45 दिन का आवासीय रूप से कळफ जमशेदपुर कैम्पस में निःशुल्क आयोजित किया जाएगा । इस ट्रेनिंग कार्यक्रम के बाद जीआरएसई में ही प्रशिक्षुओं का प्लेसमेंट एल एंड टी कंपनी के माध्यम से हो जाएगा। इस कार्यक्रम में दसवीं पास सभी वर्ग के वैसे प्रशिक्षु भाग ले सकेंगे जिनकी आयु 20 वर्ष से 28 वर्ष के बीच होगी। पंकज कुमार ने कहा कि इस कार्यक्रम को लेकर ज्यादा से ज्यादा युवाओं को जागरूक होने की जरूरत है ताकि युवा इस कार्यक्रम का लाभ उठाते हुए कार्यक्रम के मकसद को पूरा किया जा सके। इसी उद्देश्य के साथ आज शनिवार को पटमदा प्रखंड कैम्पस में शिविर लगाया गया । जिसमें आईटीडीआर के मीडिया प्रभारी सह कार्यक्रम को ऑर्डिनेटर पंकज कुमार के साथ राजेश कुमार शर्मा एवं सपन कुमार महतो (ळफ्डरउ) जमशेदपुर उपस्थित थे ।इस मौके पर पटमदा प्रखंड के जिला पार्षद खगेन महतो सहित सैकड़ों युवा शिविर स्थल पर पहुंचे और प्रशिक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की ।

कार्यालय – जिला कृषि पदाधिकारी, हजारीबाग
Phone No - 06546270752 * E-Mail - dao.hazaribagh@gmail.com

आवश्यक सूचना

हजारीबाग जिले के किसान भाइयों को सूचित किया जाता है कि विभिन्न अनुदानित उर्वरकों का कम्पनीवार प्रति बोरी अधिकतम खुदरा मूल्य (MRP) निम्न प्रकार है :—

COMPANY WISE MRP LIST 2026

Company	UREA	DAP	TSP	20:20:0:13	16:16:16	14-28-0	10:26:26	15.15.15.9	MOP	SSP
IFFCO	266.50	1350.00	0.00	2100.00	0.00	0.00	OLD-1950.00 NEW :-2400.00	0.00	0.00	0.00
NFL	266.50	1350.00	1300.00	2250.00	0.00	0.00	0.00	1950.00	0.00	0.00
Yara	266.50	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
KFL	266.50	1350.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Indorama	266.50	1350.00	0.00	1750.00	0.00	1775.00	1950.00	0.00	0.00	640.00
IPL	266.50	1350.00	0.00	0.00	2050.00	0.00	0.00	0.00	OLD-1850 NEW :-1975.00	650.00
Matix	266.50	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	650.00
HURL	266.50	1350.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
PPL	0.00	1350.00	0.00	1800.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
SAI	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
BEC	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00

नोट :— यूरिया की प्रति बोरी 45 Kg Packsize की होती है एवं शेष उर्वरकों की बोरी 50 Kg Packsize की होती है।

1. यदि किसी भी खुदरा विक्रेता द्वारा उक्त निर्धारित MRP से अधिक मूल्य पर उर्वरकों की बिक्री की जाती है तो ऐसी स्थिति में संबंधित प्रखण्ड के प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी / प्रखण्ड तकनीकि प्रबंधक, जिले के जिला कृषि कार्यालय तथा संयुक्त कृषि निदेशक कार्यालय में उसकी शिकायत की जा सकती है।
2. यदि किसी बिक्रेता द्वारा जबरन अनुदानित उर्वरकों के साथ गैर— अनुदानित उर्वरकों की बिक्री की जाता है तो ऐसी स्थिति में संबंधित बिक्रेता की अनुज्ञप्ति रद्द करते हुए उनके विरूद्ध उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जिला कृषि पदाधिकारी,
हजारीबाग

PR 385261 Agriculture,Animal Husbandry And Co-opretive Department(26-27)#D

आत्मनिर्भर भारत का प्रतीक है ई-20 पेट्रोल

डॉ. आशीष वशिष्ठ

देश में पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण (ई-20) को अनिवार्य कर दिया गया है। हालांकि, इस बदलाव को लेकर वाहन मालिकों और विशेषज्ञों के बीच व्यापक विमर्श और कुछ चिंताएं भी सामने आ रही हैं। सरकार ने देश के ऊर्जा सुरक्षा, कम कार्बन उत्सर्जन और कृषि आय बढ़ाने के लक्ष्यों को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। ई-20 पेट्रोल भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान का एक बड़ा प्रतीक माना जा रहा है। ऐसे में अहम प्रश्न यह है कि ई-20 पेट्रोल किस प्रकार आत्मनिर्भर भारत की नींव मजबूत कर रहा है?

वास्तव में, ई-20 पेट्रोल भारत की ऊर्जा सुरक्षा, किसान कल्याण और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सोचा-समझा, वैज्ञानिक कदम है। यह कोई अचानक या जल्दबाजी का फैसला नहीं है। वर्ष 2001 में शुरू हुए पायलट प्रोजेक्ट से लेकर आज तक दो दशकों से अधिक के वैज्ञानिक परीक्षण, वाहन मूल्यांकन, इंजन मॉडिफिकेशन और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के बाद इसे लागू किया गया है।

सरकार और पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, ई-20 पेट्रोल से विदेशी मुद्रा की भारी बचत होती है और कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम होती है। वर्तमान में भारत अपनी जरूरत का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल विदेशों से आयात करता है। एथेनॉल ब्लेंडिंग कार्यक्रम की वजह से देश अब तक लगभग 2 लाख करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा बचा चुका है। कच्चे तेल के आयात बिल में सालाना करीब 30,000 से 40,000 करोड़ रुपये की बड़ी बचत हो रही है।

देश को हर साल करीब 1450 करोड़ लीटर एथेनॉल की जरूरत है, जबकि हमारी उत्पादन क्षमता 1750-1800 करोड़ लीटर तक पहुंच चुकी है। एथेनॉल सिर्फ गन्ने से नहीं, बल्कि मोलासेस, मक्का, टूटे चावल, पराली और बांस से भी बनाया जा रहा है। इससे करीब 2 लाख करोड़ रुपए का तेल आयात बचा है, प्रदूषण कम हुआ है और किसानों की आय बढ़ी है। स्थानीय स्तर पर बायो-रिफाइनरीज खुलने से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा हुए हैं।

ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया और तेल कंपनियों द्वारा गहन वैज्ञानिक परीक्षणों के बाद ही इसे देशभर में लागू किया गया है। भारत ने समय से पहले एथेनॉल ब्लेंडिंग के लक्ष्यों को हासिल कर ब्राजील और अमेरिका जैसे देशों की कतार में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है।

भारत सरकार ने 1 अप्रैल 2023 से ही सभी वाहन निमार्ताओं के लिए ऐसे वाहनों का उत्पादन अनिवार्य कर दिया था जो ई-20 पेट्रोल को बिना किसी परेशानी के झेल सकें। भारत स्टेज गाड़ियों में ई-10 पहले से ही इस्तेमाल हो रहा था। ई-20 के लिए फ्यूल सिस्टम, सील और इंजेक्टर को अपग्रेड किया गया है। भारतीय ऑटोमोबाइल निमार्ता जैसे मारुति सुजुकी, टोयोटा और हीरो मोटोकॉर्प अब व्यापक रूप से ई-20 और फ्लेक्स-फ्यूल (ई85/ई100) इंजन वाली गाड़ियां बना रहे हैं।

ई-20 पेट्रोल को लेकर उपभोक्ताओं और वाहन मालिकों की भी चिंताएं हैं। केंद्रीय परिवहनमंत्री नितिन गडकरी का दावा है कि ई-20 पेट्रोल की व्यापक टेस्टिंग की गई है और ऐसी कोई प्रमाणित रिपोर्ट नहीं है, जो यह साबित करे कि केवल ई-20 से इंजन खराब हुआ है। विशेषज्ञों के मुताबिक, माइलेज सड़क और ट्रैफिक की स्थिति पर निर्भर करता है। एथेनॉल की कैलोरी वैल्यू पेट्रोल से थोड़ी कम होती है, इसलिए कुछ परिस्थितियों में मामूली अंतर आ सकता है। लेकिन एथेनॉल सस्ता है, प्रदूषण कम करता है और फ्लेक्स-फ्यूल इंजन आने के बाद यह अंतर और कम हो जाएगा।

तेल मंत्रालय ने भी स्वीकार किया है कि ई-20 ईंधन के इस्तेमाल से गाड़ियों के माइलेज में लगभग 3-5 प्रतिशत तक की कमी आ सकती है। जानकारों का मानना है कि, 2023 से पहले के निर्मित वाहनों पर लंबे समय तक ई-20 पेट्रोल इस्तेमाल करने से माइलेज कम हो सकता है और फ्यूल सिस्टम पर असर पड़ सकता है। पुराने वाहनों जो ई-20 के लिए प्रमाणित नहीं हैं, में फ्यूल इंजेक्टर और इंजन के पुर्जों में जंग और खराबी की शिकायतें आ सकती है।

गौरतलब है कि 2004 से पेट्रोल में इथेनॉल मिलाया जा रहा है। अब तक व्यापक तौर पर गाड़ियों के खराब होने की खबरें सामने नहीं आई हैं। लेकिन पिछले एक डेढ़ महीने से सोशल मीडिया पर ई-20 ईंधन को लेकर कई भ्रामक पोस्टों भी देखने को मिल रही है। बिहार के प्रसिद्ध यूटयूबर मनीष कश्यप ने दावा किया था कि उनकी नई टोयोटा गाड़ी ई-20 पेट्रोल के कारण खराब हो गई है। कंपनी द्वारा कराई गई तकनीकी जांच में यह दावा गलत पाया गया। कंपनी ने मनीष पर कंपनी की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने और जनता में ई-20 पेट्रोल को लेकर भ्रम पैदा करने के आरोप में एफआईआर दर्ज कराई है। वहीं एक ओर प्रख्यात यूटयूबर सौरव जोशी ने ई-20 पेट्रोल से जुड़ी गलतफहमी वाली अपनी पोस्ट के लिये खेद जताया है।

वहीं हाल ही में, रायपुर जिला कंज्यूमर कोर्ट ने ई-20 पेट्रोल से कार का इंजन खराब होने के मामले में ग्राहक के पक्ष में फैसला सुनाया है। भारत में इथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल के इस्तेमाल से गाड़ियों में आ रही दिक्कतों पर कोर्ट का यह पहला सीधा फैसला है। कंपनी का दावा है कि ग्राहक की कार से निकाले गए ईंधन के सैंपल में दूषित पदार्थ पाए गए थे, जिसके कारण इंजन खराब हुआ, न कि ई-20 पेट्रोल की वजह से। हालांकि इस फैसले से एक नयी बहस जरूर शुरू हो गयी है।

अमेरिका, ब्राजील और जापान जैसे कई देशों में इथेनॉल मिला पेट्रोल पहले से इस्तेमाल हो रहा है। ब्राजील में 1970 से 100 प्रतिशत इथेनॉल का इस्तेमाल हो रहा है। वहां एक ही पेट्रोल पंप पर कई तरह के ईंधन उपलब्ध हैं। इसमें कोई दो राय नहीं है कि हर देश की परिस्थितियां अलग होती हैं। भारत अपनी जरूरत और संसाधनों के हिसाब से नीति बना रहा है। सरकार का लक्ष्य तेल आयात कम करना और प्रदूषण घटाना है। साल 2025 में भारत पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिलाने का लक्ष्य तय समय से पांच साल पहले हासिल कर चुका है। अब सरकार 2030 तक इसे बढ़ाकर 30 प्रतिशत करने का लक्ष्य लेकर चल रही है।

भारतीय मानक ब्यूरो और ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया के परीक्षणों में 80 प्रतिशत से अधिक वाहन बिना किसी समस्या के ई-20 पर चल सकते हैं। पुरानी गाड़ियों के लिए भी कम ब्लेंडिंग विकल्प उपलब्ध हैं। ई-20 में ऑक्टेन संख्या अधिक होने से दहन बेहतर होता है। कुछ गाड़ियों में 1-2 प्रतिशत अधिक खपत हो सकती है, लेकिन ईंधन आयात बिल में होने वाली बचत जो कि लगभग 30,000 करोड़ रुपये सालाना या इससे कहीं अधिक है।

पारंपरिक पेट्रोल की तुलना में ई-20 ईंधन से कार्बन मोनोऑक्साइड और पार्टिकुलेट मैटर (पीएम 2.5) के उत्सर्जन में भारी कमी आती है। एथेनॉल में ऑक्सीजन की मात्रा अधिक होने के कारण ईंधन का दहन बेहतर ढंग से होता है। यह भारत के वैश्विक जलवायु लक्ष्यों (पेरिस एग्रीमेंट) को पूरा करने में मदद कर रहा है। यह हमारे प्रदूषित शहरों के लिए वरदान है। जानकारों के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत बहुत कम होने पर एथेनॉल की आर्थिक बढ़त कम हो सकती है। लेकिन सरकार का उद्देश्य केवल लागत घटाना नहीं है, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, प्रदूषण में कमी, किसानों की आय बढ़ाना और भारत को ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बनाना है। इसलिए वैकल्पिक ईंधन भविष्य की जरूरत हैं। ई-20 केवल पेट्रोल नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत का प्रतीक है। कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता घटाने, किसानों की आय दोगुनी करने और स्वच्छ हवा देने का यह एक शक्तिशाली माध्यम है।

(लेखक, स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

भारत के बढ़ते कदम और ट्रंप का टैरिफ हथियार

विश्व राजनीति में इन दिनों आर्थिक मोर्चे पर भी उतनी ही आक्रामक लड़ाई चल रही है, जितनी कि किसी युद्ध के मैदान की आवश्यकता रहती है। कभी प्रतिबंध, कभी तकनीकी नियंत्रण, कभी वित्तीय दबाव और अब टैरिफ, वस्तुतः ताकतवर देश हर आर्थिक हथियार का इस्तेमाल करने पर उतर रहे हैं। बड़ा उदाहरण हमारे सामने ब्राजील पर अमेरिका का अचानक 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाना है। एक तरह से कहें तो यह उन सभी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक स्पष्ट संदेश है, जोकि अपनी विदेश नीति स्वतंत्र रूप से तय करना चाहती हैं। भारत भी उन्हीं देशों में शामिल है, इसलिए जो संभावना बन रही है, वह यही है कि अमेरिका ने जैसे सेक्शन-301 प्रावधानों का उपयोग कर ब्राजील की बड़ी अर्थव्यवस्था पर अपनी कार्रवाई की, वैसे ही वह भारत के साथ भी कर सकता है। अतः भारत को अपने भविष्य के संभावित आर्थिक दबावों के प्रति बहुत सतर्क रहने की जरूरत है। यह तो अच्छा है जो आज का भारत बीस वर्ष पहले वाला नहीं है। वह वैश्विक अर्थव्यवस्था का एक निर्णायक केंद्र बनता जा रहा है। वह ब्रिक्स का प्रभावशाली सदस्य है। इंडो-पैसिफिक में उसकी भूमिका लगातार मजबूत हुई है। रूस से लेकर पश्चिम एशिया तक उसने अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप संतुलित विदेश नीति अपनाई है। यही स्वायत्तता एक तरह से देखें तो भारत की सबसे बड़ी ताकत है, किंतु यही कुछ महाशक्तियों की असहजता का कारण भी है। डोनाल्ड ट्रंप की राजनीति को देखें तो यह बात बिल्कुल स्पष्ट है, उनके लिए टैरिफ राजनीतिक और सामरिक दबाव का सबसे प्रभावी हथियार है। अपने पिछले कार्यकाल में उन्होंने चीन, कनाडा, मैक्सिको, यूरोपीय संघ और भारत सहित अनेक देशों पर टैरिफ लगाकर यह संकेत दिया था कि अमेरिका अपने आर्थिक हितों के लिए किसी भी स्तर तक जा सकता है। ट्रंप स्वयं कई बार सार्वजनिक रूप से टैरिफ की प्रशंसा कर चुके हैं। इसलिए यदि भविष्य में उनकी सरकार फिर से कठोर व्यापारिक नीति अपनाती है, तो भारत को आश्चर्य नहीं होना चाहिए, क्योंकि वर्तमान में जिस तरह के हालात दिख रहे हैं, उनमें यही दिखता है। दूसरी ओर ब्राजील पर की गई कार्रवाई ने इस आशंका को और गहरा किया है। अमेरिकी अधिकारियों ने अपने तर्कों में ब्राजील के भारत और मैक्सिको के साथ बढ़ते व्यापारिक संबंधों का भी उल्लेख किया है। इसे संयोग नहीं माना जा सकता है। वहीं, भू-राजनीति में यह स्पष्ट दिखाई भी दे रहा है कि कैसे ब्रिक्स का विस्तार हो रहा है, स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने पर चर्चा हो रही है। डॉलर पर निर्भरता कम करने की बातें सामने आ रही हैं और वैश्विक दक्षिण अपनी अलग आर्थिक पहचान बनाने का प्रयास कर रहा है। स्वाभाविक है कि अमेरिका इन परिवर्तनों को अपने लिए चुनौती के रूप में देख रहा है। भारत के संदर्भ में सबसे संवेदनशील एक विषय फिर रूस से कच्चे तेल की खरीद भी है। यूक्रेन युद्ध के बाद जब पश्चिमी देशों ने रूस पर व्यापक प्रतिबंध लगाए, तब भारत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उसकी पहली प्राथमिकता अपने नागरिकों की ऊर्जा सुरक्षा है। भारत ने रियायती दरों पर रूसी तेल खरीदना जारी रखा और इसका सीधा लाभ देश की अर्थव्यवस्था को मिला। अब अमेरिका में ऐसे प्रस्ताव सामने आए हैं, जिनमें रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने की बात कही जा रही है। भारत और चीन जैसे देश इस चर्चा के केंद्र में हैं। यह संकेत पर्याप्त है कि अमेरिका आर्थिक दबाव की नीति को आगे बढ़ाने के विकल्प खुले रखना चाहता है। यहां एक दिलचस्प बात यह भी है कि रूस से प्राकृतिक गैस खरीदने वाले कई यूरोपीय देशों के लिए अलग दृष्टिकोण दिखाई देता है, जिसमें कि भारत के लिए इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा संदेश यह है कि अब अकेले राजनीतिक कूटनीति से काम नहीं चलेगा, उसे अपनी आर्थिक कूटनीति को भी बहुत मजबूत बनाना होगा।

सुडोकु नवबिहार-7860

सरल

2		8	5	1	9	6		7
					8			1
		7	4			8		9
3	2				7			8
1		9		4		7		5
4			2				9	3
6		3		5	1	9		
8			3					
7		1	9	2	6	3		4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सुडोकु नवबिहार 7859 का हल

7	1	9	8	5	3	2	6	4
4	5	3	6	2	9	7	1	8
6	2	8	4	7	1	9	5	3
9	8	2	7	3	5	1	4	6
1	3	6	9	4	8	5	7	2
5	7	4	1	6	2	8	3	9
8	4	7	5	9	6	3	2	1
3	6	1	2	8	7	4	9	5
2	9	5	3	1	4	6	8	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

रामपुर में ढहता आजम साम्राज्य, क्या 2027 में बचेगी सियासी

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश की राजनीति में ऐसे नेताओं की सूची बहुत लंबी नहीं है, जिनके नाम के साथ किसी जिले की पहचान जुड़ गई हो। रामपुर का नाम लेते ही दशकों तक जिस चेहरे की तस्वीर सबसे पहले उभरती थी, वह आजम खान थे। 1980 के दशक से लेकर 2022 तक रामपुर की राजनीति का कोई भी बड़ा फैसला उनके प्रभाव से अछूता नहीं माना जाता था। नौ बार विधायक, एक बार सांसद और उत्तर प्रदेश सरकार में कई बार कैबिनेट मंत्री रहे आजम खान का राजनीतिक कद इतना बड़ा था कि विरोधी भी उनकी संगठन क्षमता और जनाधार को स्वीकार करते थे। लेकिन 2026 आते-आते हालात पूरी तरह बदल चुके हैं। आजम खान जेल में हैं, उनके खिलाफ दर्जनों नहीं बल्कि 90 से अधिक मुकदमे अदालतों में लंबित हैं, उनका परिवार कानूनी लड़ाइयों में उलझा है और उनका सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट मौलाना मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी अब प्रशासनिक कार्रवाई के सबसे बड़े निशाने पर है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले रामपुर में आजम खान का राजनीतिक अध्याय सचमुच अपने अंतिम दौर में पहुंच चुका है? आजम खान का राजनीतिक सफर किसी सामान्य नेता की तरह नहीं रहा। वर्ष 1980 में पहली बार उत्तर प्रदेश विधानसभा पहुंचे आजम खान ने अगले चार दशकों में रामपुर को समाजवादी राजनीति का सबसे मजबूत गढ़ बना दिया। मुलायम सिंह यादव के सबसे भरोसेमंद नेताओं में उनकी गिनती होती थी। 2012 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने के बाद उन्हें नगर विकास, संसदीय कार्य, अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ और हज जैसे कई अहम विभागों की जिम्मेदारी मिली। उस दौर में उनकी राजनीतिक ताकत का अंदाजा इसी बात से लगाया जाता था कि प्रशासनिक अधिकारियों से लेकर पार्टी संगठन तक उनके प्रभाव को नजरअंदाज करना आसान नहीं था।

2014 में उनके फार्महाउस से सात भैंसों की चोरी का मामला पूरे देश में चर्चा का विषय बन गया था। पुलिस की कई टीमें, क्राइम ब्रांच और खोजी कुत्तों को लगाया गया। कुछ ही घंटों में भैंसें बरामद हो गईं। यह घटना विपक्ष के लिए सत्ता के दुरुपयोग का प्रतीक बनी, जबकि समर्थकों ने इसे प्रशासन की तत्परता बताया। लेकिन वही आजम खान कुछ वर्षों बाद खुद कानून की सबसे बड़ी कार्रवाई का सामना करेंगे, शायद उस समय किसी ने नहीं सोचा था। 2017 में उत्तर प्रदेश में सत्ता बदलने के बाद आजम खान की राजनीतिक मुश्किलें तेजी से बढ़ीं। योगी आदित्यनाथ सरकार बनने के बाद उनके खिलाफ एक के बाद एक मुकदमे दर्ज होने लगे। सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार उनके और परिवार के खिलाफ करीब 90 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हुए। इनमें सरकारी जमीन पर कब्जा, किसानों की भूमि अधिग्रहण, शत्रु संपत्ति, वक्फ संपत्ति, भड़काऊ भाषण, फर्जी दस्तावेज, सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग और बेटे अब्दुल्ला आजम के दो जन्म प्रमाण पत्र और पासपोर्ट से जुड़े मामले शामिल हैं। कई मामलों में अदालत ने उन्हें दोषी ठहराया, जिसके बाद उनकी विधानसभा सदस्यता चली गई और चुनाव लड़ने की पात्रता पर भी असर पड़ा। आज भी अनेक मुकदमे विभिन्न अदालतों में विचाराधीन हैं। इन सभी विवादों के बीच सबसे ज्यादा चर्चा जौहर यूनिवर्सिटी को लेकर हो रही है। लगभग 250 एकड़ क्षेत्र में फैले इस विश्वविद्यालय को आजम खान अपनी सबसे बड़ी राजनीतिक और सामाजिक विरासत बताते रहे हैं। विश्वविद्यालय में मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, शिक्षा संकाय, पुस्तकालय और कई शैक्षणिक भवन बनाए गए। समर्थकों का दावा रहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अल्पसंख्यक छात्रों के लिए यह संस्थान शिक्षा का बड़ा केंद्र बना, जबकि विरोधियों का आरोप था कि इसके निर्माण के दौरान किसानों और भूमिधारकों की जमीनों का अधिग्रहण नियमों के अनुरूप नहीं हुआ।

बीते कुछ वर्षों में यही विश्वविद्यालय कानूनी विवादों का केंद्र बन गया। पहले भूमि अधिग्रहण और शत्रु संपत्ति के मामलों की जांच हुई। इसके बाद राजस्व विभाग ने कई हिस्सों की पैमाइश कराई। अब रामपुर विकास प्राधिकरण ने विश्वविद्यालय परिसर के 40 भवनों में से 38 भवनों को बिना स्वीकृत मानचित्र के निर्मित बताते हुए ध्वस्तीकरण का आदेश जारी किया है। प्रशासन का दावा है कि केवल दो भवनों के नक्शे विधिवत स्वीकृत मिले हैं, जबकि बाकी निर्माण विकास प्राधिकरण के नियमों के अनुरूप नहीं हैं। यही नहीं, समाजवादी सरकार के दौरान लगभग 17 करोड़ रुपये की लागत से बनी करीब 3.5 किलोमीटर लंबी चार लेन सड़क, जिसे बाद में विश्वविद्यालय परिसर का हिस्सा बना दिया गया था, उसे भी प्रशासन ने दोबारा आम जनता के लिए खोल दिया। इन कार्रवाइयों ने यह संकेत दे दिया कि सरकार अब जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े मामलों में पीछे हटने के मूड में नहीं है। यहीं से राजनीतिक बहस भी तेज हो गई। समाजवादी पार्टी का आरोप है कि भाजपा सरकार कानून के नाम पर राजनीतिक प्रतिशोध ले रही है। पार्टी का कहना है कि शिक्षा संस्थान को निशाना बनाना लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए अच्छा संदेश नहीं है। दूसरी तरफ भाजपा का तर्क है कि कानून सबके लिए समान है और यदि किसी ने नियमों का उल्लंघन किया है तो कार्रवाई होना स्वाभाविक है। सरकार यह भी कह रही है कि किसानों की जमीन और सरकारी संपत्ति पर अवैध कब्जे की शिकायतें वर्षों से थीं और अब उन्हीं मामलों में कार्रवाई हो रही है।

रामपुर की राजनीति को समझने के लिए वहां का सामाजिक समीकरण भी महत्वपूर्ण है। जिले में मुस्लिम मतदाताओं की हिस्सेदारी लगभग 50 प्रतिशत के आसपास मानी जाती है। इसके अलावा दलित, पिछड़ा और सवर्ण मतदाता भी चुनावी नतीजों को प्रभावित करते हैं। लंबे समय तक मुस्लिम-यादव समीकरण ने समाजवादी पार्टी को मजबूत बनाए रखा, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में तस्वीर बदलती दिखाई दी। 2022 के विधानसभा चुनाव में आजम खान जेल में रहते हुए भी जीत गए, लेकिन उसके बाद उनकी सदस्यता समाप्त हुई और उपचुनाव में भाजपा ने सीट अपने नाम कर ली। इससे यह संदेश गया कि केवल सहानुभूति की राजनीति अब पहले जितनी प्रभावी नहीं रही। लोकसभा चुनाव 2024 में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस गठबंधन ने उत्तर प्रदेश में अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन रामपुर में संगठनात्मक कमजोरी साफ दिखाई दी। आजम खान के पुराने सहयोगियों का एक बड़ा वर्ग सक्रिय राजनीति से दूर हो चुका है। कई स्थानीय नेता या तो निष्क्रिय हैं या दूसरे राजनीतिक विकल्प तलाश रहे हैं। यही कारण है कि 2027 के चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी के सामने सबसे बड़ी चुनौती नया स्थानीय नेतृत्व तैयार करने की होगी।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आजम खान की व्यक्तिगत लोकप्रियता और समाजवादी पार्टी का संगठन अब दो अलग-अलग बातें बन चुकी हैं। मुस्लिम समाज के एक हिस्से में उनके प्रति सहानुभूति आज भी मौजूद है, लेकिन चुनाव केवल सहानुभूति से नहीं जीते जाते। बूथ प्रबंधन, स्थानीय नेतृत्व, गठबंधन, उम्मीदवार और सामाजिक समीकरण भी उतने ही महत्वपूर्ण होते हैं। यदि आजम खान लंबे समय तक सक्रिय राजनीति से बाहर रहते हैं तो रामपुर में सपा को नई रणनीति बनानी ही पड़ेगी। भाजपा की रणनीति भी स्पष्ट दिखाई देती है। पार्टी कानून-व्यवस्था, अवैध कब्जों के खिलाफ कार्रवाई और भ्रष्टाचार विरोधी छवि को चुनावी मुद्दा बनाए रखना चाहती है। दूसरी तरफ समाजवादी पार्टी इसे राजनीतिक प्रतिशोध और अल्पसंख्यक उत्पीड़न के नैरेटिव से जोड़कर पेश करेगी। यानी 2027 का चुनाव केवल विकास बनाम विकास नहीं होगा, बल्कि कानून बनाम राजनीतिक प्रतिशोध की बहस भी उसमें प्रमुख रहेगी। हालांकि अंतिम फैसला अदालतों को करना है। आजम खान के कई मामलों में अभी न्यायिक प्रक्रिया जारी है और कानूनी लड़ाई खत्म नहीं हुई है। इसलिए उनकी राजनीतिक कहानी पर अंतिम विराम लगाना जल्दबाजी होगी। लेकिन इतना तय है कि जिस रामपुर में कभी आजम खान की अनुमति के बिना राजनीतिक पत्ता तक नहीं हिलता था, उसी रामपुर में आज उनकी सबसे बड़ी विरासत प्रशासनिक कार्रवाई के घेरे में खड़ी है। यह बदलाव केवल एक नेता की कहानी नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश की बदलती राजनीति, बदलते सत्ता संतुलन और कानून तथा राजनीति के टकराव की भी कहानी है। 2027 का चुनाव तय करेगा कि यह अध्याय यहीं समाप्त होगा या आजम खान का नाम एक बार फिर रामपुर की राजनीति में किसी नए रूप में लौटेगा।

संघ की जीवंत परम्परा की सूरत सत्य के आईने में

ललित गर्ग

सृजन में शोर नहीं होता। साधना के जुबान नहीं होती। किंतु सिद्धि में वह शक्ति होती है कि हजारों पर्वतों को तोड़कर भी उजागर हो उठती है। यह कथन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर अक्षरशः सत्य सिद्ध होता है। संघ अपने स्थापना के सौवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। वर्ष 1925 में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा बोया गया एक छोटा-सा संगठनात्मक बीज आज भारतीय समाज के सबसे व्यापक स्वयंसेवी संगठनों में विकसित हो चुका है। इन सौ वर्षों में संघ ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे-स्वतंत्रता आंदोलन का दौर, देश का विभाजन, प्रतिबंध, आपातकाल, सामाजिक परिवर्तन, वैश्वीकरण, कोरोना महामारी और विकसित भारत की नई आकांक्षाएं। इन सभी चरणों में संघ ने स्वयं को केवल एक संगठन के रूप में नहीं, बल्कि सेवा, संस्कार, संगठन और राष्ट्रचेतना के माध्यम के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। यही कारण है कि संघ की शताब्दी केवल किसी संगठन की यात्रा का उत्सव नहीं, बल्कि इस सार्थक एवं राष्ट्र-निर्माण की विचार-यात्रा का मूल्यांकन भी है। इसी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में प्रकाशित 'आरएसएस एट 100: एक सदी संकल्प की' अत्यंत महत्त्वपूर्ण पुस्तक बनकर सामने आती है। प्रभात प्रकाशन से प्रकाशित इस कृति के लेखक श्याम जाजू और अनुपम त्रिवेदी हैं। लेखक द्वय की इस पुस्तक में संघ के अतीत एवं भविष्य की विवेचना करते हुए भारत एवं नया भारत निर्मित करने में उसकी भूमिका को उजागर किया है और उसके इतिहास में सच्चाई के प्रतिबिम्बों को उभारने पर बल दिया है। संघ के इतिहास को धूमिल किया गया, धुंधलाया गया है, अन्यथा संघ का इतिहास दुनिया के लिये एक प्रेरणा है, अनुकरणीय है। क्योंकि संघ एक ऐसा शांति-अहिंसामय संगठन है, जो हर मोड पर निरंतरता लिये हुए सृजनात्मक बना रहा है। इसी निरंतरता में संघ की पहली शताब्दी का महत्व निहित है और शायद अगली शताब्दी के संकल्पों की दिशा भी।

सम्पूर्ण दुनिया भारत की ओर देख रही है, उसमें विश्व गुरु की पात्रता निरन्तर प्रवहमान रही है, हमने कोरोना महामारी के एक जटिल एवं संघर्षमय दौर में दुनिया के सभी देशों के हित-चिन्तन का भाव रखा, सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास मंत्र के द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साबित किया कि वसुधैव कुटुम्बकम- दुनिया एक परिवार है, का भारतीय दर्शन ही मानवता का उजला भविष्य है। इसी विचार पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आगे बढ़ रहा है, वह एक अनोखा और दुनिया का सबसे बड़ा गैर राजनीतिक संगठन है। यह भारतीय राष्ट्रवाद की सबसे मुखर, सबसे प्रखर आवाज है। देश की सुरक्षा, एकता और अखंडता उसका मूल उद्देश्य है। जैसे-जैसे संघ का वैचारिक, सांस्कृतिक, सामाजिक प्रभाव देश और दुनिया में बढ़ रहा है, वैसे-वैसे हिंदुत्व और राष्ट्र के प्रति समर्पित इस संगठन के बारे में जानने और समझने की ललक लोगों के बीच बढ़ती जा रही है। इस विशाल संगठन के विभिन्न विषयों पर विचार तथा इसकी कार्यप्रणाली से आमजन परिचित होना चाहते हैं। जाजू एवं त्रिवेदी की पुस्तक संघ से जुड़ी जिज्ञासाओं का प्रभावी, प्रासंगिक एवं तथ्यपरक विवेचन करती है। एक सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन होते हुए भी संघ ने भारतीय राजनीति की दिशा को राष्ट्रीयता की ओर कैसे परिवर्तित किया है, यह समझने के लिए भी यह पुस्तक पढ़ना आवश्यक है। भारत का विश्वगुरु के रूप में अभ्युदय एक महत्वपूर्ण प्रश्न रहा जिसकी विवेचना लेखक ने समग्र रूप से प्रस्तुत पुस्तक में की है, जो संघ के शताब्दी वर्ष की आयोजना का मूल केन्द्र है। इस महत्वपूर्ण पुस्तक का लोकार्पण भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में किया। समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वरिष्ठ पत्रकार रामबहादुर राय तथा अनेक विशिष्ट जनों की उपस्थिति ने इसे केवल पुस्तक-विमोचन तक सीमित नहीं रहने दिया, बल्कि संघ की शताब्दी यात्रा पर एक राष्ट्रीय विमर्श का स्वरूप प्रदान किया। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने संघ-इतिहास से जुड़ी अनेक नये सन्दर्भो एवं बातों को विवेचित करते हुए कहा कि किस तरह से संघ पिछले सौ वर्षों से राष्ट्र और समाज की सेवा कर रहा है, किंतु उसके बारे में आज भी अनेक भ्रांतियां और पूर्वाग्रह मौजूद हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह पुस्तक उन भ्रमों को दूर करने और संघ के वास्तविक स्वरूप को समझने का सशक्त माध्यम बनेगी। यह टिप्पणी इस पुस्तक की मूल आत्मा भी है, क्योंकि इसका उद्देश्य केवल संघ का गुणगान करना नहीं, बल्कि उसकी वैचारिक यात्रा, संगठनात्मक विकास, राष्ट्र निर्माण में भूमिका तथा भविष्य की दिशा को तथ्यपरक ढंग से सामने रखना है। इस पुस्तक की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह संघ को केवल अतीत के संदर्भ में नहीं देखती, बल्कि विकसित भारत-2047, सांस्कृतिक पुनर्जागरण, सामाजिक समरसता, आत्मनिर्भरता, सेवा, राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक भारत की उभरती भूमिका के साथ जोड़कर उसका विश्लेषण करती है। इसलिए यह केवल संघ के इतिहास का दस्तावेज नहीं, बल्कि नए भारत के वैचारिक विमर्श का भी एक महत्त्वपूर्ण ग्रंथ है।

पुस्तक का स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ा अध्याय विशेष रूप से उल्लेखनीय है। लंबे समय से यह आरोप लगाया जाता रहा है कि संघ का स्वतंत्रता आंदोलन में कोई योगदान नहीं था। पुस्तक इस धारणा का ऐतिहासिक तथ्यों के आधार पर प्रतिवाद करती है। इसमें डॉ. हेडगेवार की स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भूमिका, उनके कारावास, भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान स्वयंसेवकों द्वारा क्रांतिकारियों को सहयोग तथा विभाजन के समय राहत और सुरक्षा कार्यों का विस्तार से उल्लेख किया गया है। पुस्तक का एक अन्य महत्त्वपूर्ण पक्ष यह है कि इसमें संघ को राजनीति से जोड़कर देखने की सीमित दृष्टि का विस्तार किया गया है।

दैनिक पंचांग

19 जुलाई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	कर्क में
चंद्र	कन्या में
मंगल	वृष में
बुध	मिथुन में
गुरु	कर्क में
शुक्र	सिंह में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

लग्नारंभ समय

कर्क	05.15 बजे से
सिंह	07.35 बजे से
कन्या	09.47 बजे से
तुला	11.58 बजे से
वृश्चिक	14.12 ब.से
धनु	16.28 बजे से
मकर	18.34 बजे से
कुंभ	20.20 बजे से
मीन	21.53 बजे से
मेष	23.23 बजे से
वृष	01.03 बजे से
मिथुन	03.02 बजे से

रविवार 2026 वर्ष का 200 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल **तिथि** षष्ठी 03.30 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराफाल्गुनी 18.12 बजे को समाप्त। **योग** परिघ 19.23 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 15.31 बजे तदनन्तर तैतिल 03.30 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 4.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 20° 53' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872775 **जूलियन दिन** 2461240.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** सफर **तारीख** 04 **विशेष** स्कन्द षष्ठी, डॉ.खूबचंद बघेल जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक		शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक	
चर	07.23 से 08.51 बजे तक		अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक	
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक		चर	08.41 से 10.14 बजे तक	
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक		रोग	10.14 से 11.46 बजे तक	
काल	11.46 से 01.14 बजे तक		काल	11.46 से 01.19 बजे तक	
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक		लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक	
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक		उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक	
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक		शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

मासिक अपराध समीक्षा बैठक में एसपी ने दिए सख्त निर्देश, लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन पर जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले के पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह (भा.पु.से.) की अध्यक्षता में शनिवार को समाहरणालय स्थित पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में मासिक अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पाकुड़ एवं महेशपुर, सभी पुलिस निरीक्षक, थाना एवं ओपी प्रभारी तथा विभिन्न शाखाओं के प्रभारी उपस्थित रहे। बैठक में जिले में कानून-व्यवस्था, लंबित मामलों की समीक्षा तथा अपराध नियंत्रण को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना एवं ओपी प्रभारियों को पॉक्सो अधिनियम, आईटी एक्ट एवं एनडीपीएस एक्ट से संबंधित मामलों का निर्धारित समय सीमा के भीतर निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही लंबित वारंट, कुर्की तथा अन्य लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन पर विशेष जोर दिया। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए सभी थाना प्रभारियों को जिला परिवहन पदाधिकारी के साथ समन्वय स्थापित कर नियमित वाहन जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया गया। जांच के दौरान हेलमेट, सीट बेल्ट, वाहन पंजीकरण, बीमा सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच करने तथा शराब पीकर वाहन चलाने वालों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई करने को कहा गया। इसके अलावा सड़क दुर्घटनाओं से संबंधित मामलों की ई-डार पोर्टल पर समयबद्ध प्रविष्टि सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया। एसपी ने चोरी, लूट, डकैती और गृहभेदन जैसी घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए थाना क्षेत्रों में नियमित गश्ती और सघन जांच अभियान चलाने के निर्देश दिए। साथ ही लंबित चरित्र सत्यापन, पासपोर्ट सत्यापन एवं परिवाद पत्रों का शीघ्र निष्पादन करने को कहा। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि थाना आने वाले फरियादियों के साथ शालीन व्यवहार किया जाए, उनकी शिकायतों को गंभीरता से सुनकर विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में प्रत्येक माह स्कूलों, कॉलेजों, हाट-बाजारों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर सड़क सुरक्षा, साइबर अपराध, मानव तस्करी, नशामुक्ति, महिला उत्पीड़न, डायन प्रथा, बाल विवाह तथा अन्य सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरूकता अभियान चलाने का भी निर्देश दिया गया। अपराध नियंत्रण को और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पिछले पांच वर्षों में संपत्तिमूलक अपराधों में संलिप्त सक्रिय एवं दोषसिद्ध अपराधियों के विरुद्ध सीसीए, निगरानी पंजी एवं गुंडा पंजी में नाम दर्ज कराने हेतु प्रस्ताव भेजने का निर्देश सभी थाना प्रभारियों को दिया गया। वहीं नाबालिग बच्चों की गुमशुदगी से संबंधित मामलों की मिशन वात्सल्य पोर्टल पर प्रविष्टि के लिए पुलिस पदाधिकारियों को प्रशिक्षण भी दिया गया। बैठक के दौरान हाल ही में संपन्न हुई रथ यात्रा के शांतिपूर्ण आयोजन में उत्कृष्ट योगदान देने वाले ड्यूटी पर तैनात सभी पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को एक-एक 'सुसेवांक' प्रदान कर सम्मानित किया गया। मासिक अपराध समीक्षा बैठक के बाद पुलिस अधीक्षक ने पुलिस सभा का आयोजन कर पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों की समस्याएं सुनीं तथा उनके त्वरित समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

एक नजर

अनियंत्रित बोलेरो ने ऑटो को रौंदा, पांच यात्री घायल

साहिबगंज : बरहरवा-पाकुड़ मुख्य पथ पर स्थित कोटालपोखर थाना क्षेत्र के ढाटापाड़ा मोड़ पर बरहरवा की ओर से तेज रफ्तार से आ रही वाहन संख्या जेएच 04 ए 7677 बोलोरो ने सड़क किनारे खड़ी सवारी से भरी ऑटो रिक्शा को ठोकर मारते हुए सड़क से नीचे पुलिया के गड्ढे में जाकर पलटी मार दिया। इस दुर्घटना में आटो रिक्शा पर सवार कुल पांच लोगों को चोट लगी है। जिसमें सबसे ज्यादा बरहरवा थाना क्षेत्र के महादेव पुर निवासी 19 वर्षीय युवक मंडल हेम्ब्रम घायल हुए हैं। वहीं बोलोरो पर सवार लोगों को भी हल्की चोटें आई हैं। इधर घटना को देखने के लिए ढाटापाड़ा , दुखियाटोला व आसपास के लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। वहीं घटना की सुचना मिलते ही कोटालपोखर थाना के एएसआई मनोज मुर्मू पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर पहुंच मामले की जानकारी ली। सभी घायलों को इलाज के लिए पुलिस अपने साथ सदर अस्पताल पाकुड़ ले गए। जहां सभी घायलों का इलाज चल रहा है। वहीं मंडल मुर्मू को प्राथमिक उपचार के वाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। कोटालपोखर पुलिस ने बताया कि बोलोरो को जब्त कर लिया है तथा मामले की छानबीन कर रही है।

चांदपुर चेकपोस्ट पर हंगामा करने वाला ट्रक चालक गिरफ्तार

पाकुड़ : जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र स्थित चांदपुर चेकपोस्ट पर ड्यूटी के दौरान सरकारी कर्मी के साथ दुर्व्यवहार, सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पुलिस ने एक ट्रक चालक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, चांदपुर चेकपोस्ट पर नियमित वाहन जांच के दौरान एक ट्रक चालक ने ड्यूटी पर तैनात सरकारी कर्मी के साथ अभद्र व्यवहार किया। आरोप है कि चालक ने सरकारी कार्य में व्यवधान उत्पन्न करते हुए कर्मी को जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद चेकपोस्ट पर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी के लिखित आवेदन के आधार पर मुफस्सिल थाना में संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस जांच में आरोपी की पहचान मालपहाड़ी ओपी क्षेत्र के नागरनबी गांव निवासी सुलेमान शेख के रूप में हुई। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

हमलावरों के हौसला बुलंद युवक को मारी गोली, रेफर

साहिबगंज: जिले में वारदात की घटना थमने का नाम नहीं ले रही है। जहां किसी भी वक्त हमलावरों के द्वारा किसी भी घटना को पल भर में अंजाम देकर फरार हो जाते हैं। ताजा मामला जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के साहिबगंज सकरीगली एनएच 80 मुख्य मार्ग पर बीते शुक्रवार की रात हमलावरों ने एक युवक को गोली मार कर फरार हो गया। सूत्रों ने बताया कि शुक्रवार के करीब 9 बजे सतपुलवा के समीप सकरीगली निवासी युवक नीतेश यादव उम्र 30 वर्ष पिता जगन्नाथ यादव को दो हमलावरों ने दाहिने पैर के नीचे गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। जहां इस घटना के बाद घायल युवक ने अपने परिजनों को पूरे मामले की जानकारी दी जिसके बाद घायल युवक को आनन-फानन में बेहतर इलाज हेतु सदर अस्पताल लाया गया। सदर अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. पिंकू चौधरी ने तुरंत घायल युवक का प्राथमिक उपचार करते हुए उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया है।

बिना टिकट यात्रा पर रेलवे की सख्ती, 289 यात्रियों पर कार्रवाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : रेलवे राजस्व की सुरक्षा तथा बिना टिकट एवं अनियमित यात्रा पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से पूर्व रेलवे के मालदा मंडल द्वारा मंडल रेल प्रबंधक, मालदा, मनीष कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में विशेष टिकट जाँच अभियान चलाया गया। यह अभियान वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मालदा, कार्तिक सिंह के नेतृत्व में गाड़ी संख्या 15630 नागांव एक्सप्रेस, 16524 बालुरघाट-एसएमवीटी बेंगलुरु एक्सप्रेस तथा 13425 मालदा टाउन-सूरत एक्सप्रेस में मालदा टाउन-रामपुरहाट रेलखंड पर तथा गाड़ी संख्या 15744 फरक्का एक्सप्रेस, 53030 भागलपुर-आजीमगंज पैसेंजर एवं 53416 साहिबगंज-बरहरवा पैसेंजर सहित साहिबगंज-बरहरवा रेलखंड से होकर गुजरने वाली अन्य ट्रेनों में चलाया गया। इसके साथ ही इन खंडों के विभिन्न स्टेशनों पर भी वाणिज्य निरीक्षकों, टिकट जाँच कर्मचारियों तथा रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के सक्रिय सहयोग से सघन टिकट जाँच की गई। इस विशेष अभियान के दौरान बिना टिकट एवं अनियमित यात्रा के कुल 289 मामले दर्ज किए गए, जिनसे 2,71,185/ का जुमार्ना वसूल किया गया।मालदा मंडल रेलवे राजस्व की सुरक्षा, बिना टिकट यात्रा पर प्रभावी रोक तथा वास्तविक यात्रियों को सुरक्षित, संरक्षित एवं सुगम यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस प्रकार के विशेष टिकट जाँच अभियान नियमित रूप से चलाता रहेगा। यात्रि सदैव वैध रेलवे टिकट के साथ ही यात्रा करें, क्योंकि वैध टिकट के बिना यात्रा करना रेल अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत दंडनीय अपराध है।

डिजिटल कनेक्टिविटी को सुदृढ़ बनाने पर जोर जिला स्तरीय दूरसंचार समिति की बैठक संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिला ई-गवर्नेंस सोसायटी, पाकुड़ के तत्वावधान में जिला स्तरीय दूरसंचार समिति की बैठक शनिवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त-सह-अध्यक्ष मेघा भारद्वाज की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में जिले में दूरसंचार सेवाओं को अधिक सुलभ, गुणवत्तापूर्ण एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से मोबाइल नेटवर्क विस्तार, दूरसंचार अवसंरचना के विकास, नए मोबाइल टावरों की स्थापना, नेटवर्क ब्लैक स्पॉट, डिजिटल कनेक्टिविटी तथा लंबित मामलों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने जिले के सभी संबंधित विभागों एवं दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए आम नागरिकों तक निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण दूरसंचार सेवाएं पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में मजबूत दूरसंचार व्यवस्था सुशासन, शिक्षा, स्वास्थ्य, बैंकिंग, आपदा प्रबंधन तथा विभिन्न सरकारी सेवाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की आधारशिला है। इसलिए नेटवर्क से वंचित क्षेत्रों को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक कार्रवाई समयबद्ध रूप से सुनिश्चित की जाए। उपायुक्त ने निर्वाचन के दौरान चिन्हित नेटवर्क-विहीन (ब्लैक स्पॉट) मतदान केंद्रों की अद्यतन समीक्षा करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं अंचल अधिकारियों से कहा कि पूर्व में चिन्हित नॉन-नेटवर्क बूथों का पुनः सत्यापन कर अद्यतन प्रतिवेदन उपलब्ध कराएं। सत्यापित सूची संबंधित दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के साथ साझा की जाएगी, ताकि ऐसे क्षेत्रों में शीघ्र नेटवर्क सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क की उपलब्धता भविष्य में निर्वाचन प्रक्रिया सहित विभिन्न डिजिटल सेवाओं के सुचारु संचालन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बैठक के दौरान दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के प्रतिनिधियों ने भी नेटवर्क विस्तार में आनेवाली व्यावहारिक चुनौतियों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि कुछ स्थानों पर बिजली आपूर्ति बाधित रहने के कारण मोबाइल टावरों का संचालन प्रभावित हो रहा है, जिससे नेटवर्क सेवाओं में व्यवधान उत्पन्न हो रहा है। इस पर उपायुक्त ने संबंधित विभागों को आवश्यक समन्वय स्थापित कर विद्युत एवं अन्य आधारभूत समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही सेवा प्रदाताओं ने आश्वस्त किया कि जिले में चिन्हित नेटवर्क संबंधी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर सर्वेक्षण कर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई की जाएगी।

विशेष लोक अदालत में 16 चेक बाउंस मामलों का हुआ निस्तारण

20 .41 लाख की समझौता राशि पर बनी सहमति

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार और माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में शनिवार को चेक बाउंस (परक्राम्य लिखत अधिनियम) मामलों के त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण निस्तारण के लिए विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया जिसके संचालन हेतु साहेबगंज एवं राजमहल में विभिन्न न्यायालयों में विशेष बेंचों का गठन किया गया। साहेबगंज व्यवहार न्यायालय में गठित बेंचों के पीठासीन पदाधिकारी अभिषेक प्रसाद, एसीजेएम-सह-सिविल जज (सीनियर डिवीजन)-क एवं तुषार आनंद, एसडीजेएम, साहेबगंज ने की। इनके साथ सदस्य के रूप में एलएडीसी और पैनल अधिवक्ता ने सहभागिता निभाई। अनुमंडल न्यायालय, राजमहल में भी विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। विशेष लोक अदालत में कुल 36 मामलों को प्रस्तुत किया गया, जिनमें से 16 मामलों का सफलतापूर्वक निस्तारण किया गया। इन मामलों में कुल 20,41,000 (बीस लाख इकतालीस हजार रुपये) की समझौता राशि पर पक्षकारों के बीच सहमति बनी। माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष अखिल कुमार ने कहा कि लोक अदालत न्याय प्राप्ति का सरल, सस्ता एवं प्रभावी माध्यम है। उन्होंने पक्षकारों से भविष्य में भी लोक अदालत के माध्यम से अपने विवादों का सौहार्दपूर्ण समाधान कराने की अपील की। इस अवसर पर प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत, न्यायिक पदाधिकारियों, एलएडीसी टीम, पैनल अधिवक्ताओं, न्यायालय कर्मियों एवं अधिवक्ताओं ने विशेष लोक अदालत के सफल आयोजन में सक्रिय योगदान दिया।

झारखंड क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन अलर्ट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले में झारखंड क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा-2024 के शांतिपूर्ण, स्वच्छ एवं कदाचारमुक्त आयोजन को लेकर पाकुड़ पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह (भा.पु.से.) के निर्देश पर शनिवार को पुलिस केंद्र, पाकुड़ में पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) ने परीक्षा ड्यूटी में प्रतिनियुक्त सभी पुलिस पदाधिकारियों एवं सुरक्षा कर्मियों की ब्रीफिंग की। ब्रीफिंग के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि सभी पुलिस पदाधिकारी एवं सुरक्षा कर्मी 19 जुलाई की सुबह 6 बजे तक अपने-अपने परीक्षा केंद्रों पर अनिवार्य रूप से पहुंच जाएं। परीक्षा समाप्त होने के बाद भी परीक्षा सामग्री को सुरक्षित कोषागार (वज्रगृह) के लिए रवाना होने तक ड्यूटी स्थल पर बने रहने का निर्देश दिया गया। फ्रिस्किंग के दौरान जेएसएससी की अधिकृत एजेंसी को पूर्ण सहयोग देने, परीक्षा केंद्रों के आसपास अनावश्यक भीड़ एकत्रित नहीं होने देने तथा गश्ती दल को परीक्षा सामग्री को सुरक्षित रूप से कोषागार से परीक्षा केंद्र और परीक्षा समाप्ति के बाद वापस कोषागार तक पहुंचाने के निर्देश भी दिए गए। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया कि परीक्षा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रहेगी और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या कदाचार की स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक से मिला ईस्टर्न जोनल रेलवे पैसेंजर्स एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल, तीन सूत्री मांगों का सौंपा ज्ञापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

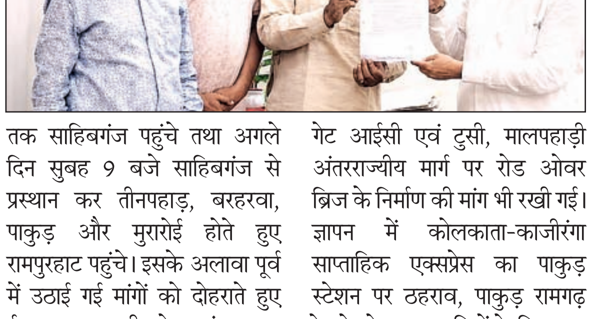

पाकुड़ : ईस्टर्न जोनल रेलवे पैसेंजर्स एसोसिएशन (हावड़ा मंडल) के अध्यक्ष-सह-भाजपा जिला उपाध्यक्ष हिसाबी राय तथा सचिव राणा शुक्ला ने पूर्व रेलवे मुख्यालय, कोलकाता में महाप्रबंधक मिलिंद देउस्कर से उनके कार्यालय में मुलाकात कर रेल यात्रियों की सुविधाओं से जुड़ी विभिन्न मांगों का ज्ञापन सौंपा। इस दौरान पूर्व रेलवे के उप महाप्रबंधक शिवराम मांझी भी उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने प्रमुख रूप से रामपुरहाट से साहिबगंज के बीच नई मेमू ट्रेन चलाने की मांग उठाई। प्रस्ताव के अनुसार ट्रेन दोपहर 1:15 बजे रामपुरहाट से रवाना होकर शाम तक साहिबगंज पहुंचे तथा अगले दिन सुबह 9 बजे साहिबगंज से प्रस्थान कर तीनपहाड़, बरहरवा, पाकुड़ और मुरारोई होते हुए रामपुरहाट पहुंचे। इसके अलावा पूर्व में उठाई गई मांगों को दोहराते हुए ईशाकपुर एलसी गेट संख्या-39 (पाकुड़ वेस्ट केबिन) तथा एलसी गेट आईसी एवं टुसी, मालपहाड़ी अंतरराज्यीय मार्ग पर रोड ओवर ब्रिज के निर्माण की मांग भी रखी गई। ज्ञापन में कोलकाता-काजीरंगा साप्ताहिक एक्सप्रेस का पाकुड़ स्टेशन पर ठहराव, पाकुड़ रामगढ़ रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए चार अनुदानित पेयजल फ्रिज रेलवे को हस्तांतरित करने, तथा पाकुड़ रेलवे स्टेशन के ऑटो स्टैंड में हाईमास्ट लाइट एवं वीडियो वॉल लगाने की मांग भी शामिल थी। प्रतिनिधिमंडल और महाप्रबंधक के बीच लगभग 40 मिनट तक विभिन्न तकनीकी पहलुओं पर विस्तृत चर्चा हुई। इस दौरान महाप्रबंधक मिलिंद देउस्कर ने आश्वस्त किया कि उनके अधिकार क्षेत्र में आने वाले सभी आवश्यक कार्य रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्राथमिकता के आधार पर किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि रामपुरहाट-साहिबगंज मेमू ट्रेन के संचालन को लेकर मुख्य यात्री संचालन प्रबंधक रौशन कुमार को संभावित समय-सारणी तैयार करने का निर्देश दिया गया है और इस दिशा में जल्द सकारात्मक निर्णय लेने का प्रयास किया जाएगा। महाप्रबंधक ने यह भी जानकारी दी कि कोलकाता-काजीरंगा साप्ताहिक एक्सप्रेस के पाकुड़ में ठहराव के प्रस्ताव पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। वहीं ईशाकपुर एलसी गेट संख्या-39 पर रोड ओवर ब्रिज के निर्माण को जांच के बाद स्वीकृति मिल चुकी है। हालांकि मुरारोई-बरहरवा रेलखंड पर दो अतिरिक्त रेल लाइनों के प्रस्तावित निर्माण के कारण प्रक्रिया में कुछ विलंब हो रहा है। रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार जल्द ही निविदा प्रक्रिया पूरी कर निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

पाकुड़ में आयुष जांच शिविर, 390 लोगों का हुआ निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण

पाकुड़ : आयुष विभाग, पाकुड़ की ओर से जिले के विभिन्न प्रखंडों में आयुष जांच शिविर का आयोजन किया गया। इन शिविरों में कुल 390 लाभुकों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक दवाइयाँ नि:शुल्क उपलब्ध कराई गईं। यह शिविर पाकुड़ प्रखंड के झिकरहट्टी एवं कालिकापुर, लिट्टीपाड़ा प्रखंड के लिट्टीपाडा एवं धरमपुर, अमड़ापाड़ा प्रखंड के अमड़ापाड़ा एवं पकलो, पाकुड़िया प्रखंड के पाकुड़िया एवं खकसा, हिरणपुर प्रखंड के डुमरिया एवं मोहनपुर में आयोजित किए गए। शिविर में उपस्थित चिकित्सक डॉ अबु तालिब शेख, डॉ सौरभ विश्वास, डॉ प्रेम प्रकाश, अफरोज आलम, डॉ अशोक मेहता, डॉ अमरेश कुमार, डॉ मिथिलेश कुमार, डॉ संतोष कुमार यादव एवं डॉ बीरेंद्र कुमार विश्वकर्मा, डॉ लवकुश यादव एवं डॉ कुलेश कुमार ने बताया कि जांच शिविर में रक्तचाप, मधुमेह, जोड़ एवं गठिया रोग, बच्चों से संबंधित रोगों आदि का नि:शुल्क परीक्षण किया गया। साथ ही लाभुकों को मुफ्त दवा भी उपलब्ध कराई गई। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण लाभान्वित हुए और उन्होंने इस पहल की सराहना की।

साहिबगंज रेलवे स्टेशन पर शराब की बोतल से भरे ट्रॉली बैग के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

साहिबगंज: साहिबगंज रेलवे स्टेशन के दो नंबर प्लेटफार्म पर शनिवार को रेल थाना पुलिस ने अंग्रेजी शराब से भरा ट्रॉली बैग के साथ एक शराब तस्कर को दबोच लिया। ट्रॉली में 29 बोतल किंग फिशर शराब पाया गया। इसकी कीमत करीब 4350 रुपया बताया गया है। तस्कर मुजफ्फरपुर जिला के मीना पूर थाना क्षेत्र के रहने वाला सुखारी का पुत्र अवध कुमार है। एएसआई मुश्ताक अहमद ने बताया कि गुप्त सूचना मिलने पर वे एएसआई कमलेश कुमार के साथ छानबीन शुरू कर दिया। उक्त तस्कर को प्लेटफार्म नंबर दो के पूर्वी छोर पर ट्रेन के इंतजार में खड़ा था। युवक शराब बिहार खपाने के फिराक में था। हालांकि रेल पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए शराब के साथ तस्कर को भी गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान युवक ने पुलिस को बताया कि वो महाराजपुर से शराब लेकर टेंपो से साहिबगंज आया। यहां से वे ट्रेन पकड़कर मुजफ्फरपुर जाने वाला था। हालांकि तब तक रेल थाना पुलिस ने दबोच लिया। वही जब्त शराब के साथ युवक को आगे की कार्रवाई के लिए उत्पाद विभाग को सौंप दिया गया है।

बंगाली समुदाय के लोगों ने परम्परागत ढंग से मां विपदतारिणी की पूजा अर्चना

साहिबगंज: शहर के बंगाली टोला स्थित राबर्टसन क्लब दुर्गा मंदिर में शनिवार को परम्परागत ढंग से मां विपदतारिणी की पूजा हुई। विपदतारिणी का अर्थ विपदों (मुसीबतों) से तारने वाली (उद्धार करने वाली) है। यह मां दुर्गा का ही एक रूप हैं, जिन्हें संकटों व विपत्तियों को दूर करने वाली देवी माना जाता है। पुरोहित सूखेंदु चटर्जी ने विधिवत पूजा अनुष्ठान सम्पन्न कराया। मौके पर काफी संख्या में श्रद्धालु क्लब परिसर में मौजूद थे। इस पूजा को खासतौर पर बंगाली परिवार के लोग ही करते हैं। आषाढ़ महीने के शुक्ल पक्ष (गुप्त नवरात्रि के दौरान) में पड़ने वाले पहले मंगलवार या शनिवार को इस पूजा का आयोजन होता है। आमतौर पर यह पूजा रथ यात्रा और उल्टा रथ के बीच पड़ता है। दरअसल, मां विपदतारिणी देवी दुर्गा का ही एक रूप है। मान्यता है कि मां विपदतारिणी की करने से मुख्य रूप से परिवार को सभी प्रकार के संकटों व विपत्तियों से रक्षा होती है। इस पूजा में 13 का विशेष महत्व होता है। पूजा में 13 फल, 13 फूल व 13 प्रकार की मिठाइयां चढ़ाई जाती हैं। पूजा के बाद परिवार की सलामती के लिए हाथों में दूर्वा घास से बना लाल रंग का रक्षा सूत्र (तगा) बांधा जाता है। पूजा आयोजन को सफल बनाने में राबर्टसन क्लब के सदस्य सहित अन्य का योगदान रहा।

पुलिस ने तीन अभियुक्त को गिरफ्तार कर भेजा न्यायिक हिरासत

साहिबगंज: मुफ्फसिल थाना पुलिस ने तीन अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार मुफ्फसिल थाना कांड के संख्या 87/26, दिनांक 16/07/26, धारा 126(2)/ 115(2)/ 333/ 109(1)/ 352(2)/ 352/ 3(5) बीएनएस के प्राथमिक अभियुक्त गौतम गौड़ व कैलाश गौड़ दोनों पिता नंदलाल गौड़ साकिन सकरीगली लीची बगान, थाना मुफ्फसिल, जिला साहिबगंज एवं 67/23 जीआर 67/23 के गैर जमानती वारंटी गुड्डू सिंह पिता स्वर्गीय भीम सिंह, साकिन महादेवगंज गोढीटोला, थाना मुफस्सिल जिला साहिबगंज तीनो को पुलिस ने विधिवत गिरफ्तार कर कागजी प्रक्रिया पूरी करने के उपरांत सदर अस्पताल में शारीरिक जांच करवाने के बाद उचित मार्गदर्शी दल के साथ न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

डीएसई ने किया मुख्यमंत्री उत्कृष्ट कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय का औचक निरीक्षण

साहिबगंज: डीएसई उर्मिला हांसदा ने शनिवार को सदर प्रखंड स्थित मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय (केजीबीवी) का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने विद्यालय की वार्डन मेरीलीना मरांडी से विद्यालय में नामांकित छात्राओं की संख्या और कार्यरत शिक्षक के बारे में विस्तार से जानकारी ली। यहां उल्लेखनी होगा कि डीएसई झारखंड शिक्षा परियोजना की अपर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी भी हैं। डीएसई ने निरीक्षण के क्रम में विद्यालय संचालन के लिए तैयार समय सारणी का अनुपालन भौतिक रूप से करने की बात कही। मौके पर डीएसई ने वर्ग कक्ष पहुंच छात्राओं से बारी-बारी से संवाद कर उन्हें यहां मिल रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। संवाद के क्रम में छात्राओं को बताया गया कि शैक्षणिक स्तर को कैसे सुधारा जा सकता है? कैसे कोई छात्रा शिक्षा के माध्यम से अपने जीवन को बेहतर बना सकती हैं? उन्होंने छात्राओं से कहा कि किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर उनसे सीधे सम्पर्क कर सकती हैं। विद्यालय में छात्राओं को मिलने वाले भोजन सुविधा और प्रतिदिन के मीनू पर वार्डन से जानकारी ली। डीएसई ने भोजनालय और पाकशाला निरीक्षण के क्रम में छात्राओं के लिए बने दोपहर के भोजन को भी देखा। मौके पर डीएसई ने रसोईया को समय से छात्राओं को मीनू के अनुसार भोजन उपलब्ध कराने एवं इसपर सतर्कता से काम करने के निर्देश दिये। डीएसई ने वार्डन को विभाग की ओर से जारी भोजन के नये मीनू चार्ट को विद्यालय की दीवार पर अंकित करने के भी निर्देश दिये। निरीक्षण के क्रम में डीएसई ने इस साल माध्यमिक परीक्षा के रिजल्ट की जानकारी वार्डन से प्राप्त कर भविष्य में उसमें और सुधार के लिए अभी से छात्राओं को तैयारी कराने की बात कही।

एक नजर

लड़की भगाने को लेकर दो पक्षों में मारपीट दोनों पक्ष से घायल

बरही : थाना क्षेत्र के जरहिया गांव में एक लड़की को भगाने को लेकर दो पक्षों में कहासुनी के साथ बढ़ते हुए मारपीट एवं छीनतई का मामला प्रकाश में आया है। इस सम्बंध में दोनों पक्षों की ओर से बरही थाना में मारपीट, छीनतई सहित अन्य आरोप लगा आवेदन देकर करवाई की मांग की। दोनों पक्ष के घायलों का इलाज बरही अनुमंडलीय अस्पताल में किया गया जिसमें कुछ लोगों को बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है इस सम्बंध में बरही पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों की ओर से आवेदन प्राप्त हुआ। दोनों पक्षों के आवेदन के आधार पर मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

झारखंड-बंगाल बॉर्डर पर मुरी पुलिस का सघन वाहन जांच अभियान

मुरी: मुरी ओ पी पुलिस ने एंटी क्राइम अभियान के तहत शुक्रवार की संध्या में झारखंड और पश्चिम बंगाल की बॉर्डर पर स्वर्णरेखा नदी के समीप सघन वाहन जांच अभियान चलाया। अभियान के तहत दो पहिया वाहनों की सघन जांच की गई। जांच के क्रम में वाहन चालकों से ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन से संबंधित वैध कागजात और हेलमेट की जांच की गई। इस अभियान से यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों में हड़कंप मच गया। इस जांच अभियान का नेतृत्व अवर निरीक्षक मणि भूषण पासवान कर रहे थे। वहीं अभियान को लेकर मुरी ओ पी के थाना प्रभारी विकास कुमार पासवान ने कहा कि क्षेत्र में अपराध नियंत्रण,अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने और सड़क सुरक्षा सुनिश्चित।

चार अभ्यर्थी अग्निवीर और एक युवती होमगार्ड भर्ती में सफल

प्रतापपुर (चतरा)। प्रतापपुर प्रखंड मुख्यालय के विधायक मोहल्ला स्थित द स्टडी जोन कोचिंग सेंटर ने एक बार फिर अपनी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर मार्गदर्शन का परिचय दिया है। सीमित संसाधनों और कम शुल्क में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने वाले इस संस्थान के पांच अभ्यर्थियों ने विभिन्न सरकारी भर्ती परीक्षाओं में सफलता हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इनमें चार अभ्यर्थियों का अग्निवीर भर्ती परीक्षा तथा एक युवती का होमगार्ड भर्ती परीक्षा में चयन हुआ है। इस उपलब्धि पर शनिवार को कोचिंग सेंटर परिसर में सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें सभी सफल अभ्यर्थियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्थान के संचालक एवं शिक्षक कमल किशोर ने कहा कि कठिन परिश्रम, सही मार्गदर्शन और अनुशासित तैयारी ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने कहा कि संस्थान का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को परीक्षा उत्तीर्ण कराना नहीं, बल्कि उन्हें उनके लक्ष्य तक पहुंचाना है। अग्निवीर भर्ती परीक्षा में आर्यन कुमार, मंजीत कुमार, भास्कर कुमार एवं छोटू कुमार ने सफलता प्राप्त की, जबकि पूजा कुमारी का चयन होमगार्ड भर्ती परीक्षा में हुआ। संस्थान में जेटीईटी, जेपीएससी, नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा, नेतरहाट आवासीय विद्यालय प्रवेश परीक्षा तथा इंदिरा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय प्रवेश परीक्षा की तैयारी अनुभवी शिक्षकों के मार्गदर्शन में कम शुल्क पर कराई जाती है। आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए विशेष सुविधा के साथ अध्ययन हेतु सुसज्जित पुस्तकालय की व्यवस्था भी उपलब्ध है। सम्मान समारोह में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, अभिभावक एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे। सभी ने सफल अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सावन मीना बाजार मेले का शुभारंभ, रंग-बिरंगे झूलों और जादू शो ने बढ़ाया आकर्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हंटरगंज : हंटरगंज प्रखंड मुख्यालय स्थित पानी टंकी के समीप सावन माह के शुभ अवसर पर आयोजित मीना बाजार मेले का शनिवार को विधिवत शुभारंभ हुआ। मेले का उद्घाटन हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष पवन सिंह, निवर्तमान मंडल अध्यक्ष अरुण चौरसिया, गुंजित सिंह, विधायक प्रतिनिधि रौशन सिंह, प्रो. जैनेंद्र सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। हर वर्ष सावन के अवसर पर लगने वाला यह मेला इस बार भी क्षेत्रवासियों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। आयोजकों के अनुसार मेला सावन माह से लेकर रक्षाबंधन तक संचालित रहेगा, जहां बच्चों, युवाओं, महिलाओं और परिवार के सभी सदस्यों के लिए मनोरंजन एवं खरीदारी की विशेष व्यवस्था की गई है। मेले में बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार के आकर्षक झूले लगाए गए हैं, जबकि युवाओं के लिए टावर झूला, ब्रेक डांस सहित कई रोमांचक झूले लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं। इसके अलावा मनोरंजन के लिए नाट्य मंच की भी व्यवस्था की गई है। महिलाओं के लिए मीना बाजार में चूड़ियां, बिंदी, सौंदर्य प्रसाधन एवं अन्य घरेलू उपयोग की वस्तुओं की दुकानें सजाई गई हैं। वहीं खान-पान के कई स्टॉल भी लोगों की पसंद बने हुए हैं। मेले का सबसे बड़ा आकर्षण कोलकाता से आए प्रसिद्ध जादूगर शिव सम्राट हैं। उद्घाटन अवसर पर उन्होंने अपने हैरतअंगेज जादुई करतबों से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। उनके रोमांचक प्रदर्शन को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। मेले में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर हंटरगंज पुलिस द्वारा विशेष निगरानी रखी जा रही है। स्थानीय स्तर पर मेले के सफल संचालन में प्रभात कुमार निराला की भी महत्वपूर्ण भूमिका बताई जा रही है। आयोजकों ने बताया कि मेले का उद्देश्य सावन के पावन अवसर पर क्षेत्रवासियों को मनोरंजन, खरीदारी और परिवार के साथ सुखद समय बिताने का अवसर उपलब्ध कराना है। मेले के शुभारंभ से पूरे हंटरगंज क्षेत्र में उत्साह और उल्लास का माहौल है।

श्री अय्यप्पा पब्लिक स्कूल ने एसओएफ लेवल-2 ओलंपियाड रिजल्ट में किया शानदार प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : यह साबित करते हुए कि उत्कृष्टता कोई एक बार का काम नहीं बल्कि एक आदत है, बोकारो स्टील सिटी के श्री अयप्पा पब्लिक स्कूल ने साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन लेवल-2 ओलंपियाड परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन करके राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी एक खास पहचान बनाई है। यह शानदार उपलब्धि स्कूल की उस अटूट प्रतिबद्धता को दशार्ती है जिसके तहत वह अपने छात्रों में शैक्षणिक उत्कृष्टता, आलोचनात्मक सोच और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देता है। कुल 11 होनहार छात्रों ने आईएमओ, एनइसओ, आईसीएसओ, आईएसएसओ और आईएमओ जैसे प्रतिष्ठित ओलंपियाड में शानदार इंटरनेशनल और जोनल रैंक हासिल करके संस्थान का मान बढ़ाया। इन छात्रों ने मिलकर इंटरनेशनल सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल, बेहतरीन प्रदर्शन के लिए सर्टिफिकेट, जोनल एक्सीलेंस सर्टिफिकेट, नकद पुरस्कार और गिफ्ट वाउचर हासिल किए। शानदार परफॉर्म करने वालों में, ऋद्धि वर्मा (क्लास 3-सी) सबसे चमकता सितारा बनकर उभरीं। उन्होंने आई.एस.एस.ओ में इंटरनेशनल रैंक 2 और जोनल रैंक 1 हासिल की, और एक इंटरनेशनल सिल्वर मेडल, 1,000 रुपये का गिफ्ट वाउचर और शानदार परफॉर्मेंस का सर्टिफिकेट जीता। अर्जुन शर्मा, आरुषि कुमारी और अदिति कुमारी भी उतने ही तारीफ के काबिल थे, जिन्होंने इंटरनेशनल हिंदी ओलंपियाड (आई.एच.ओ) में इंटरनेशनल रैंक 2 हासिल की और उन्हें इंटरनेशनल सिल्वर मेडल, सर्टिफिकेट और कैश प्राइज से सम्मानित किया गया।

नगर निगम की उपमहापौर पूजा कुमारी ने किया ईजी राइड की अत्याधुनिक बस सेवा का शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चास : चास नगर निगम की उपमहापौर पूजा कुमारी के नेतृत्व में आज नया मोड़ बस स्टैंड से ईजी राइड कंपनी की बोकारो-आसनसोल एवं आसनसोल-सिलीगुड़ी रूट पर संचालित अत्याधुनिक मल्टी-फैसिलिटी बस सेवा का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर उपमहापौर श्रीमती पूजा कुमारी ने कहा कि यह बस आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है, जिसमें यात्रियों के मनोरंजन एवं सुविधा के लिए टीवी, हेडसेट सहित कई अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने कहा कि यह सेवा बोकारो एवं चास क्षेत्र के यात्रियों के लिए एक बड़ी सौगात है, जिससे लंबी दूरी की यात्रा अधिक सुरक्षित, आरामदायक और सुखद बनेगी। उपमहापौर ने ईजी राइड कंपनी के प्रबंधन एवं पूरी टीम को इस नई पहल के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में बेहतर परिवहन सुविधाओं का विस्तार विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और इससे आम नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। उन्होंने चास एवं बोकारो के सभी नागरिकों से इस उत्कृष्ट बस सेवा का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आग्रह किया। साथ ही आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी शहरवासियों को इसी प्रकार की आधुनिक, सुविधाजनक एवं गुणवत्तापूर्ण परिवहन सेवाएं निरंतर प्राप्त होती।

उच्चतर शिक्षा और करियर के विभिन्न अवसरों से अवगत हुए डीपीएस बोकारो के विद्यार्थी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : 12वीं कक्षा के बाद विभिन्न विश्वविद्यालयों में उपलब्ध पाठ्यक्रमों तथा उनसे संबंधित करियर के विभिन्न अवसरों के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो में करियर मेला लगाया गया। आई एजुकेशनलाइज नामक संस्था के समन्वयन से आयोजित इस मेले में देशभर के लगभग एक दर्जन नामचीन विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों ने 11वीं एवं 12वीं के छात्र-छात्राओं को करियर के विविध पहलुओं की जानकारी दी। मेले का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने आगंतुक शिक्षा विशेषज्ञों के साथ संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। उद्घाटन सत्र में रायपुर से पहुंचे डॉ. मनोज सिंह ने करियर के अर्थ, महत्व तथा विभिन्न आयामों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जीवन में खुशी जरूरी है। अतः बच्चे वही करियर चुनें, जिनसे उन्हें खुशी मिले। बेंगलुरू से आए अजय सिंह ने भी रुचि के अनुसार करियर चुनने पर बल देते हुए विद्यार्थियों को आत्मविश्वासी बनने का संदेश दिया। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में कौशल-विकास की अनिवार्यता रेखांकित की तथा एआई को मानवीय खतरे के बजाय एक सहायक बताया। वहीं, हैदराबाद की एक प्रसिद्ध यूनिवर्सिटी के करियर काउंसलर रितेश जायसवाल ने तकनीकी दक्षता पर प्रकाश डालते हुए अपने लक्ष्य के प्रति जुनून को आवश्यक बताया। अंतःक्रिया सत्र के क्रम में विश्वविद्यालय प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों के प्रश्नों का उत्तर देकर उनकी जिज्ञासाएं भी शांत कीं। मेले के दौरान एक ही छत के नीचे छात्र-छात्राओं को 12वीं के बाद मेडिकल, इंजीनियरिंग और सिविल सेवाओं के अलावा प्रबंधन, विधि, वाणिज्य, डिजाइनिंग, ग्राफिक्स, मल्टीमीडिया आदि के क्षेत्र में विभिन्न अवसरों की अद्यतन जानकारी दी गई।

हॉस्टल मैदान में बाहरी खिलाड़ियों के प्रवेश पर रोक, युवाओं ने गेट पर किया प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : ट्रेनी हॉस्टल में हाल ही में हुए विवाद के बाद प्रशासन ने बाहरी लोगों के प्रवेश पर पूरी तरह रोक लगा दी है। इसी निर्णय के विरोध में सोमवार को हॉस्टल परिसर में अभ्यास करने वाले बाहरी खिलाड़ी और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवा हॉस्टल के मुख्य गेट पर एकत्र हुए और काफी देर तक अपनी मांगों को लेकर डटे रहे। युवाओं का कहना है कि बड़ी संख्या में अभ्यर्थी यहां आकर सेना, अर्धसैनिक बलों तथा अन्य सरकारी नौकरियों की शारीरिक दक्षता (फिजिकल) परीक्षा की तैयारी करते हैं। उन्होंने बताया कि इसी मैदान से तैयारी कर कई युवा आज भारतीय सेना एवं अन्य सशस्त्र बलों में देश की सेवा कर रहे हैं। प्रदर्शन कर रहे युवाओं ने कहा कि शहर में फिजिकल अभ्यास के लिए उपायुक्त मैदानों का अभाव है। बीएसएल के अन्य मैदानों की स्थिति भी संतोषजनक नहीं है। उनका आरोप है कि कई मैदानों में असामाजिक तत्वों और शराबियों का जमावड़ा लगा रहता है तथा शराब की बोतलें तोड़कर मैदान में फेंक दी जाती हैं। इससे दौड़ और अन्य शारीरिक अभ्यास करना जोखिम भरा हो जाता है। युवाओं ने प्रशासन और बीएसएल प्रबंधन से आग्रह किया कि ट्रेनी हॉस्टल का मैदान प्रतिदिन सुबह और शाम कुछ घंटों के लिए बाहरी खिलाड़ियों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए खोला जाए, ताकि वे बिना किसी बाधा के अपना नियमित शारीरिक अभ्यास जारी रख सकें।

गिफ्ट ऑफ लाइफ कार्यक्रम के तहत जन्मजात हृदय रोग से ग्रसित बच्चों के लिए निःशुल्क जांच शिविर आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : जन्मजात हृदय से पीड़ित बच्चों को समय पर बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से गिफ्ट ऑफ लाइफ कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय बाल सुरक्षा कार्यक्रम, झारखंड सरकार, अमृता हॉस्पिटल एवं रोटरी के संयुक्त तत्वावधान में एक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने बच्चों की हृदय संबंधी जांच की तथा आवश्यकतानुसार आगे के उपचार एवं सर्जरी के लिए उनका चयन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है, ताकि जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित बच्चों को नया जीवन मिल सके। अमृता अस्पताल के नोडल अफसर रो. एस पी बगडिया ने बताया कि गिफ्ट ऑफ लाइफ कार्यक्रम के माध्यम से पात्र बच्चों का उपचार विशेषज्ञ अस्पताल में कराया जाएगा। इस पहल से अनेक परिवारों को राहत मिलेगी तथा बच्चों के स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा। इस अवसर पर रोटरी क्लब के पदाधिकारियों, राष्ट्रीय बाल सुरक्षा कार्यक्रम के अधिकारियों, अमृता हॉस्पिटल के चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों ने उपस्थित अभिभावकों को जन्मजात हृदय रोग की समय पर पहचान और उपचार के महत्व के बारे में भी जागरूक किया। शिविर में लगभग 259 बच्चों की जांच की गई। इनमें से 41 बच्चों को जांच के पश्चात शल्य चिकित्सा के लिए चिन्हित किया गया। शिविर का बोकारो के डीसी, डीडीसी, एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्य पदाधिकारीयों ने निरीक्षण एवं संबोधित किया। बोकारो के सिविल सर्जन लगातार शिविर में बने रहे और अपनी देखरेख में कार्यक्रम संपन्न करवाया। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी सहयोगी संस्थाओं एवं चिकित्सकों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर पूर्व मंडल अध्यक्ष महेश केजरीवाल,रोटरी क्लब चास के अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, मिड टाउन कपल के अध्यक्ष मोहित अग्रवाल,सहायक जिलापाल पूजा बैद, निरूपमा सिंह, अशोक तनेजा, प्रदीप सिंह, नरेंद्र सिंह, अशोक जैन, संजय बैद, शिव अग्रवाल, बिनोद चोपड़ा, ललिता चोपड़ा, कुमार अमरदीप,प्रकाश केजरीवाल, ज्योति अग्रवाल, पूर्वी केजरीवाल, उषा कुमार, संजय रस्तोगी,शैल रस्तोगी, अनूप अग्रवाल, अमिशा अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

कोनरा में पीडीएस डीलर शमशाद आलम के कार्डधारियों के बीच साड़ी, धोती, लुंगी का वितरण

बरही: झारखंड सरकार की कल्याणकारी एवं महत्वाकांक्षी योजना के तहत बरही प्रखंड के शादी मुहल्ला कोनरा में पीडीएस डीलर मो शमशाद आलम के कार्डधारियों के बीच साड़ी, धोती और लुंगी का वितरण किया गया। वितरण का कार्य कोनरा पंचायत की मुखिया यास्मीन तब्बसुम और पूर्व विधायक प्रतिनिधि मो० वारिस अंसारी के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस योजना के तहत कुल 26 लाभुकों के बीच वस्त्र वितरित किए गए। लाभुकों में फातमा खातून, नूरजहाँ खातून, आकलीमा खातून, साहिदा खातून, ताजमुन खातून, रेशमा खातून, महताब खातून, रेणु खातून, नाहिदा खातून, नूरजहाँ खातून, जुबैदा, मोसम्मत नाजमीन, रेहाना खातून, मुस्कान खातून, फरजाना खातून, गुलशन, फरदा खातून, हसीना खातून, हफिजा खातून, गुलशन खातून, आजमी खातून, फरजाना खातून, कालोश्वरी खातून, मधुबाला, सुनिता देवी और रतन कुमारी आदि शामिल हैं। इस अवसर पर मुखिया यास्मीन तब्बसुम ने कहा कि सरकार की इस योजना से गरीब परिवारों को काफी राहत मिलेगी। वारिस अंसारी ने कहा सरकार द्वारा इस तरह की योजना से लाभुकों में सरकार के प्रति भरोसा बढ़ता है। पीडीएस डीलर मो शमशाद आलम ने बताया कि सरकार से प्राप्त वस्त्रों को सभी पात्र कार्डधारियों के बीच पारदर्शिता के साथ वितरित किया गया है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लाभुक उपस्थित थे और उन्होंने सरकार की इस पहल की सराहना की।

एसपी कोठी के पास मिला अज्ञात व्यक्ति का शव, इलाके में फैली सनसनी

हजारीबाग: शहर के एसपी कोठी के समीप शनिवार को लावारिस अवस्था में एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव की अब तक पहचान नहीं हो सकी है। सूचना मिलते ही आसपास के लोग घटनास्थल पर जुट गए और मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है। घटना की सूचना मिलने पर कोर्रा थाना प्रभारी अपनी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है तथा मृतक की पहचान के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर शव की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है। शव की शिनाख्त के बाद ही मौत के कारणों और अन्य तथ्यों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा। (नोट: समाचार लिखे जाने तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी थी। पुलिस जांच जारी है।)

डीएवी के मेधावियों ने नीट 2026 परीक्षा में बिखेरा प्रतिभा का प्रकाश

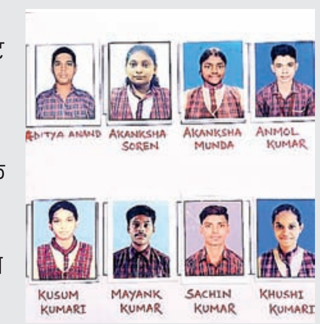

बोकारो : डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर-4, के विद्यार्थियों ने नीट (यूजी) 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। विद्यार्थियों की इस शानदार सफलता ने एक बार फिर विद्यालय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासित शैक्षणिक वातावरण तथा समर्पित शिक्षकों के मार्गदर्शन को सिद्ध किया है। इस वर्ष नीट यूजी 2026 परीक्षा में विद्यालय के 15 विद्यार्थियों ने सफलता अर्जित विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। सफल विद्यार्थियों की श्रृंखला में प्रियांशु कुमार रजक, अन्वेषां अंकी, मयंक कुमार, राहुल राज, सचिन कुमार ,शिवानी कुमारी आकांक्षा मुंडा, आकांक्षा सोरेन, आदित्य आनंद, अनमोल कुमार, आयुषी श्रेया ,कुसुम कुमारी और खुशी कुमारी विशेष रूप से उल्लेखनीय है। विद्यार्थियों के इस अप्रतिम उपलब्धि पर समस्त शिक्षक वृंद और उनके सहपाठी अत्यंत हर्षित और गर्वित है। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री एस. के. मिश्रा ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा, "नीट जैसी प्रतिष्ठित एवं चुनौतीपूर्ण परीक्षा में सफलता केवल प्रतिभा से नहीं, बल्कि निरंतर परिश्रम, अनुशासन, आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प से प्राप्त होती है। हमारे विद्यार्थियों ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और प्रयास निरंतर हों, तो सफलता निश्चित है। यह उपलब्धि विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों तथा शिक्षकों के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। मुझे विश्वास है कि हमारे विद्यार्थी चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाएँ देकर समाज और राष्ट्र का नाम गौरवान्वित करेंगे। विद्यालय परिवार ने सभी सफल विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना करते हुए उन्हें असीम बधाई और शुभकामनाएं दी।

9 अगस्त से 'हाइवा चतरा छोड़ो आंदोलन' की चेतावनी, कोयला वाहनों के खिलाफ बढ़ा जनआक्रोश

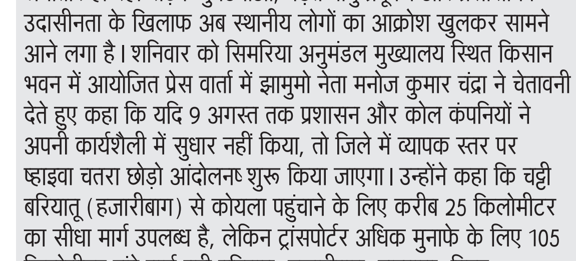

सिमरिया : एनटीपीसी और सीसीएल द्वारा संचालित कोयला वाहनों से लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं, बढ़ते वायु प्रदूषण और प्रशासनिक उदासीनता के खिलाफ अब स्थानीय लोगों का आक्रोश खुलकर सामने आने लगा है। शनिवार को सिमरिया अनुमंडल मुख्यालय स्थित किसान भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में झामुमो नेता मनोज कुमार चंद्रा ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि 9 अगस्त तक प्रशासन और कोल कंपनियों ने अपनी कार्यशैली में सुधार नहीं किया, तो जिले में व्यापक स्तर पर ष्हाइवा चतरा छोड़ो आंदोलनष शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि चट्टी बरियातू (हजारीबाग) से कोयला पहुंचाने के लिए करीब 25 किलोमीटर का सीधा मार्ग उपलब्ध है, लेकिन ट्रांसपोर्टर अधिक मुनाफे के लिए 105 किलोमीटर लंबे मार्ग चट्टी बरियातू-हजारीबाग-सुल्ताना-बिरहु-सिमरिया-धनगड़ा-मिश्रोल-सेरनदाग-टंडवा का उपयोग कर रहे हैं। इससे चतरा जिले की सड़कों पर लगातार हादसे हो रहे हैं और लोगों की जान जा रही है। मनोज चंद्रा ने कहा कि 9 अगस्त 1942 को महात्मा गांधी ने ष्भारत छोड़ो आंदोलनष का आह्वान किया था। उसी तर्ज पर 9 अगस्त 2026 से हजारीबाग से चतरा होकर पुनः हजारीबाग जाने वाले सभी भारी हाइवा वाहनों का परिचालन रोकने के लिए ष्हाइवा चतरा छोड़ो अभियानष चलाया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अब कोयला वाहनों से होने वाली किसी भी दुर्घटना की पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी।

संक्षिप्त डायरी

अब बड़े पर्दे पर गूंजेगी बज्जिका, पहली फिल्म 'बउआ' राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल में होगी पेश

पटना (एजेंसी) बज्जिका भाषा और संस्कृति को राष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाने के उद्देश्य से एडमा ग्रुप की पहली फीचर फिल्म 'बउआ' का निर्माण किया जा रहा है. 21 जुलाई को मुहूर्त के साथ शुरू होने वाली इस फिल्म में बिहार के कलाकार अभिनय करेंगे. यह फिल्म बज्जिका संस्कृति को दुनिया के सामने प्रस्तुत करेगी. बज्जिका भाषा और संस्कृति को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंच पर नई पहचान दिलाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है. एडमा ग्रुप की ओर से बज्जिका की पहली फीचर फिल्म 'बउआ' का निर्माण किया जा रहा है. फिल्म का मुहूर्त 21 जुलाई को होगा, जिसके बाद इसकी शूटिंग शुरू होगी. खास बात यह है कि फिल्म के सभी कलाकार बिहार के हैं और इसे राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सवों में भी भेजने की तैयारी है. प्रेसवार्ता में साझा की फिल्म की रूपरेखा शुक्रवार को मुजफ्फरपुर के तिलक मैदान स्थित एक होटल में आयोजित प्रेसवार्ता में फिल्म के निमार्ता सुबोध कुमार ने बताया कि 'बउआ' एक पारिवारिक फिल्म है, जिसमें समाज और परिवार की वास्तविक तस्वीर को दिखाया गया है. उन्होंने कहा कि फिल्म का मूल संदेश यह है कि यदि लोग अपने क्षेत्र को ही कर्मभूमि बनाकर समाज के लिए काम करें, तो क्षेत्र और समाज दोनों का विकास संभव है. बज्जिका भाषा को मिलेगी नई पहचान फिल्म के निर्देशक अभिकांत कुमार और रोनित रंजन ने कहा कि सिनेमा समाज का आईना होता है. 'बउआ' के माध्यम से बज्जिका भाषा, लोक संस्कृति और परंपराओं को देश-दुनिया के सामने प्रस्तुत किया जाएगा. उनका कहना था कि फिल्म केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं होगी, बल्कि अपनी सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का भी प्रयास करेगी. राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में होगी प्रस्तुति निमार्ताओं ने बताया कि फिल्म को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सवों में भेजने की योजना है. इससे बज्जिका भाषा और उत्तर बिहार की सांस्कृतिक पहचान को व्यापक मंच मिलेगा. फिल्म की कहानी स्थानीय परिवेश और सामाजिक मूल्यों पर आधारित है, जिससे दर्शक खुद को इससे जुड़ा हुआ महसूस करेंगे. बिहार के कलाकारों को मिलेगा बड़ा मंच फिल्म की शूटिंग मुहूर्त के बाद शुरू होगी. इसमें अभिनय करने वाले सभी कलाकार बिहार से हैं. प्रेसवार्ता में बसंत कुमार, विवेक, आनंद कुमार सिंह, अरुण कुमार, अमित जायसवाल, अशोक सिंह, अमोद कुमार और कलाकार सतीश सहनी सहित कई लोग मौजूद रहे.

बिहार में अब प्रोफेसर नहीं कर सकेंगे राजनीति, विश्वविद्यालयों से अलग होंगे डिग्री कॉलेज, सम्राट सरकार ला रही नया विधेयक

पटना (एजेंसी) बिहार में उच्च शिक्षा से जुड़े नियमों में बदलाव होने जा रहा है. सरकार नए विधेयक के जरिए कॉलेज शिक्षकों के राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होने पर रोक लगाने की तैयारी में है. साथ ही डिग्री कॉलेजों के संचालन और शिक्षकों की नियुक्ति व्यवस्था में भी महत्वपूर्ण बदलाव प्रस्तावित हैं. बिहार में उच्च शिक्षा व्यवस्था जल्द बदल सकती है. राज्य सरकार मानसून सत्र में नया उच्च शिक्षा विधेयक लाने की तैयारी में है. इस कानून के लागू होने के बाद डिग्री कॉलेजों और विश्वविद्यालयों की व्यवस्था अलग-अलग होगी. साथ ही शिक्षकों के लिए भी कई नए नियम लागू किए जाएंगे. शिक्षकों की राजनीति पर लगेगी रोक नए विधेयक में कॉलेज शिक्षकों के राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होने पर रोक लगाने का प्रस्ताव है.

अगर यह कानून लागू होता है तो शिक्षक किसी राजनीतिक दल या विचारधारा का सार्वजनिक समर्थन, प्रचार या लेखन नहीं कर सकेंगे.

विश्वविद्यालयों से अलग होंगे डिग्री कॉलेज सरकार का प्रस्ताव है कि राज्य के करीब 481 सरकारी डिग्री कॉलेजों को विश्वविद्यालयों के प्रशासनिक नियंत्रण से हटाकर सीधे उच्च शिक्षा विभाग के अधीन किया जाए. अभी ये कॉलेज राज्य के 12 विश्वविद्यालयों के तहत संचालित होते हैं. नया कानून लागू होने के बाद इनका संचालन, प्रशासन और अन्य फैसले सीधे विभाग करेगा.

विश्वविद्यालयों का फोकस होगा पीजी और रिसर्च नई व्यवस्था लागू होने के बाद विश्वविद्यालयों की भूमिका मुख्य रूप से स्नातकोत्तर (ढ्रू) शिक्षा और शोध तक सीमित रहेगी. वहीं स्नातक (वऋ) कॉलेजों का पूरा प्रबंधन सरकार के अधीन होगा.नियुक्ति और तबादले का अधिकार सरकार के पास प्रस्तावित कानून के अनुसार शिक्षकों की नियुक्ति, तबादला, पदोन्नति और सेवा से जुड़े फैसले अब विश्वविद्यालय नहीं, बल्कि उच्च शिक्षा विभाग करेगा. इसके लिए पटना विश्वविद्यालय अधिनियम, 1976 और बिहार राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, 1976 में भी संशोधन की तैयारी है. नियुक्ति के नियम भी बदलेंगेसरकार सहायक प्राध्यापक की नियुक्ति के नियमों में भी बदलाव करने जा रही है. प्रस्ताव के मुताबिक अब नेट (ठएळ) और पीजी डिग्री न्यूनतम योग्यता होगी. पीएचडी को अनिवार्य योग्यता से हटाने का प्रस्ताव रखा गया है. विश्वविद्यालय प्रोफेसर बनने का मौका नहीं मिलेगा नई व्यवस्था लागू होने के बाद डिग्री कॉलेजों में कार्यरत शिक्षक विश्वविद्यालय में प्रोफेसर नहीं बन सकेंगे. अभी तक अनुभव और पदोन्नति के आधार पर यह अवसर मिलता था, लेकिन नया कानून लागू होने पर यह व्यवस्था खत्म हो जाएगी. बिहार की ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें हर जिले में होगा उच्च शिक्षा पदाधिकारी सरकार हर जिले में एक उच्च शिक्षा पदाधिकारी तैनात करने की भी तैयारी कर रही है. यह अधिकारी जिले के सभी सरकारी डिग्री कॉलेजों की पढ़ाई, प्रशासन और अन्य गतिविधियों की निगरानी करेगा. छात्रों और शिक्षकों पर पड़ेगा सीधा असर अगर यह विधेयक पास हो जाता है तो बिहार की उच्च शिक्षा व्यवस्था में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा. कॉलेजों का संचालन सीधे सरकार के हाथ में होगा और शिक्षकों की नियुक्ति से लेकर प्रशासन तक की पूरी व्यवस्था नए नियमों के तहत चलेगी.

पटना नहीं, अब राजगीर इंटरनेशनल स्टेडियम में चौके-छक्के लगाएंगे बिहार के रणजी धुरंधर, 11 अक्टूबर को पहला मुकाबला

पटना (एजेंसी) बिहार क्रिकेट टीम इस रणजी ट्रॉफी सीजन में अपने तीन घरेलू मुकाबले पहली बार राजगीर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेलेगी. सरकार से अनुमति मिल चुकी है और तैयारियां शुरू हो गई हैं. रणजी ट्रॉफी 2026-27 सीजन में बिहार क्रिकेट टीम एक बार फिर एलीट ग्रुप में खेलेगी. इस बार बिहार को तीन घरेलू मुकाबलों की मेजबानी मिली है. ये सभी मैच पटना के मोइनुल हक स्टेडियम की जगह राजगीर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे. इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं. बिहार क्रिकेट एसोसिएशन (इउअ) के सचिव जियाउल आरफीन ने बताया कि राजगीर में रणजी ट्रॉफी मैच कराने के लिए बिहार सरकार से अनुमति मांगी गई थी. सरकार ने अक्टूबर से

जनवरी तक स्टेडियम के पिच और पवेलियन के उपयोग की मंजूरी दे दी है. इसी वजह से बिहार के तीनों घरेलू मुकाबले अब राजगीर में होंगे. मोइनुल हक स्टेडियम में क्यों नहीं होंगे मैच पटना के मोइनुल हक स्टेडियम को तोड़ने का काम चल रहा है. आने वाले वर्षों में यहां अंतरराष्ट्रीय मानकों वाला नया स्टेडियम बनाया जाएगा. इसी कारण इस सीजन के घरेलू मुकाबले राजगीर में शिफ्ट किए गए हैं. मैच राजगीर में होंगे, लेकिन दर्शकों को स्टेडियम में बैठकर मुकाबले देखने का मौका नहीं मिलेगा. क्योंकि स्टेडियम में दर्शक दीर्घा का निर्माण अभी पूरा नहीं हुआ है. बिहार के घरेलू मैचों का पूरा शेड्यूल बिहार का पहला घरेलू मुकाबला 11 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश के खिलाफ खेला जाएगा. दूसरा मैच 17 अक्टूबर को जम्मू-कश्मीर से होगा. तीसरा और आखिरी घरेलू मुकाबला 24 जनवरी को विदर्भ के खिलाफ खेला जाएगा. बीसीए सचिव जियाउल आरफीन ने बताया कि अगर रणजी ट्रॉफी के दौरान वैभव सूर्यवंशी भारतीय टीम के साथ अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेल रहे होंगे, तो उनके बिहार की ओर से रणजी ट्रॉफी खेलने की पूरी संभावना है. राजगीर स्टेडियम में हैं 13 आधुनिक पिचें राजगीर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में कुल 13 पिचें बनाई गई हैं. इनमें 7 पिचें पटना की काली मिट्टी से तैयार की गई हैं, जबकि 6 पिचें मुंबई की लाल मिट्टी से बनाई गई हैं. स्टेडियम का आउटफील्ड पूरी तरह सैंड-बेस्ड बनाया गया है. लाल बालू के ऊपर घास बिछाकर मैदान तैयार किया गया है. आधुनिक ड्रेनेज सिस्टम की मदद से भारी बारिश के बाद भी करीब आधे घंटे में मैदान दोबारा खेलने के लिए तैयार हो जाएगा. स्टेडियम का निर्माण आईसीसी के सभी मानकों को ध्यान में रखकर किया गया है. मैदान और पिच का पूरा काम बीसीसीआई के मुख्य क्यूरेटर की निगरानी में हो रहा है. दोनों पवेलियन एंड की बाउंड्री 72 गज और दोनों स्क्वायर साइड की बाउंड्री 84-84 गज रखी गई है. मुख्य पांचों पिचों से बाउंड्री की दूरी भी लगभग समान रखी गई है, ताकि हर पिच पर खेल की स्थिति एक जैसी रहे. बिहार की ताजा खबरों के लिए क्लिक करें नई तकनीक से तैयार हो रही हैं पिचें पहले मोइनुल हक स्टेडियम में मल्टी-लेयर विकेट तकनीक का इस्तेमाल होता था. 2022 के बाद बीसीसीआई ने इसे बदलकर टू-लेयर विकेट तकनीक लागू कर दी. नई तकनीक में सबसे नीचे 4 इंच लाल बालू की परत और उसके ऊपर 8 इंच मिट्टी बिछाई जाती है. मोइनुल हक स्टेडियम का मौजूदा आउटफील्ड मिट्टी और घास से बना है, इसलिए बारिश के बाद इसे सूखने में समय लगता है. अब इस मैदान को 6 से 10 फीट तक ऊंचा करके नए सिरे से विकसित किया जाएगा, ताकि भविष्य में यह भी आधुनिक अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम के रूप में तैयार हो सके.

बेतिया राज की 22,813 एकड़ जमीन होगी सरकारी, बिहार सरकार ने इन छह जिलों के लिए जारी की अधिसूचना

पटना (एजेंसी) बिहार सरकार ने बेतिया राज की 22,813 एकड़ जमीन को अपने अधीन लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है. राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने अधिसूचना जारी की है, जिससे छह जिलों की महत्वपूर्ण संपत्तियों का अधिग्रहण किया जाएगा. यह जमीन प्रदेश के विकास कार्यों में इस्तेमाल होगी.

बिहार सरकार ने बेतिया राज की करीब 22,813 एकड़ जमीन को अपने अधीन लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है. राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने इसके लिए अधिसूचना जारी कर दी है. नियमों के तहत सभी संबंधित संपत्तियों का विस्तृत ब्योरा भी सार्वजनिक किया गया है. छह जिलों की जमीन होगी सरकार के अधीन यह जमीन बिहार के छह जिलों में फैली हुई है. इनमें सबसे अधिक जमीन पश्चिम चंपारण में है. इसके अलावा पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, पटना, सारण और सीवान में भी बेतिया राज की जमीन

मौजूद है. दावेदारों को मिलेगा अपना पक्ष रखने का मौका यदि किसी व्यक्ति के पास बेतिया राज की जमीन से संबंधित पट्टा, बंदोबस्ती या अन्य वैध दस्तावेज हैं, तो वह संबंधित जिले में अपना दावा पेश कर सकता है. स्पेशल ऑफिसर दस्तावेजों की जांच करेंगे और नियमों के अनुसार फैसला सुनाएंगे. विकास कार्यों में होगा जमीन का इस्तेमाल राजस्व विभाग का कहना है कि बेतिया राज की संपत्तियां ऐहासिक और सार्वजनिक महत्व की हैं. सरकार इन जमीनों का उपयोग भविष्य में विभिन्न विकास कार्यों के लिए करेगी. बिहार की ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें उत्तर प्रदेश की जमीन पर भी होगी कार्रवाई विभागीय सूत्रों के मुताबिक, बेतिया राज की जमीन उत्तर प्रदेश के कई जिलों में भी है. वहां भी स्पेशल ऑफिसर की नियुक्ति की तैयारी चल रही है. संबंधित जमीनों का पूरा रिकॉर्ड जुटाया जा रहा है. संभावना है कि अगले सप्ताह इसके लिए भी अधिसूचना जारी कर दी जाएगी. इसके बाद उन जमीनों को सरकार के अधीन लेने की प्रक्रिया शुरू होगी और वहां के दावेदारों को भी अपना पक्ष रखने का अवसर मिलेगा. क्या बोले विभाग के सचिव? राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव जय सिंह ने कहा कि अधिसूचना में संबंधित अंचल, मौजा, थाना संख्या, खाता संख्या, खेसरा संख्या और रकवा का पूरा विवरण दिया गया है. यदि कोई व्यक्ति बेतिया राज या बोर्ड ऑफ रेवेन्यू से मिले पट्टे या बंदोबस्ती का दावा करता है, तो उसकी सुनवाई संबंधित जिले में की जाएगी. इसके बाद नियमों के अनुसार अंतिम निर्णय लिया जाएगा.

समस्तीपुर: ASI की संदिग्ध मौत, थाने की तीसरी मंजिल पर फंदे से लटका मिला शव

पटना (एजेंसी) मोहिउद्दीननगर थाना भवन की तीसरी मंजिल पर शनिवार सुबह डायल-112 में तैनात अरक बबलू कुमार प्रसाद का शव फंदे से लटका मिला। घटना के कारणों का अभी खुलासा नहीं हुआ है और पुलिस आत्महत्या समेत सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। मोहिउद्दीननगर थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह थाना भवन की तीसरी मंजिल पर डायल-112 में तैनात सहायक अवर निरीक्षक (अरक) बबलू कुमार प्रसाद का शव फंदे से लटका मिला. घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया. सूचना पर पटोरी एसडीपीओ वीरेंद्र कुमार मेधावी, सर्किल इंस्पेक्टर पवन कुमार और अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा जांच शुरू कर दी. पुलिस के अनुसार थाना भवन की तीसरी मंजिल पर स्थित एक खाली कमरे में एएसआई का शव फंदे से लटका मिला. साथी पुलिसकर्मियों ने सुबह शव देखकर अधिकारियों को सूचना दी. इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया

और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी. आत्महत्या समेत सभी पहलुओं पर जांच अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल मौत के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं. पुलिस आत्महत्या समेत अन्य सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की गहन जांच कर रही है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा. हाल ही में हुआ था तबादला मृतक बबलू कुमार प्रसाद पश्चिम चंपारण जिले के बगहा के रहने वाले थे और पिछले करीब ढाई वर्ष से मोहिउद्दीननगर थाना में डायल-112 पर तैनात थे. हाल ही में उनका तबादला कल्याणपुर में डायल-112 इकाई में हुआ था, लेकिन उन्होंने वहां अभी योगदान नहीं दिया था. समस्तीपुर में वह अकेले रहते थे, जबकि उनका परिवार बगहा में रहता है.

बक्सर के केसठ में सरस्वती विद्या निकेतन आदर्श विद्यालय का आज होगा शुभारंभ, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी करेंगे ऑनलाइन उद्घाटन

पटना (एजेंसी) बक्सर के केसठ प्रखंड में सरस्वती विद्या निकेतन आदर्श विद्यालय का बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा ऑनलाइन शुभारंभ किया जाएगा. विद्यालय में चयनित छात्रों का नामांकन पूरा हो चुका है और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए सभी तैयारियां की गई हैं. बक्सर जिला के केसठ प्रखंड के प्लस टू हाई स्कूल केसठ परिसर स्थित सरस्वती विद्या निकेतन आदर्श विद्यालय का रविवार को बिहार सरकार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ऑनलाइन शुभारंभ करेंगे. कार्यक्रम को लेकर विद्यालय परिसर में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं. शिक्षा विभाग के जिला एवं प्रखंड स्तरीय अधिकारी भी कार्यक्रम में शामिल होंगे. चयनित

छात्रों का हो चुका है नामांकन विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापिका भावना कुमारी ने बताया कि आदर्श विद्यालय में चयनित छात्र-छात्राओं का नामांकन पूरा कर लिया गया है. राज्य सरकार की ओर से नामांकित विद्यार्थियों को निर्धारित सभी शैक्षणिक एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ मिल सके. ऑनलाइन शुभारंभ के साथ शुरू होगी शैक्षणिक गतिविधियां प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री के ऑनलाइन शुभारंभ के साथ विद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों की औपचारिक शुरूआत होगी. इस अवसर पर शिक्षा विभाग के अधिकारी, शिक्षक, जनप्रतिनिधि तथा अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहेंगे. कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी विद्यालय प्रशासन ने बताया कि उद्घाटन समारोह को सफल बनाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं. कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर परिसर में व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे दिया गया है.

मार्केट में शाही लीची अब लंबे समय तक मिलेगी, मोतीपुर मेगा फूड पार्क में बनने जा रहा स्पेशल पैक हाउस

पटना (एजेंसी) उत्तर बिहार के किसानों के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है. मोतीपुर मेगा फूड पार्क को आधुनिक एग्रो प्रोसेसिंग हब बनाने का काम तेज हो गया है. शाही लीची को भी लंबे समय तक ताजा बनाए रखने के लिए स्पेशल पैक हाउस तैयार होने वाला है. उत्तर बिहार के किसानों के लिए बड़ी खुशखबरी है. मुजफ्फरपुर के मोतीपुर औद्योगिक क्षेत्र स्थित बियाडा मेगा फूड पार्क को अत्याधुनिक एग्रो प्रोसेसिंग हब बनाने की दिशा में काम तेज हो गया है. बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण (बियाडा) ने फूड पार्क के कोर प्रोसेसिंग सेंटर में आधुनिक प्लांट, मशीनों की सप्लाई, इंस्टॉलेशन, कमीशनिंग और टेस्टिंग के लिए टेंडर जारी कर दिया है. परियोजना पूरी होने के बाद किसानों को फसल के भंडारण, प्रोसेसिंग और मार्केटिंग के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं मिलेंगी. मुजफ्फरपुर की

विश्व प्रसिद्ध शाही लीची को लंबे समय तक ताजा रखने और निर्यात बढ़ाने के लिए मेगा फूड पार्क में विशेष पैक हाउस विकसित किया जाएगा. यहां प्रतिदिन 6-6 मीट्रिक टन क्षमता के दो प्री-कूलर लगाए जाएंगे. इसके अलावा 50 मीट्रिक टन क्षमता का आधुनिक कोल्ड स्टोर भी बनाया जाएगा, जिससे लीची की गुणवत्ता लंबे समय तक बरकरार रहेगी और उसे देश-विदेश के बाजारों तक आसानी से पहुंचाया जा सकेगा. किसानों को मिलेगा आधुनिक भंडारण का लाभ मोतीपुर-साहेबगंज स्टेट हाईवे पर स्थित मेगा फूड पार्क में बड़े पैमाने पर स्टोरेज इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जाएगा. योजना के तहत 5,000 मीट्रिक टन क्षमता का प्याज कोल्ड स्टोर और 5,000 मीट्रिक टन क्षमता का आलू कोल्ड स्टोर बनाया जाएगा. इन आधुनिक कोल्ड स्टोरेज से किसानों को अपनी उपज सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी और उन्हें बेहतर कीमत मिलने की संभावना बढ़ेगी. उत्तर बिहार के प्रमुख फल केले की गुणवत्ता सुधारने के लिए फूड पार्क में आधुनिक बनाना राइपनिंग सिस्टम लगाया जाएगा. इसके तहत 20-20 मीट्रिक टन क्षमता वाले कुल 20 बनाना राइपनिंग चैंबर स्थापित किए जाएंगे. इन चैंबरों में वैज्ञानिक तरीके से केले पकाए जाएंगे, जिससे फल की गुणवत्ता बेहतर होगी और बाजार में उसकी मांग भी बढ़ेगी. किसान और उद्योग दोनों को होगा फायदा मेगा फूड पार्क के आधुनिक बनने से मुजफ्फरपुर के साथ वैशाली, समस्तीपुर, पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, सीतामढ़ी और आसपास के जिलों के किसानों को सीधा लाभ मिलेगा. फसलों के सुरक्षित भंडारण, प्रोसेसिंग और वैल्यू एडिशन से किसानों की आय बढ़ने की उम्मीद है. वहीं, फूड प्रोसेसिंग उद्योगों को भी बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर मिलने से रोजगार और निवेश के नए अवसर पैदा होंगे.

बच्चें को बार-बार पेट दर्द हो तो हो जाएं सतर्क, ये हो सकता है इस गंभीर बीमारी का संकेत

अगर आपका बच्चा बार-बार पेट दर्द की शिकायत करता है तो इसे सिर्फ गैस या अपच समझकर नजरअंदाज न करें। यह एपेंडिक्स की बीमारी यानी एपेंडिसाइटिस भी हो सकती है। जी हां, यह बीमारी सिर्फ बड़ों को ही नहीं, बल्कि बच्चों को भी हो सकती है और अगर समय पर ध्यान न दिया जाए तो ये जानलेवा भी बन सकती है। इसलिए जरूरी है कि आप इस बीमारी के लक्षणों को समय रहते पहचानें ताकि सही समय पर डॉक्टर की मदद ली जा सके और बच्चा सुरक्षित रहे।

क्या होता है एपेंडिक्स और कैसे होती है ये बीमारी?

एपेंडिक्स एक छोटी थैली जैसी अंग होती है जो हमारे पेट में बड़ी आंत से जुड़ी होती है। जब इसमें सूजन आ जाती है तो उसे एपेंडिसाइटिस कहा जाता है। सूजन के पीछे कारण हो सकते हैं जैसे –

आंत में मल का जमा हो जाना

किसी तरह का संक्रमण

या फिर कोई रुकावट

जब एपेंडिक्स में सूजन आ जाती है, तो उसमें तेज दर्द होता है और दूसरी परेशानियां भी शुरू हो जाती हैं।

बच्चों में एपेंडिसाइटिस कितनी आम है?

एपेंडिसाइटिस किसी भी उम्र के व्यक्ति को हो सकती है लेकिन 5 साल से बड़े बच्चों में यह बीमारी ज्यादा देखी जाती है। हालांकि, 1 से 3 साल के छोटे बच्चों यानी टॉडलर्स में भी यह बीमारी हो सकती है। छोटे बच्चों की सबसे बड़ी परेशानी यह होती है कि वे अपने दर्द और लक्षण ठीक से बता नहीं पाते जिससे बीमारी की पहचान में देर हो जाती है।

बच्चों में एपेंडिसाइटिस के लक्षण

बच्चों में एपेंडिसाइटिस के कुछ खास लक्षण इस प्रकार हैं :

पेट के निचले दाएं हिस्से में बार-बार या लगातार दर्द

हल्का या तेज बुखार

उल्टी या मतली आना

भूख कम हो जाना या खाना खाने से मना करना

पेट फूला हुआ लगना

बच्चा बहुत चिड़चिड़ा हो जाना

बिना वजह थकान महसूस करना

इन लक्षणों में से अगर एक या एक से ज्यादा दिखाई दें, तो तुरंत डॉक्टर से मिलें।

क्यों है समय पर इलाज जरूरी?

अगर समय रहते इलाज नहीं किया गया, तो एपेंडिक्स फट सकता है, जिससे पेट के अंदर गंभीर संक्रमण (पेरीटोनाइटिस) हो सकता है। यह स्थिति जानलेवा बन सकती है। खासकर 5 साल से छोटे बच्चों में यह खतरा बहुत अधिक होता है क्योंकि लक्षण जल्दी बढ़ते हैं।

डॉक्टर कैसे करते हैं जांच?

एपेंडिसाइटिस का पता लगाने के लिए डॉक्टर निम्नलिखित जांच करते हैं शारीरिक जांच, खून की जांच (इंफेक्शन देखने के लिए), अल्ट्रासाउंड। कुछ मामलों में सीटी स्कैन, हालांकि छोटे बच्चों में इसका इस्तेमाल कम किया जाता है, क्योंकि इससे रेडिएशन का खतरा होता है। सबसे जरूरी है कि किसी अनुभवी पीडियाट्रिक सर्जन द्वारा बच्चे की जांच की जाए।

बच्चे को बनाना है तेज और समझदार तो पेरेंट्स आज से अपनाएं ये 5 आदतें

हर माता-पिता का सपना होता है कि उनका बच्चा पढ़ाई में अच्छा करे, आत्मविश्वासी हो, समझदार बने और जीवन में आने वाली हर चुनौती का सामना पूरे फोकस और समझदारी से करे। बच्चों का दिमाग जितना तेज और समझदार होता है, वे उतनी जल्दी चीजें समझ पाते हैं, सही फैसले ले पाते हैं और खुद को अच्छे से दूसरों के सामने रख पाते हैं। बच्चों के ब्रेन डेवलपमेंट को बेहतर बनाने के लिए 5 जरूरी आदतों के बारे में बताया है, जिन्हें हर पैरेंट को अपने बच्चे की परवरिश में शामिल करना चाहिए। आइए इन बातों पर एक-एक करके नजर डालते हैं।

घर का माहौल रखें पॉजिटिव और शांत

बच्चे जिस माहौल में पलते हैं, उनका दिमाग उसी के अनुसार बनता और बढ़ता है। अगर घर का माहौल शांति और प्यार से भरा होगा तो बच्चा भी मानसिक रूप से मजबूत और खुशहाल बनेगा। मम्मी-पापा और बच्चों के बीच एक गहरा जुड़ाव (बॉन्ड) होना बहुत जरूरी है। इसके लिए जरूरी है कि पूरा परिवार रोज थोड़ा समय एक-दूसरे के साथ बिताए। चाहे वो साथ में खाना खाना हो, कोई मस्ती भरा गेम खेलना हो, एक साथ गाना गाना या डांस करना हो, पिलो फाइट या पकड़म पकड़ाई जैसा कोई खेल हो। ये सभी छोटी-छोटी चीजें बच्चों के मानसिक विकास में बड़ा रोल निभाती हैं।

बच्चों को दें फ्री प्ले टाइम

दूसरी सबसे जरूरी चीज है बच्चों को खुलकर खेलने का समय देना। हर बच्चे को रोज शाम को कम से कम 1 घंटा बाहर खुले मैदान में खेलने का मौका जरूर मिलना चाहिए। बच्चा अगर दौड़ता है, कूदता है, चढ़ता है या फिजिकल एक्टिविटीज करता है तो इससे उसका नर्वस सिस्टम मजबूत होता है जो दिमाग के विकास में बहुत मदद करता है। इसके अलावा, यह खेलने का समय बच्चे की क्रिएटिव सोच, आत्मविश्वास और सोशल स्किल्स को भी बढ़ाता है।

बच्चों का न्यूट्रिशन रखें बैलेंस्ड

बच्चों के खाने-पीने का खास ध्यान रखा जाए। घर का बना ताजा खाना ही सबसे अच्छा होता है। बच्चों को प्रोसेस्ड, पैकेज्ड या बाहर का फास्ट फूड बिल्कुल न दें। फल, सब्जियां, दाल, रोटी, दूध, नट्स और देसी खाना बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए जरूरी होता है। सही पोषण ना सिर्फ शरीर को ताकत देता है, बल्कि दिमाग को भी एक्टिव और फोकस्ड बनाए रखता है।

रूटीन ना करें गड़बड़

एक और बहुत जरूरी बात जो अक्सर पैरेंट्स नजरअंदाज कर देते हैं – बच्चे का स्लीप रूटीन। अगर बच्चा कभी 12 बजे, कभी 1 बजे और कभी 2 बजे सोता है, तो ये बदलाव उसके दिमाग के लिए झटके की तरह होते हैं। बच्चे का हर दिन एक तय समय पर सोना और एक तय समय पर उठना बहुत जरूरी है। सही रूटीन से बच्चे को नींद भरपूर मिलती है और उसका दिमाग फ्रेश और एक्टिव रहता है। रूटीन गड़बड़ होने से बच्चा चिड़चिड़ा, थका हुआ और कम ध्यान देने वाला बन सकता है। इसलिए पेरेंट्स को चाहिए कि सोने और खाने का रूटीन बच्चे के लिए पहले दिन से ही तय करें और उसे लगातार फॉलो कराएं।

पैरेंट्स खुद इन बातों को लें सीरियसली

अगर आप ऊपर बताई गई 5 आदतों को नजरअंदाज करते हैं, तो उसका सीधा असर आपके बच्चे के व्यवहार पर पड़ सकता है। ऐसा बच्चा बार-बार चिड़चिड़ा हो सकता है, जरूरत से ज्यादा जिद या टैंट्रम दिखा सकता है, पढ़ाई या एक्टिविटीज में फोकस नहीं कर पाएगा। इसलिए जरूरी है कि माता-पिता इन बातों को हल्के में न लें और बच्चों के ब्रेन डेवलपमेंट के लिए इन सभी बातों को अपनी डेली रूटीन का हिस्सा बनाएं।

बच्चों का दिमाग एक स्पंज की तरह होता है जितना अच्छा आप उसमें भरेंगे, उतना अच्छा वो आगे जाकर करेगा। अगर आप ये 5 आसान बातें अपने रोजमर्रा में शामिल कर लें, तो आपका बच्चा न सिर्फ पढ़ाई में, बल्कि पूरी जिंदगी में शानदार प्रदर्शन करेगा।

बरसाती मौसम में हो गया है आई फ्लू तो ये गलती ना कर बैठें, खासकर बच्चे के साथ...

बरसाती मौसम (मानसून) में आंखों में संक्रमण, लालगी और सूजन की समस्या आम हो जाती है। इस मौसम में बैक्टीरिया, वायरस और फंगल इंफेक्शन तेजी से फैलते हैं, जिससे कंजंक्टिवाइटिस (आंख आना), जिसे आम भाषा में आई फ्लू या पिंक फ्लू भी कहा जाता है। स्टाई (आंख पर फुंसी), एलर्जी और ड्राई आई सिंड्रोम जैसी समस्याएं हो सकती हैं। चलिए आपको आंखों को संक्रमण, लालगी और सूजन से बचाने के कुछ कारगर उपाय बताते हैं।

बरसात में आंखों को इंफेक्शन, लालगी और सूजन से बचाने के उपाय

आंखों को बार-बार छूने से बचें : गंदे हाथों से आंखों को छूने या मलने से बैक्टीरिया और वायरस आंखों में चले जाते हैं। आंखों को छूने से पहले हाथों को अच्छी तरह साबुन से धोएं।

गंदे पानी और बारिश के पानी से आंखों को बचाएं : बारिश में भीगने से बचें, खासकर जब पानी आंखों में जाने की संभावना हो। सड़क का गंदा पानी आंखों में न जाने दें।

साफ तौलिया और रूमाल का इस्तेमाल करें : आंख पोंछने के लिए हमेशा साफ और अलग रूमाल/तौलिया इस्तेमाल करें। परिवार में किसी को आंख का इंफेक्शन है तो उनके तौलिया, चश्मा न साझा करें।

आंखों में पानी से धोते रहें : दिन में 2-3 बार ठंडे पानी से आंखें धोएं, इससे धूल-मिट्टी और बैक्टीरिया निकल जाते हैं। गुलाब जल में कॉटन भिगोकर आंखों पर रखना भी राहत देगा।

आंखों में मेकअप प्रोडक्ट्स का सीमित इस्तेमाल करें : बरसात में आई-लाइनर, काजल आदि का ज्यादा प्रयोग न करें क्योंकि पसीना और नमी से इंफेक्शन का खतरा बढ़ता है। यदि इस्तेमाल करें तो ब्रांडेड और हाइजीनिक प्रोडक्ट ही लें।

आंखों को बार-बार रगड़ें नहीं : यदि आंखों में जलन, खुजली या पानी आ रहा हो तो डॉक्टर से परामर्श लें। रगड़ने से स्थिति और बिगड़ सकती है।

आंखों को आराम दें : मोबाइल, लैपटॉप पर ज्यादा समय न बिताएं। हर 20 मिनट में 20 सेकंड के लिए आंखें बंद करके आराम दें।

आंखों के चश्मे और कॉन्टैक्ट लेंस की सफाई पर ध्यान दें : चश्मे को दिन में 2-3 बार साफ करें। कॉन्टैक्ट लेंस को सही तरह स्टरलाइज करके ही पहनें और गंदे हाथों से न छुएं।

डॉक्टरी सलाह कब लें?

आंखों में लगातार पानी आना, जलन या सूजन बढ़ना।

पीला या हरा मवाद निकलना।

नजर धुंधली हो जाना।

तेज सिरदर्द या बुखार के साथ आंखों में परेशानी होना।

घरेलू उपाय जो मदद करेंगे (सावधानी के साथ करें)

गुलाब जल और ठंडी पट्टियां से आंखों पर सेक करें।

त्रिफला जल से आंखों को धोना भी लाभकारी है (डॉक्टर से परामर्श के बाद)।

एलोवेरा जेल का इस्तेमाल आंखों के आस-पास हल्के से कर सकते हैं (आंखों के अंदर न जाए)।

ये लोग विशेष सावधानी बरतें

आंखों से जुड़ा कोई भी आई ड्रॉप बिना डॉक्टरी सलाह के ना डालें। खासकर बच्चों की आंखों में ऐसी कोई दवा इस्तेमाल ना करें जो डॉक्टरी सलाह के अनुसार ना हो।

बच्चों और बुजुर्गों की आंखों की देखभाल पर विशेष ध्यान दें।

मानसून में आंखों का इंफेक्शन जल्दी फैलता है, इसलिए यदि किसी को कंजंक्टिवाइटिस है तो उनसे दूरी बनाए रखें।

बच्चों में डायरिया को न करें नजरअंदाज, समय पर करे ये जरूरी इलाज

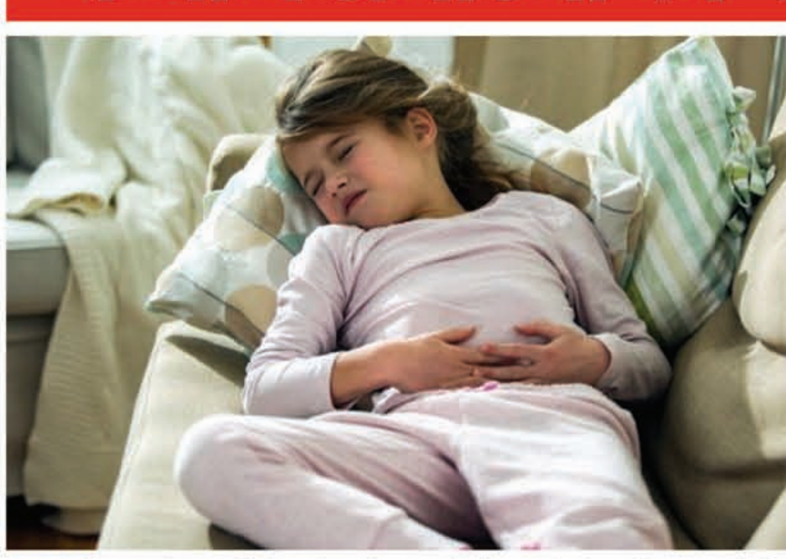

डायरिया, यानी दस्त की परेशानी, बच्चों में बहुत आम होती है खासकर गर्मी और बरसात के मौसम में। जब किसी बच्चे को बार-बार ढीला, पानी जैसा मल होने लगे तो यह डायरिया होता है। यह तब खतरनाक बन जाता है जब शरीर में पानी और जरूरी मिनरल्स की कमी होने लगे जिसे डिहाइड्रेशन कहा जाता है। बच्चों का शरीर छोटा होता है इसलिए पानी की कमी बहुत जल्दी हो सकती है। यही कारण है कि डायरिया को कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए। यह किसी अन्य बीमारी या संक्रमण का संकेत भी हो सकता है।

कब चिंता की बात होती है?

कभी-कभी हल्का डायरिया सामान्य होता है, जैसे कि जब बच्चा नई चीजें खाता है या मौसम बदलता है। लेकिन अगर बच्चा दिन में 3-4 बार से ज्यादा पतले दस्त कर रहा है, तो यह चिंता का कारण बन सकता है।

डायरिया के सामान्य कारण :

गंदा खाना या पानी

हाथ साफ न होना

बोतल या बर्तन साफ न होना

संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आना

खुले में शौच जाना

गंदे खिलौने या चीजें मुंह में डालना

दूध न पच पाना भी हो सकता है कारण

कई छोटे बच्चों को लैक्टोज इन्टॉलरेंस होता है यानी वे दूध ठीक से नहीं पचा पाते। इससे भी डायरिया हो सकता है। इसके अलावा, कभी-कभी नई चीज खाने पर या ज्यादा एंटीबायोटिक दवाएं लेने पर भी दस्त हो सकते हैं। बच्चों की इम्युनिटी कमजोर होती है, इसलिए वे जल्दी बीमार पड़ सकते हैं।

डायरिया होने पर सबसे ज़रूरी है – पानी और नमक की पूर्ति

जब बच्चा डायरिया से पीड़ित होता है तो उसके शरीर से बहुत सारा पानी, नमक और जरूरी तत्व (इलेक्ट्रोलाइट्स) बाहर निकल जाते हैं। इस स्थिति में सबसे जरूरी है कि बच्चे को ओआरएस (ह्रऋ्) का घोल पिलाया जाए। हर बार दस्त के बाद ह्रऋ् देना चाहिए, ताकि शरीर में पानी और नमक की कमी न हो। छोटे बच्चों को माँ का दूध जरूर देते रहें, क्योंकि यह पोषण भी देता है और डिहाइड्रेशन से भी बचाता है।

क्या खाना दें?

बच्चे को हल्का और आसानी से पचने वाला खाना देना चाहिए, जैसे :

खिचड़ी

दाल-चावल

केला

सेब की चटनी

दही

भारी, तली-भुनी चीजें या दूध जैसी चीजों से परहेज करें।

अगर बच्चा खाना नहीं चाहता तब भी उसे थोड़ा-थोड़ा खाते रहने को कहें। साथ में खूब सारा साफ पानी, नारियल पानी या नींबू पानी पिलाएं।

साफ-सफाई है सबसे जरूरी

डायरिया से बचाव के लिए साफ-सफाई का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

बच्चों को खाने से पहले और टॉयलेट के बाद हाथ धोने की आदत डालें

बोतल, बर्तन और खिलौने रोज साफ करें

साफ और उबला हुआ पानी पिलाएं

बाहर का खाना देने से बचें

खुले में खेलने के बाद भी हाथ जरूर धुलवाएं। साफ-सफाई और सतर्कता से डायरिया से बचा जा सकता है।

नवजात और छोटे बच्चों में डायरिया – ज्यादा खतरा

अगर बच्चा 6 महीने से छोटा है, और उसे दस्त हो जाएं, तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। इतने छोटे बच्चों में डिहाइड्रेशन बहुत जल्दी हो सकता है और उनका शरीर इसे सह नहीं पाता। समय पर इलाज न मिलने से कमजोरी, वजन कम होना, कुपोषण जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए अगर बच्चे को 24 घंटे से ज्यादा दस्त हों, तो देरी न करें।

कब डॉक्टर से तुरंत मिलना चाहिए?

अगर बच्चा बहुत सुस्त हो जाए, आंखें धंसी हुई लगें, पेशाब कम आए, बार-बार उल्टी हो, खून के साथ दस्त हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। डिहाइड्रेशन बढ़ने पर बच्चे को अस्पताल में भर्ती भी करना पड़ सकता है। डायरिया को नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है, खासकर छोटे बच्चों में। सही समय पर ओआरएस देना, हल्का खाना, साफ पानी और साफ-सफाई से न केवल इलाज किया जा सकता है, बल्कि इसे रोका भी जा सकता है। सावधानी और सही देखभाल से आपका बच्चा जल्दी ठीक हो सकता है।

विश्व कप का फाइनल खेलना हमारा सपना इतिहास रचना चाहती है टीम : सलीमा टेटे

एजेंसी

नई दिल्ली : भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने कहा है कि एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप 2026 में टीम का लक्ष्य सिर्फ अच्छा प्रदर्शन करना नहीं, बल्कि फाइनल तक पहुंचकर इतिहास रचना है। उन्होंने कहा कि एफआईएच नेशंस कप का खिताब जीतने के बाद टीम का आत्मविश्वास काफी बढ़ा है और सभी खिलाड़ी दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों को चुनौती देने के लिए तैयार हैं। 15 से 30 अगस्त तक बेल्जियम और नीदरलैंड में आयोजित होने वाले महिला हॉकी विश्व कप में भारत को पूल-डी में चीन, दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के साथ रखा गया है। भारत अपने अभियान की शुरूआत 16 अगस्त को चीन के खिलाफ करेगा। विश्व कप में पहली बार भारतीय टीम की कप्तानी करने जा रही सलीमा ने हॉकी इंडिया को दिए एक साक्षात्कार में कहा, यह मेरे लिए बेहद खास एहसास है। मैं उत्साहित भी हूं और थोड़ी घबराहट भी है, क्योंकि हॉकी का यह सबसे बड़ा टूनार्मेंट है और भारत की कप्तानी करना बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। हर खिलाड़ी विश्व कप खेलने का सपना देखता है और मुझे टीम की कप्तानी का मौका मिला है, जिससे यह और भी खास हो गया है। उन्होंने आगे कहा, पिछले विश्व कप में हमने अच्छा हॉकी खेला था, लेकिन नतीजे हमारे पक्ष में नहीं रहे। इस बार हम सभी फाइनल तक पहुंचने और उससे भी आगे जाने की बात कर रहे हैं। यही हमारा साझा सपना है। मेरी पहली जिम्मेदारी अच्छा प्रदर्शन करना है, ताकि अपने खेल से टीम का नेतृत्व कर सकूं। साथ ही मैं खासकर युवा खिलाड़ियों की हर संभव मदद करना चाहती हूं। युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के संतुलन पर सलीमा ने कहा, इस टीम की सबसे बड़ी ताकत आपसी संवाद है। युवा खिलाड़ी वरिष्ठ खिलाड़ियों से सलाह लेने में कभी संकोच नहीं करते और अनुभवी खिलाड़ी भी हमेशा उनका मार्गदर्शन करने के लिए तैयार रहते हैं। उन्होंने कहा, मैं चाहती हूं कि हर खिलाड़ी खुलकर अपनी बात रखे। हमें एक-दूसरे को सुनना, सीखना और एकजुट रहना होगा।

विश्व कप जैसे बड़े टूनार्मेंट में टीम के बीच मजबूत तालमेल बेहद जरूरी होता है। जब हम एक-दूसरे पर भरोसा करते हैं और अच्छी तरह संवाद करते हैं, तो दबाव का सामना करना आसान हो जाता है। दबाव को चुनौती की तरह लेना होगा विश्व कप की चुनौती पर सलीमा ने कहा, हर विश्व कप अलग होता है क्योंकि यहां दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों का सामना करना पड़ता है। हमारे पूल में भी मजबूत टीमें हैं और हर मैच में हमें अपना सर्वश्रेष्ठ देना होगा। उन्होंने कहा, हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती दबाव को बोझ नहीं, बल्कि सकारात्मक रूप से स्वीकार करना है। हमने अच्छी तैयारी की है। अब जरूरत खुद पर भरोसा रखने और अपनी रणनीति पर अमल करने की है। यदि हम मानसिक रूप से मजबूत रहे और एक-दूसरे का साथ दिया, तो हर चुनौती का सामना कर सकते हैं। पहले मैच में चीन से भिड़ंत पर सलीमा ने कहा, ₹हम इस चुनौती के लिए तैयार हैं। पिछली बार क्या हुआ था, यह अलग बात है। यह नया टूर्नामेंट है और हमारे पास खुद को साबित करने का नया मौका है।

पी. वी. सिंधु जापान ओपन 2026 के फाइनल में चेन यूफेई चोट के कारण सेमीफाइनल से हटीं

एजेंसी

टोक्यो : भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पी. वी. सिंधु ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान ओपन 2026 के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल में चीन की विश्व नंबर-4 चेन यूफेई चोट के कारण मुकाबला बीच में ही छोड़ने पर मजबूर हो गईं, जिससे सिंधु को विजेता घोषित किया गया। मुकाबले के दौरान सिंधु पहले गेम को 21-19 से जीत चुकी थीं और दूसरे गेम में 15-10 से आगे चल रही थीं। इसी दौरान चेन यूफेई हैमस्ट्रिंग की चोट से परेशान दिखीं और मैच से हटने का फैसला किया। सिंधु ने मुकाबले की शुरूआत आक्रामक अंदाज में की और पहले गेम के मध्य तक चार अंकों की बढ़त बना ली। हालांकि, पूर्व ओलंपिक चैंपियन चेन यूफेई ने शानदार वापसी करते हुए स्कोर 19-19 से बराबर कर दिया। दबाव के बावजूद सिंधु ने संयम बनाए रखा और पहला गेम 21-19 से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में भी सिंधु ने शुरूआत से ही मैच पर नियंत्रण बनाए रखा। उन्होंने 15-10 की मजबूत बढ़त हासिल कर ली थी, तभी चेन यूफेई ने चोट के कारण मुकाबला छोड़ दिया और सिंधु फाइनल में पहुंच गईं। इस जीत के साथ 31 वर्षीय सिंधु का शानदार फॉर्म जारी है। वर्ष 2026 की शुरूआत उन्होंने विश्व रैंकिंग में 18वें स्थान से की थी, लेकिन लगातार अच्छे प्रदर्शन के दम पर वह शीर्ष-10 में वापसी करते हुए अब विश्व नंबर-9 बन चुकी हैं। जापान ओपन के खिताबी मुकाबले में सिंधु का सामना जापान की अकाने यामागुची और इंडोनेशिया की पुत्री कुसुमा वारदानी के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता से होगा। भारत की स्टार शटलर अब लंबे समय बाद सुपर 750 खिताब जीतने के इरादे से फाइनल में उतरेंगी।

ब्रायन लारा ने सर गारफील्ड सोबर्स को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

एजेंसी

नई दिल्ली : वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान ब्रायन लारा ने महान क्रिकेटर सर गारफील्ड सोबर्स के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए उन्हें वेस्टइंडीज का ₹सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी₹ बताया। लारा ने कहा कि सोबर्स की विरासत को कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। इंस्टाग्राम पर साझा किए गए अपने संदेश में लारा ने लिखा, ₹हमारे सबसे महान खिलाड़ी हमें छोड़कर चले गए। उनके परिवार के हर सदस्य के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं, जिन्होंने हर मुश्किल समय में उनका साथ दिया और उन्हें वह ताकत दी, जिसकी उन्हें सबसे अधिक जरूरत थी। मैं प्रार्थना करता हूं कि इस बेहद कठिन समय में उनके परिवार को शांति और संबल मिले। शांतिपूर्वक विश्राम करें, महान खिलाड़ी। आपकी विरासत को कभी भुलाया नहीं जाएगा। सर गारफील्ड सोबर्स ने 1954 से 1974 के बीच वेस्टइंडीज के लिए 93 टेस्ट मैच खेले। इस दौरान उन्होंने 57.78 की औसत से 8,032 रन बनाए, जिसमें 26 शतक शामिल रहे। गेंदबाजी में भी उन्होंने 235 विकेट अपने नाम किए। बाएं हाथ के शानदार बल्लेबाज होने के साथ-साथ सोबर्स तेज गेंदबाजी, बाएं हाथ की ऑर्थोडॉक्स स्पिन और चिनामैन स्पिन, तीनों में माहिर थे। इसके अलावा उनकी फील्डिंग भी असाधारण थी, जिसके कारण उन्हें क्रिकेट इतिहास के सबसे संपूर्ण खिलाड़ियों में गिना जाता है।

यूथ हॉकी5एस एशियाई चैंपियनशिप के लिए भारतीय पुरुष और महिला टीमें मस्कट रवाना

एजेंसी

नई दिल्ली : भारत की पुरुष और महिला यूथ हॉकी5एस टीमें शनिवार को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से ओमान के मस्कट के लिए रवाना हो गईं। दोनों टीमें 20 से 25 जुलाई तक आयोजित होने वाली पहली यूथ हॉकी5एस एशियाई चैंपियनशिप 2026 में हिस्सा लेंगी। यह टूर्नामेंट एशिया की उभरती हुई प्रतिभाओं के लिए एक बड़ा मंच होगा। साथ ही, यह प्रतियोगिता पहली एफआईएच अंडर-18 यूथ हॉकी5एस विश्व कप के लिए एशियाई क्वालीफायर भी है। पूर्व भारतीय कप्तान सरदार सिंह के मार्गदर्शन में खेल रही भारतीय पुरुष टीम को एलीट पूल में मेजबान ओमान, पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ रखा गया है। भारतीय महिला टीम की कोच रानी हैं। महिला टीम को एलीट पूल में चीन, कजाकिस्तान और उज्बेकिस्तान के साथ रखा गया है। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरूआत 20 जुलाई से करेगी। पहले दिन पुरुष टीम का सामना बांग्लादेश से होगा, जबकि महिला टीम कजाकिस्तान के खिलाफ अपने अभियान का आगाज करेगी। भारतीय हॉकी महासंघ को उम्मीद है कि दोनों टीमें इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में दमदार प्रदर्शन करते हुए एफआईएच अंडर-18 यूथ हॉकी5एस विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में सफल रहेंगी।

वेस्टइंडीज के मौजूदा कप्तानों ने सोबर्स को दी श्रद्धांजलि कहा- उनकी विरासत पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी

एजेंसी

नई दिल्ली : वेस्टइंडीज क्रिकेट के मौजूदा कप्तानों रोस्टन चेज (टेस्ट), शाई होप (टी20 और वनडे) और हेले मैथ्यूज (महिला टीम) ने महान क्रिकेटर सर गारफील्ड (सर गैरी) सोबर्स के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी प्रतिभा, विनम्रता और खेल के प्रति समर्पण ने ऐसा मानदंड स्थापित किया है, जो आने वाली पीढ़ियों के खिलाड़ियों को हमेशा प्रेरित करता रहेगा। क्रिकेट वेस्टइंडीज द्वारा इंस्टाग्राम पर साझा किए गए संयुक्त बयान में कप्तानों ने कहा, वेस्टइंडीज क्रिकेट की कप्तानी करते हुए हम उस जिम्मेदारी को समझते हैं, जो उन महान खिलाड़ियों की विरासत को आगे बढ़ाने के साथ आती है जिन्होंने इस गौरवशाली इतिहास की नींव रखी। सर गैरी की प्रतिभा, उनकी विनम्रता और खेल के प्रति समर्पण ने ऐसा मानक स्थापित किया है, जो हर नई पीढ़ी का मार्गदर्शन करता रहेगा। उन्होंने आगे कहा, हम उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं। हम ऐसे महान व्यक्तित्व के जीवन का सम्मान करते हैं, जिन्होंने सीमाओं से परे जाकर अपनी पहचान बनाई। उनकी विरासत क्रिकेट के इतिहास, कैरेबियाई भावना और इस खेल से प्रेम करने वाले हर व्यक्ति के दिलों में हमेशा जीवित रहेगी। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने एक अन्य इंस्टाग्राम पोस्ट में सर गारफील्ड सोबर्स को श्रद्धांजलि देते हुए एक भावुक वीडियो साझा किया। पोस्ट के साथ लिखा गया, ₹उस महान खिलाड़ी को श्रद्धांजलि, जिसने हम सभी को प्रेरित किया। शांति से विश्राम करें, सर गैरी। वेस्टइंडीज के महानतम खिलाड़ियों में शुमार सर गारफील्ड सोबर्स का 17 जुलाई 2026 को 89 वर्ष की आयु में बारबाडोस के सेंट माइकल स्थित उनके आवास पर निधन हो गया। उनके बेटे डैनियल सोबर्स के अनुसार, उन्होंने शांतिपूर्वक अंतिम सांस ली। वह पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे और सांस लेने में तकलीफ बढ़ने के कारण उन्हें ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया था। सर गारफील्ड सोबर्स ने 1954 से 1974 के बीच वेस्टइंडीज के लिए 93 टेस्ट मैच खेले। इस दौरान उन्होंने 57.78 की औसत से 8,032 रन बनाए, जिसमें 26 शतक शामिल हैं।

फीफा विश्व कप फाइनल से पहले मेसी ने की यामल की तारीफ, कहा- वह कुछ ऐतिहासिक कर सकता है

एजेंसी

न्यूयॉर्क : फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल से पहले अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने स्पेन के युवा स्टार लामिन यामल की खुलकर सराहना की। मेसी ने कहा कि यामल एक असाधारण खिलाड़ी हैं और भविष्य में इतिहास रचने की क्षमता रखते हैं। हालांकि उन्होंने मुस्कुराते हुए यह भी कहा कि फाइनल में वह ऐसा नहीं होने देना चाहेंगे। फाइनल की पूर्व संध्या पर फीफा ने न्यूयॉर्क के हडसन नदी के किनारे स्थित जैविट्स सेंटर में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में मेसी, अर्जेंटीना के मुख्य कोच लियोनेल स्कालोनी, गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज, स्पेन के मुख्य कोच लुइस डे ला फुएंते और कप्तान रोड्री ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का संचालन इंग्लैंड के पूर्व फुटबॉलर रियो फर्डिनेंड और हास्य कलाकार केविन हार्ट ने किया, जबकि टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच, एनएफएल दिग्गज टॉम ब्रैडी और एनबीए स्टार केविन ड्यूरेंट ने खिलाड़ियों से बातचीत की। कार्यक्रम के दौरान टॉम ब्रैडी ने वह चर्चित तस्वीर याद दिलाई, जिसमें 20 वर्षीय मेसी एक चैरिटी फोटोशूट के दौरान बच्चे लामिन यामल को नहलाते हुए दिखाई दिए थे। इस पर मेसी ने कहा, लामिन वास्तव में शानदार खिलाड़ी है। मैं उसे काफी समय से देख रहा हूं क्योंकि वह उस क्लब के लिए खेलता है, जिससे मुझे बेहद लगाव है। उसके पास इतिहास रचने का मौका है। हम कोशिश करेंगे कि इस बार ऐसा न हो। उन्होंने मुस्कुराते हुए आगे कहा, हम अच्छा मुकाबला खेलना चाहेंगे, लेकिन उम्मीद है कि वह और उनकी टीम अच्छा प्रदर्शन न करें। कार्यक्रम के बाद अर्जेंटीना के मुख्य कोच लियोनेल स्कालोनी ने स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते से मुलाकात कर उन्हें गले लगाया। बाद में स्कालोनी ने कहा, मैं यहां केवल लुइस की वजह से आया हूं। मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं और उनकी प्रशंसा करता हूं। विश्व कप फाइनल से पहले आयोजित इस कार्यक्रम में फुटबॉल और अन्य खेलों की कई बड़ी हस्तियां एक मंच पर नजर आईं।

ट्रंप ने की मेसी, रोनाल्डो और केन की तारीफ, बोले- महान खिलाड़ी कुछ अलग लेकर पैदा होते हैं

न्यूयॉर्क : फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल से पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी, पुर्तगाल के दिग्गज क्रिस्टियानो रोनाल्डो और इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि महान खिलाड़ी कुछ ऐसी विशेष प्रतिभा के साथ पैदा होते हैं, जो उन्हें दूसरों से अलग बनाती है। रविवार (स्थानीय समयानुसार) को स्पेन और अर्जेंटीना के बीच होने वाले विश्व कप फाइनल से पहले न्यूयॉर्क में शुक्रवार को आयोजित एक कार्यक्रम में ट्रंप ने कहा, आज रात हम सभी न्यूयॉर्क में इकट्ठा हुए हैं, क्योंकि रविवार को स्पेन और अर्जेंटीना जैसी दो शानदार टीमों के बीच फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। मैंने सेमीफाइनल में मेसी का वह पास देखा। उन पर एक बेहतरीन खिलाड़ी की कड़ी निगरानी थी, फिर भी वह दाईं ओर बढ़े और उन्होंने जो पास दिया, वह लगभग पूरी तरह सटीक था। मैं कहूंगा कि वह केवल एक चौथाई इंच के अंतर से पूर्णता से चूका होगा। उसी ने मैच का रुख बदल दिया। वह वास्तव में शानदार था।

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रमंडल खेलों के उद्घाटन समारोह में भारत की ध्वजवाहक होंगी मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहेन

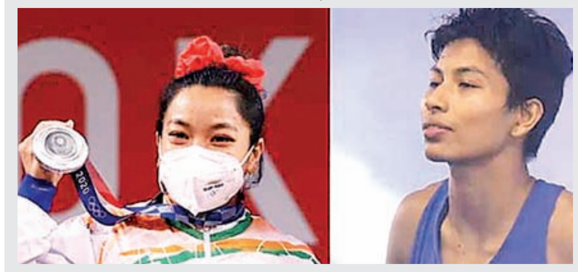

नई दिल्ली : भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने घोषणा की है कि ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहेन 23 जुलाई को ग्लासगो में होने वाले 2026 राष्ट्रमंडल खेलों के उद्घाटन समारोह में भारतीय दल की ध्वजवाहक और बैटन वाहक होंगी। शनिवार को भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा ने दोनों खिलाड़ियों के नामों की घोषणा करते हुए कहा, यह हमारे लिए गर्व की बात है कि मीराबाई और लवलीना ओवीओ हाइड्रो में यह सम्मान प्राप्त करेंगी। मैं दोनों खिलाड़ियों और पूरे भारतीय दल को शुभकामनाएं देती हूं। टोक्यो ओलंपिक की पदक विजेता मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहेन के लिए यह बेहद गर्व का क्षण होगा। दोनों खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार शानदार प्रदर्शन कर भारत का नाम रोशन किया है और अब उद्घाटन समारोह में भारतीय दल का नेतृत्व करेंगी। 126 सदस्यीय भारतीय दल जब उद्घाटन समारोह में मार्च करेगा, तब मीराबाई और लवलीना सबसे आगे भारतीय तिरंगा और बैटन लेकर चलेंगी। भारतीय दल के लिए यह एक ऐतिहासिक क्षण भी होगा क्योंकि उद्घाटन समारोह में दोनों सम्मान महिलाओं को सौंपा गया है। मीराबाई चानू टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता हैं और इस बार ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में एक बार फिर स्वर्ण पदक जीतने के इरादे से उतरेंगी। वह 8 अगस्त को 32 वर्ष की हो जाएंगी और लंबे समय से भारतीय भारोत्तोलन की सबसे बड़ी पहचान बनी हुई हैं। पेरिस ओलंपिक 2024 में वह पदक जीतने से चूक गई थीं, लेकिन अब शानदार लय में हैं। मीराबाई विश्व चैंपियनशिप में भी कई पदक जीत चुकी हैं। वर्ष 2022 में बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में उन्होंने स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन इस बार ग्लासगो में पदक जीतने की प्रबल दावेदार मानी जा रही हैं। उन्होंने किक-बॉक्सिंग से मुक्केबाजी में आने के बाद लगातार शानदार उपलब्धियां हासिल की हैं। लवलीना ने 2023 विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था, जबकि 2023 एशियाई खेलों में रजत पदक अपने नाम किया था। असम की यह स्टार मुक्केबाज अब राष्ट्रमंडल खेलों में अपना पहला पदक जीतने के लिए उत्साहित हैं। दोनों खिलाड़ियों की अगुआई में भारतीय दल ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार प्रदर्शन की उम्मीद के साथ अभियान की शुरूआत करेगा।

नीदरलैंड पर जीत से बढ़ा आत्मविश्वास, कोच बोले- भविष्य के लिए मजबूत नींव तैयार

एंटवर्प : भारतीय जूनियर (अंडर-21) पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच फ्रेडरिक सोयेज ने बेल्जियम दौरे के समापन पर टीम के प्रदर्शन पर संतोष जताते हुए कहा कि युवा खिलाड़ी सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस दौरे ने खिलाड़ियों को सीखने, खुद को निखारने और एक मजबूत टीम के रूप में विकसित होने का बेहतरीन अवसर दिया। भारतीय टीम ने 5 से 18 जुलाई तक चले छह मैचों के इस एक्सपोजर दौरे का समापन नीदरलैंड पर 4-3 की रोमांचक जीत के साथ किया। सोयेज ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, बेल्जियम का यह दौरा मैदान के अंदर और बाहर, दोनों ही लिहाज से शानदार अनुभव रहा। मजबूत टीमों के खिलाफ कठिन परिस्थितियों में खेलने से खिलाड़ियों को सीखने, विकास करने और टीम के रूप में आगे बढ़ने का अमूल्य अवसर मिला। भारत ने अपने अभियान की शुरूआत वाव्रे स्थित बेल्फियस हॉकी एरिना में ऑस्ट्रिया के खिलाफ 2-4 की हार से की थी। हालांकि, टीम ने अगले ही मुकाबले में शानदार वापसी करते हुए ऑस्ट्रिया को 4-1 से हराया। इसके बाद भारत को मेजबान बेल्जियम के खिलाफ 2-3 से करीबी हार का सामना करना पड़ा। चौथे मैच में जर्मनी ने अंतिम मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर भारत को 1-0 से मात दी। पांचवें मुकाबले में बेल्जियम ने भारत को 4-2 से हराया, लेकिन अंतिम मैच में भारतीय टीम ने शानदार आक्रामक खेल दिखाते हुए नीदरलैंड को 4-3 से हराकर दौरे का समापन जीत के साथ किया। कोच सोयेज ने कहा, परिणामों से भी ज्यादा महत्वपूर्ण यह रहा कि टीम ने हर मैच के साथ अपने प्रदर्शन में सुधार किया। खिलाड़ियों की प्रतिबद्धता, परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने की क्षमता और सीखने की इच्छा हर मुकाबले में दिखाई दी। उन्होंने कहा, ₹बेल्जियम और जर्मनी के खिलाफ हमें मामूली अंतर से हार मिली, लेकिन हमारा प्रदर्शन काफी उत्साहजनक रहा। इन मुकाबलों से हमें कई सकारात्मक सीख मिली। दौरे के अंतिम मैच में टीम ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और नीदरलैंड पर जीत दर्ज कर यह साबित किया कि हमने इस दौरान कितना विकास किया है। खिलाड़ियों ने शानदार जुझारूपन और चरित्र का परिचय दिया। आगामी प्रतियोगिताओं को देखते हुए सोयेज ने कहा कि इस दौरे का अनुभव खिलाड़ियों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा, बेशक अभी हमें कुछ क्षेत्रों में और काम करना है, खासकर प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने और मैच के अहम मौकों का बेहतर फायदा उठाने पर। लेकिन हमारी प्रगति साफ दिखाई दे रही है। इस दौरे ने हमें विश्वास दिलाया है किसी हम सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं और इसने भविष्य की तैयारियों के लिए मजबूत आधार तैयार किया है।

मेसी पर रहेगी 'विशेष नजर', लेकिन मैन-मार्किंग नहीं करेंगे : स्पेनिश कोच फुएंते

न्यूयॉर्क : फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल से पहले स्पेन के मुख्य कोच लुइस डे ला फुएंते ने कहा है कि उनकी टीम अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी पर विशेष नजर रखेगी, लेकिन उन्हें रोकने के लिए मैन-मार्किंग की रणनीति नहीं अपनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि अपने अनुभव से वह जानते हैं कि मेसी जैसे खिलाड़ी को पूरे मैच में एक खिलाड़ी के भरोसे रोकना लगभग असंभव है। शुक्रवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में डे ला फुएंते ने कहा, ₹मेरा मेसी से पहला सामना तब हुआ था, जब मैं सेविला की युवा टीम का कोच था। हम बार्सिलोना खेलने गए थे और मैंने एक युवा खिलाड़ी मेसी के बारे में बहुत कुछ सुन रखा था। उन्होंने आगे कहा, ₹हमने एक खिलाड़ी को उनकी मैन-मार्किंग की जिम्मेदारी दी थी, लेकिन 70वें मिनट में मुझे उस खिलाड़ी को बदलना पड़ा क्योंकि उसे पीला कार्ड मिल चुका था। उस समय स्कोर 0-0 था, लेकिन अगले 15 मिनट में मेसी ने हमारे खिलाफ चार गोल कर दिए। उन्होंने स्पष्ट किया, इसलिए इस बार हम मैन-मार्किंग नहीं करेंगे। हमें पूरे समय सतर्क रहना होगा और निश्चित रूप से मेसी पर विशेष ध्यान देना होगा। 39 वर्षीय मेसी की जमकर तारीफ करते हुए स्पेन के कोच ने कहा, ₹मेसी अपने आप में अनोखे खिलाड़ी हैं। वह युवा खिलाड़ियों के लिए अपने व्यवहार और खेल भावना के कारण प्रेरणा हैं। खासकर जिस तरह का विश्व कप वह इस उम्र में खेल रहे हैं, वह वास्तव में शानदार है। फाइनल में स्पेन के कोच का मुकाबला अर्जेंटीना के मुख्य कोच लियोनेल स्कालोनी से भी होगा। दोनों की दोस्ती वर्ष 2017 में हुई थी, जब स्कालोनी प्रोफेशनल कोचिंग लाइसेंस की पढ़ाई कर रहे थे और डे ला फुएंते उनके प्रशिक्षक थे।

नाबालिग ने लिव-इन पार्टनर को गोली मारी, परिवार की मदद से दफनाया

बेंगलुरु (एजेंसी)। कोडीहल्ली थाना क्षेत्र से एक बेहद चौंकाने वाला और सनसनीखेज़ आपराधिक मामला सामने आया है, जहाँ एक 16 वर्षीय नाबालिग लड़के ने अपनी लिव-इन पार्टनर, जो कि खुद भी नाबालिग थी, की गोली मारकर हत्या कर दी। इस खौफनाक वारदात को अंजाम देने के बाद, हत्या को छिपाने के लिए उसने अपने भाई और चाचा की मदद से शव को दफना दिया। पुलिस ने इस मामले में आरोपी नाबालिग लड़के के साथ-साथ उसके भाई और चाचा को गिरफ्तार कर लिया है, जिससे इस नृशंस अपराध का पर्दाफाश हुआ। मामले का खुलासा तब हुआ जब आरोपी के चाचा ने अपने दोस्तों को इस हत्या के बारे में बता दिया। मामला चर्चा में आया और धीरे धीरे मृतिका के परिजनों तक पहुंचा। इसके बाद पुलिस ने जांच और पूछताछ की तो पूरी कहानी सामने आ गई। पुलिस के अनुसार, यह वारदात 10 जुलाई को कोडीहल्ली थाना क्षेत्र के केम्पलानाथ गांव में हुई थी। बताया जाता है कि आरोपी लड़के ने अपनी 16 वर्षीय गर्लफ्रेंड को सोशल मीडिया पर किसी दूसरे लड़के के साथ मैसेज पर बात करते हुए देख लिया था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच तीखी बहस हुई और नाबालिग ने गुस्से में आकर लड़की के साथ मारपीट की। क्रोध में अंधे होकर उसने घर में रखा एक पुराना देसी कट्टा (हथियार) निकाला और अपनी गर्लफ्रेंड पर गोली चला दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। लड़की किसी दूसरे गांव की रहने वाली थी और अपने माता-पिता से दूर रहकर इस लड़के के साथ रह रही थी। रिपोर्ट के मुताबिक, जांच अधिकारियों ने बताया कि हत्या के बाद नाबालिग लड़का घबरा गया और उसने अपने भाई व चाचा को इस घटना की जानकारी दी। इसके बाद, तीनों ने मिलकर लड़की के शव को दफना दिया ताकि पुलिस और आम लोगों की नज़रों से इस घिनौने जुर्म को छिपाया जा सके। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि दोनों नाबालिगों की दोस्ती करीब दो महीने पहले सोशल मीडिया के जरिए ही हुई थी। पिछले एक महीने से लड़की आरोपी लड़के के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही थी। लड़की ने अपनी पढ़ाई छोड़ दी थी और अपने माता-पिता से झूठ कहा था कि वह अपनी एक सहेली के साथ रह रही है, इसलिए परिवार ने भी उस पर ज्यादा सवाल नहीं किए थे। वहीं, लड़के के परिवार को भी पता था कि लड़की उसके साथ रह रही है, लेकिन उन्होंने भी कोई आपत्ति नहीं जताई थी। फिलहाल कोडीहल्ली पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

न्यू टाउन में किराए के कमरे में क्रूड बम धमाका, सीसीटीवी में दिखे संदिग्ध

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के न्यू टाउन स्थित राजारहाट इलाके में किराए के कमरे में हुए संदिग्ध क्रूड बम विस्फोट से हड़कंप मच गया। इस घटना में एक व्यक्ति घायल हुआ और आसपास के इलाके में दहशत फैल गई। यह पूरा घटनाक्रम सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गया है, जिसमें कुछ संदिग्ध लोग एक बैग छोड़कर जाते दिख रहे हैं। पुलिस ने मौके से बम बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री बरामद की है और दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। पुलिस के अनुसार, साउथ नारायणपुर इलाके में सुपारी के बागान के भीतर बने एक ग्राउंड फ्लोर के कमरे में यह धमाका हुआ। यह कमरा हाल ही में कामारहाटी के एक व्यक्ति ने किराए पर लिया था। लोगों ने बताया कि दो व्यक्ति एक बैग लेकर कमरे में आए, उस अंदर छोड़ा और कुछ ही मिनटों बाद तेज धमाका हो गया। विस्फोट इतना जोरदार था कि दो पड़ोसी कमरे भी क्षतिग्रस्त हो गए और इलाके में अफरा-तफरी मच गई। धमाके में कमरे के अंदर मौजूद एक व्यक्ति घायल हो गया, उस लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना देने के बाद इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। घायल की हालत फिलहाल स्थिर है। नारायणपुर थाने की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी। घटनास्थल की तलाशी के दौरान पुलिस को बम बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री मिली है, जिससे आशंका है कि कमरे का इस्तेमाल विस्फोटक सामग्री तैयार करने या छिपाने के लिए हो रहा था। फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया, जिसने घटनास्थल का बारीकी से मुआयना किया। पुलिस ने मामले में दो संदिग्धों को हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ जारी है। सीसीटीवी फुटेज की मदद से उन लोगों की पहचान की जा रही है, जिन्होंने कथित तौर पर बैग कमरे में रखा था।

ईवी नीति से घबराएं नहीं लोग, चरणबद्ध लागू होगी : सीएम रेखा गुप्ता

-1 जनवरी 2027 से दिल्ली में केवल इलेक्ट्रिक ऑटो का पंजीकरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति को लेकर आम जनता में फैली चिंताओं को दूर कर स्पष्ट किया है कि पेट्रोल और डीजल वाहन मालिकों को घबराने की जरुरत नहीं है। उन्होंने कहा कि यह नीति अचानक लागू नहीं होगी, बल्कि पूरी तरह चरणबद्ध तरीके से क्रियान्वित किया जाएगा ताकि किसी पर भी अनावश्यक बोझ न पड़े। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने समझाया कि कोई भी बड़ी व्यवस्था एकाएक नहीं बदलती, बल्कि व्यवस्था को आकार लेने में समय और कई साल लगते हैं। इसी सिद्धांत पर चलते हुए, ईवी नीति को इस तरह से तैयार किया गया है कि लोग धीरे-धीरे इस बदलाव को अपनाएं और उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने साफ किया कि जिनके पास पहले से पेट्रोल और डीजल वाहन हैं, वे अपनी गाड़ियों का उपयोग उनकी वैध अवधि समाप्त होने तक बिना किसी रोक-टोक के कर सकते हैं। जनता को इस विषय पर किसी भी तरह की चिंता या भ्रम में पड़ने की जरूरत नहीं है। मुख्यमंत्री रेखा ने नीति के महत्वपूर्ण चरणों का उल्लेख कर बताया कि 1 जनवरी 2027 से दिल्ली में केवल इलेक्ट्रिक ऑटो का पंजीकरण होगा। इसका अर्थ है कि नए ऑटो खरीदने वालों को इलेक्ट्रिक विकल्प ही चुनना होगा, जबकि मौजूदा पेट्रोल-डीजल ऑटो अपनी निर्धारित अवधि तक चलते रहने वाले है। इसी क्रम में, अप्रैल 2028 से इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए नई पंजीकरण व्यवस्था लागू होगी, जिसमें नए टू-व्हीलर केवल इलेक्ट्रिक होगा। हालांकि, पुराने पेट्रोल या डीजल दोपहिया वाहन भी अपनी वैध समय-सीमा तक उपयोग किए जा सकते है। रेखा गुप्ता ने कहा कि इस नीति का मुख्य उद्देश्य दिल्ली के प्रदूषण को कम करना और शहर को स्मार्ट मोबिलिटी की दिशा में आगे बढ़ाना है, न कि किसी को परेशान करना। उन्होंने कहा कि यदि इसतरह के स्पष्ट और चरणबद्ध नियम नहीं लागू किए जाते हैं, तब सरकार द्वारा किया जा रहा करीब 15,000 करोड़ रुपये का निवेश भी पूरी तरह प्रभावी नहीं होगा। दिल्ली सरकार का लक्ष्य जनता को बेहतर सुविधाएं देना है ताकि वे स्वयं इस पर्यावरणीय बदलाव का हिस्सा बनें।

वांगचुक के अनशन को मिला विपक्ष का साथ, तेज होगा आंदोलन

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की शिक्षा व्यवस्था में सुधार और राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) में कथित अनियमितताओं के खिलाफ सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक का आमरण अनशन लगातार जारी है। जंतर-मंतर पर चल रहा उनका यह आंदोलन अब 21वें दिन में प्रवेश कर चुका है। इतने लंबे समय से उपवास पर रहने के कारण उनके स्वास्थ्य पर गहरा असर पड़ा है और बताया जा रहा है कि इस दौरान उनका वजन लगभग 10 किलोग्राम तक कम हो गया है। दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देश पर चिकित्सकों की एक विशेष टीम लगातार उनके स्वास्थ्य की निगरानी कर रही है।

इस बीच, शुरुआत में इस आंदोलन से थोड़ी दूरी बनाए रखने वाली कांग्रेस अब खुलकर सोनम वांगचुक के समर्थन में सामने आ गई है। कांग्रेस के अलावा आम आदमी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी सहित कई प्रमुख विपक्षी दलों के नेता जंतर-मंतर पहुंचकर आंदोलन के प्रति अपनी एकजुटता जता चुके हैं। इसी कड़ी में वरिष्ठ नेता और पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा ने जंतर-मंतर पर वांगचुक से मुलाकात की। उन्होंने वहां मौजूद आंदोलनकारियों से बातचीत की और वांगचुक की बिगड़ती सेहत पर चिंता जताते हुए उनसे अनशन समाप्त करने का अनुरोध किया। उन्होंने उन अन्य प्रदर्शनकारियों से भी चर्चा की जो परीक्षा प्रणाली में पूरी पारदर्शिता और बड़े सुधारों की मांग को लेकर धरने पर बैठे हैं। राजनीतिक गलियारों में कांग्रेस के इस बदले हुए रुख की काफी चर्चा हो रही है, जिसके पीछे वर्ष 1984 की एक ऐतिहासिक घटना को मुख्य कारण माना जा रहा है। उस समय लद्दाख में अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा दिए जाने की मांग को लेकर सोनम वांगचुक के पिता सोनम वांगयाल एक बड़े आंदोलन का नेतृत्व कर रहे थे। जब उन्होंने भूख हड़ताल शुरू की, तो तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी स्वयं लेह पहुंची थीं और उनसे मुलाकात कर मांगों पर गंभीरता से विचार करने का भरोसा दिया था। हालांकि उसी वर्ष इंदिरा गांधी की हत्या हो गई, लेकिन वह आंदोलन जारी रहा और अंततः वर्ष 1989 में केंद्र सरकार ने लद्दाख के आठ समुदायों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा प्रदान किया। सोनम वांगयाल क्षेत्र की राजनीति में काफी सक्रिय थे और उन्होंने विधायक, विधान परिषद सदस्य तथा राज्य सरकार में मंत्री के रूप में सेवाएं दी थीं। सूत्रों के मुताबिक, हाल ही में हुई संसदीय दल की बैठक में वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने वर्ष 1984 की इसी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की याद दिलाई, जिसके बाद पार्टी ने आंदोलन को आधिकारिक तौर पर समर्थन देने का निर्णय लिया। शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण के मुद्दों पर लंबे समय से सक्रिय सोनम वांगचुक ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं होती, आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने आगामी 20 जुलाई से संसद मार्च का भी आह्वान किया है।

लॉरेंस के भाई आरजू बिश्नोई ने दी अभिनेता आमिर खान को धमकी

मुंबई (एजेंसी) ।बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान को लेकर चौंकाने वाली खबर सामने आई है। सलमान खान के बाद अब आमिर खान, लॉरेंस बिश्नोई गैंग के निशाने पर हैं। आमिर खान को बिश्नोई गैंग ने धमकी दी है। बताया जा रहा है कि आमिर को धमकी देना वाला गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का भाई आरजू बिश्नोई है, जिसका ऑडियो भी सामने आया है।

आरजू बिश्नोई और टायसन बिश्नोई ने सोशल मीडिया पर पोस्ट और ऑडियो शेयर करके आमिर खान को धमकी दी है। हालांकि, हम इस सोशल मीडिया पोस्ट और ऑडियो की पुष्टि नहीं करते हैं। जानकारी के मुताबिक पोस्ट में लिखा है- जय श्री राम, जय सीता राम। मैं आरजू बिश्नोई और टायसन बिश्नोई। ये जो हमारी संस्कृति के खिलाफ हमारे देश में लव जिहाद के नाम पर आमिर खान जैसे लोग इसे बढ़ावा दे रहे हैं, हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे और इसका जवाब बहुत जल्द दिया जाएगा। ये चीज हमारे सनातन धर्म में और देश के खिलाफ है। हमारा, हमारे भाई-बहनों और देशवासियों से वादा है कि जो भी इस घटिया हरकत को बढ़ावा देगा, उसको हम अपने तरीके से जवाब देंगे। ये जो स्टारडम के नाम पर इस चीज को बढ़ावा दे रहे हैं, इनकी हम सांसें दबा लेंगे। आमिर खान को मिली धमकी में लव जिहाद का जिक्र किया गया है, जिससे इतना साफ है कि बिश्नोई गैंग, आमिर खान की तीसरी शादी से नाराज है। बता दें कि आमिर ने जबसे गौरी स्प्रैट के साथ तीसरी शादी करके घर बसाया है, तभी से वह मुश्किलों में हैं। आमिर की तीसरी शादी का जमकर विरोध किया जा रहा है। दूसरे धर्म की महिलाओं के साथ आमिर की शादी को लव जिहाद माना जा रहा है। दूसरे धर्म की महिलाओं के साथ शादी करने पर आमिर खान को लेकर फतवा भी जारी हो गया है। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री नितेश राणे ने भी आमिर को लव जिहाद के ब्रांड एंबेसडर का टैग दिया है। अब आमिर को बिश्नोई गैंग की तरफ से धमकी मिलने पर फैंस की चिंता बढ़ गई है।

सीता के पति, नीता के पति वाले बयान पर कुणाल कामरा को भेजा लीगल नोटिस

-नोटिस में माफी मांगने और विवादित बयान वाले वीडियो हटाने की मांग

नई दिल्ली(एजेंसी)। मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट पेपर लीक मामले को लेकर देश की राजधानी दिल्ली में सियासी पारा चढ़ता ही जा रहा है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) द्वारा शुरू किए गए आंदोलन में शामिल सोनम वांगचुक दिल्ली के जंतर-मंतर पर आमरण अनशन पर बैठे थे। 21वें दिन प्रशासन द्वारा एक बड़ी कार्रवाई करते हुए वांगचुक को धरना स्थल से जबरन हटा दिया गया। इससे पहले सोनम वांगचुक के इस आंदोलन को अपना समर्थन देने के लिए मशहूर स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा भी जंतर-मंतर पहुंचे थे। आंदोलनकारियों को संबोधित करते हुए कामरा ने कुछ ऐसी टिप्पणियां कीं जिससे अब एक नया कानूनी विवाद खड़ा हो गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कुणाल कामरा द्वारा दिए गए सीता के पति, नीता के पति वाले बयान पर कड़ा ऐतराज जताते हुए सुप्रीम कोर्ट के एक वकील ने उन्हें कानूनी नोटिस भेजा है। नोटिस में कहा गया है कि ईश्वर एक पवित्र भावना है। हमारे आराध्य देव का नाम इस तरह बदनाम नहीं किया जा सकता है। भगवान का अनादर हम कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे। इस नोटिस के जरिए कामरा से माफी मांगने और विवादित बयान वाले वीडियो को हटाने की मांग की गई है। इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर भी कामरा को भारी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

बता दें आंदोलन के मंच से छात्रों और युवाओं को संबोधित करते हुए कुणाल कामरा ने कहा कि मैं छात्रों से कहना चाहता हूं कि अगर आपको कोई मोदी समर्थक या बीजेपी का वोटर मिले तो उससे बहस करने के बजाय बहुत सहजता से बात करें। हमें मरीज का नहीं, बल्कि बीमारी का इलाज करना है। अगर कोई अंधभक्त यह कहे कि मोदीजी ने जो किया, सही किया तो अपना समय बर्बाद न करें। वहां से चुपचाप निकल जाएं। इस सरकार को कोई शर्म नहीं है। कामरा ने आगे कहा, आप लोग छात्र हैं, कुछ किसान हैं, कुछ बेरोजगार हैं। मैं आप सभी की तरफ से भारत के मुख्य न्यायाधीश का आभार व्यक्त करता हूं, क्योंकि उन्होंने ही इस आंदोलन को शुरू करने की पहली ईंट रखी थी।

महाराष्ट्र की राजनीति में नया मोड़, एनडीए में विलय को टाल रहीं सुनेत्रा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर गरमागरमी देखी जा रही है, जहाँ भारतीय जनता पार्टी अपने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के कुनबे को बढ़ाने के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विलय की पुरजोर कोशिश कर रही है। हालांकि, इस विलय के प्रयासों में सबसे बड़ा रोड़ा सुनेत्रा पवार और उनके बेटे पार्थ पवार बन रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, सुनेत्रा और पार्थ को यह आशंका है कि यदि दोनों एनसीपी गुट एक हो जाते हैं, तो पार्टी की कमान फिर से शरद पवार और उनकी बेटी सुप्रिया सुले के हाथों में चली जाएगी, जिससे उनका राजनीतिक प्रभाव कम हो सकता है। फिलहाल, एनसीपी एनडीए का हिस्सा है जबकि एनसीपी (एसपी) विपक्षी गठबंधन का हिस्सा बनी हुई है।

इस राजनीतिक उठापटक के बीच, सुनेत्रा पवार के करीबी नेताओं का मानना है कि उनकी पार्टी के कुछ सदस्य दोनों गुटों के विलय के पक्ष में हैं। लेकिन सुनेत्रा पवार, जो एनसीपी की अध्यक्ष हैं, और राज्यसभा सांसद पार्थ पवार इस कदम का लगातार विरोध कर रहे हैं। वे किसी भी कीमत पर शरद पवार और सुप्रिया सुले को पार्टी का नेतृत्व वापस सौंपने को तैयार नहीं दिख रहे हैं। इस पृष्ठभूमि में, गुरुवार शाम को पार्थ पवार ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से भी मुलाकात की, जिससे राजनीतिक गलियारों में अटकलों का बाजार गर्म हो गया। इधर, सियासी गलियारों में एक और बड़ी चर्चा ने जोर पकड़ा है कि शरद पवार खुद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के साथ हाथ मिला सकते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, यदि यह गठबंधन होता है, तो उनकी पार्टी के वरिष्ठ नेता जयंत पाटिल को महाराष्ट्र के वित्त मंत्रालय का प्रभार सौंपा जा सकता है। यह मंत्रालय पहले दिवंगत अजीत पवार के पास था और इसे राज्य सरकार में एक बेहद महत्वपूर्ण पद माना जाता है। इस संभावित कदम से राज्य सरकार के भीतर सत्ता का संतुलन पूरी तरह से बदल सकता है।

हाल के दिनों में जयंत पाटिल ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से दो दिन पहले भेंट की थी, जबकि गुरुवार को उन्होंने और पार्टी के वरिष्ठ नेता जितेंद्र आव्हाड ने मुख्यमंत्री शिंदे से मुलाकात की। आव्हाड और शिंदे के बीच इस मुलाकात को राजनीतिक विश्लेषक काफी अहम मान रहे हैं, क्योंकि ये दोनों ही नेता ठाणे जिले से आते हैं और पारंपरिक रूप से एक-दूसरे के राजनीतिक विरोधी रहे हैं। इन मुलाकातों से साफ है कि महाराष्ट्र की राजनीति में नए समीकरण बन रहे हैं। पार्थ पवार ने अपनी एक बैठक में यह भी सवाल उठाया कि एनसीपी नेताओं और मुख्यमंत्री के बीच चल रही गोपनीय चर्चाओं की जानकारी सार्वजनिक क्यों नहीं की जा रही है। हालांकि, देवेंद्र फडणवीस ने इस पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और कहा कि वे सीधे सुनेत्रा पवार से इस बारे में बात करेंगे। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का मानना है कि यदि एनसीपी (एसपी) और एनसीपी का विलय होता है, तो सुनेत्रा पवार एक शर्त रख सकती हैं कि उन्हें उपमुख्यमंत्री के पद पर बरकरार रखा जाए और पार्टी की कमान भी उनके हाथों में ही रहे। यह सारी कवायद महाराष्ट्र की राजनीति में आने वाले दिनों में और भी बड़े बदलावों का संकेत दे रही है।

ममता के भतीजे अभिषेक के पांच मंजिला अवैध आफिस पर चला बुलडोजर

कोलकाता (एजेंसी)। सांसद और ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के अवैध रूप से निर्मित कार्यालय पर बुलडोजर चलाया जा रहा है। इस पांच मंजिला दफ्तर को गिराने के लिए तीन मशीनें लगाई गई। अभिषेक बनर्जी का यह दफ्तर अमताला-बारुईपुर रोड पर स्थित है। प्रशासन ने इस इमारत को तोड़ने के लिए पहले भी नोटिस जारी किया था, लेकिन इस पर अभिषक की ओर से कोई जवाब नहीं दिया गया। इसके बाद शनिवार को प्रशासन ने इस इमारत को ढहाने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

सांसद अभिषेक बनर्जी के ऑफिस को अवैध निर्माण के आरोप में तोड़े जाने की कार्रवाई शुरू होने के बाद राजनीतिक विवाद बढ़ गया है। इस इमारत के सामने जैसे ही सुबह बुलडोजर पहुंचा, लोगों की भीड़ वहां जमा हो गई। इस दौरान बीजेपी कार्यकर्ता और टीएमसी कार्यकर्ता भी यहां जमा हो गए। स्थिति तनावपूर्ण होता देख प्रशासन को सुरक्षाकर्मी बुलाने पड़े। सुरक्षा के लिहाज से यहां बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात किए गए। इससे पहले प्रशासन ने एक नोटिस चिपकाकर आरोप लगाया था कि यह इमारत बिना मंजूरी के बनाई गई थी। विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद से यह कार्यालय बंद था। जिला प्रशासन का दावा है कि यह कार्यालय अवैध रूप से बनाया गया था। कार्यालय के निर्माण से संबंधित कोई वैध दस्तावेज़ प्रस्तुत नहीं किया जा सका।

देश के 15 राज्यों में भारी बारिश और आंधी-तूफान का अलर्ट जारी, लोगों को दी सलाह

तेज हवाओं से पेड़, बिजली के खंभे और खड़ी फ़सलों को पहुंच सकता है नुकसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने शनिवार को 15 राज्यों में भारी बारिश और आंधी-तूफान का अलर्ट जारी किया है। देश के कई हिस्सों में मानसून की गतिविधियां तेज होने के साथ ही भारी बारिश, तेज हवाएं और बिजली गिरने की घटनाएं हो सकती हैं। आईएमडी के मुताबिक यूपी और बिहार समेत कई राज्यों में तेज हवाओं और आंधी-तूफान के साथ भारी बारिश हो सकती है। तेज हवाओं से पेड़, बिजली के खंभे और खड़ी फ़सलों को नुकसान पहुंच सकता है, जबकि कई इलाकों में बिजली गिरने का भी खतरा है।

मौसम विभाग ने लोगों को सलाह दी है कि वे आंधी-तूफान में घर के अंदर ही रहें, पेड़ों के नीचे न जाएं। खराब मौसम से प्रभावित इलाकों में परिवहन और बिजली आपूर्ति में रुकावट की संभावना को देखते हुए लोगों को भी सावधान किया है। हिमाचल प्रदेश के शिमला में स्थित मौसम केंद्र ने 19 से 23 जुलाई के बीच कई जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। यह अलर्ट इसलिए जारी किया गया है, क्योंकि शनिवार से दक्षिण-पश्चिम मानसून के साथ-साथ इस इलाके में एक नया वेस्टर्न डिस्टर्बेंस सक्रिय होने की उम्मीद है, जिससे पूरे राज्य में व्यापक बारिश होगी।

मौसम केंद्र के निदेशक ने बताया कि शनिवार को मंडी, कांगड़ा, कुल्लू, शिमला और सिरमौर जिलों में भारी बारिश के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। उन्होंने लोगों और पर्यटकों से सतर्क रहने की अपील की है, खासकर उन इलाकों में जहां भूस्खलन और अचानक बाढ़ का खतरा ज्यादा है। इस बीच, आईएमडी ने जम्मू-कश्मीर के लिए भी चेतावनी जारी की है। इसमें अगले कुछ दिनों में भारी बारिश के साथ-साथ अचानक बाढ़, भूस्खलन और निचले इलाकों में जलभराव की आशंका जताई गई है। विभाग ने लोगों को शनिवार रात, रविवार सुबह और 20 से 22 जुलाई के बीच बरतने की सलाह दी है, क्योंकि इस दौरान मौसम के हालात खराब रहने की उम्मीद है। आईएमडी ने प्रभावित इलाकों के लोगों से मौसम से जुड़ी आधिकारिक जानकारी और सलाह पर बारीकी से नजर रखने को कहा है, क्योंकि मौसम की स्थिति तेजी से बदल सकती है।

आंध्र प्रदेश के बाद महाराष्ट्र में भी कोविड19 की दस्तक, 21 मामले आए सामने

-डॉक्टर बोले-कोविड अब इन्फ्लूएंजा की तरह हमारे बीच रहने वाला है, सावधानी बरतें

पुणे (एजेंसी)। कोरोना वायरस ने करीब तीन साल बाद महाराष्ट्र में एक बार फिर से इसकी दस्तक सुनाई दे रही है। राज्य में विशेषकर पुणे शहर में पिछले 10 दिनों में कोविड के मामले तेजी से बढ़े हैं। हालांकि, राहत की बात यह है कि ज्यादातर मामले हल्के लक्षणों वाले हैं और स्वास्थ्य विभाग या विशेषज्ञों को फिलहाल किसी नई लहर का कोई संकेत नहीं दिखाई दे रहा है। मीडिया रिपोर्ट में राज्य स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक महाराष्ट्र में इस साल अब तक कोविड-19 के 48 मामले सामने आ चुके हैं। इनमें से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। करीब तीन सालों तक यह वायरस रडार से बाहर रहा, लेकिन साल 2026 में इसके मामलों में धीरे-धीरे बढ़ोतरी देखी जा रही है। इस साल जनवरी में 3, फरवरी में 1, जून में 11 और अब तक जुलाई में 21 मामले सामने आ चुके हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक ज्यादातर पॉजिटिव मामले नियमित कोविड टेस्टिंग के दौरान नहीं मिल रहे हैं। ये मामले तब सामने आ रहे हैं जब मरीज किसी अन्य बीमारी के लिए डॉक्टर की सलाह पर जांच करा रहे हैं या फिर किसी सर्जरी से पहले उनका प्री-ऑपरेटिव फिटनेस टेस्ट किया जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह वायरस अब इन्फ्लूएंजा की तरह बर्ताव कर रहा है। लोगों में इम्युनिटी कम होने और नए वेरिएंट के उभरने के कारण हर एक-दो साल में इसके मामलों में इस तरह का उछाल आना स्वाभाविक है। संक्रामक रोग विशेषज्ञ ने बताया कि 2023 के बाद यह पहली बार है जब कोविड के मामलों में इतनी बढ़ोतरी देखी गई है। पिछले 8 से 10 दिनों में कोविड और इन्फ्लूएंजा दोनों के मरीज बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा संक्रमण ओमिक्रॉन वेरिएंट से भी हल्का है। मरीजों में आमतौर पर खांसी, जुकाम, गले में खराश और थकान जैसे लक्षण दिख रहे हैं, जो 3 से 5 दिनों तक रहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि समुदाय में संक्रमण का वास्तविक आंकड़ा कहीं ज्यादा हो सकता है, क्योंकि हल्के लक्षण वाले बहुत से लोग टेस्ट ही नहीं कराते हैं। उन्होंने लोगों को आगाह किया कि कोविड अब इन्फ्लूएंजा की तरह हमारे बीच ही रहने वाला है, इसलिए सावधानी जरूर बरतें और लापरवाही न करें। डॉक्टरों का कहना है कि मौजूदा स्थिति किसी कोविड लहर जैसी बिल्कुल नहीं है। पहले टेस्टिंग कम होने की वजह से छिटपुट मामलों पर ध्यान नहीं गया। अब चूंकि अन्य रेस्पिरेटरी वायरल इन्फेक्शन बढ़ रहे हैं, इसलिए अस्पतालों में अपर रेस्पिरेटरी पैनल का ज्यादा इस्तेमाल हो रहा है, जिससे कोरोना के मामले सामने आ रहे हैं। इससे पहले आंध्र प्रदेश में 26 जून से 16 जुलाई के बीच कोविड के 12 मामले सामने आए हैं, जिनमें से चार लोगों की मौत हुई है। अकेले कडप्पा जिले में कोरोना वायरस के आठ मामले दर्ज किए गए। गुंटूर जिले में दो मामले और विशाखापत्तनम व काकीनाडा जिलों में एक-एक मामला दर्ज किया गया। इन पांच लोगों के स्वाब के नमूने जांच के लिए पुणे स्थित नेशनल वायरोलॉजी इंस्टीट्यूट भेजे गए थे।

राम मंदिर में भर्ती अनियमितताएं: चढ़ावा गिनने वाले 5 कर्मचारी जांच में फेल

अयोध्या(एजेंसी)। भव्य राम मंदिर के संचालन और वित्तीय प्रबंधन से जुड़ी गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। जानकारी के अनुसार, राम मंदिर में कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया में कई महत्वपूर्ण नियमों की अनदेखी की गई है, विशेषकर उन पदों पर जहाँ भक्तों द्वारा अर्पित किए गए चढ़ावे की गिनती का संवेदनशील कार्य किया जाता है। अब यह पुष्टि हुई है कि ऐसे ही कुछ कर्मचारियों को बिना उचित पुलिस सत्यापन के ही नौकरी पर रखा गया था। हालिया जांच में ऐसे पांच कर्मचारी सुरक्षा मानकों पर खरे नहीं उतरे, जिसके बाद उन्हें तत्काल प्रभाव से सेवामुक्त कर दिया गया। यह खुलासा और भी चौंकाने वाला है क्योंकि ये कर्मचारी पिछले दो वर्षों से बिना किसी उचित पृष्ठभूमि जांच के इस महत्वपूर्ण कार्य को अंजाम दे रहे थे।

जांच अधिकारियों को निगरानी, संचालन और भर्ती जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं में भरपूर हीलाहवाली के स्पष्ट प्रमाण मिले हैं, जिसका प्रारंभिक रिपोर्ट में भी उल्लेख किया गया है। बीते कुछ दिनों की कार्रवाई पर नजर डालें तो गणना से जुड़े कर्मचारियों के सत्यापन की प्रक्रिया तेजी से जारी है, और इसी क्रम में ये अनियमितताएं सामने आई हैं। गणना कक्ष के कर्मचारियों की संख्या में भी अस्थिरता देखी गई है। कुछ समय पहले वेतन कम होने और काम के घंटे बढ़ने से नाराज होकर 23 कर्मचारियों ने सामूहिक इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद काम करने वाले कर्मचारियों की संख्या घटकर 13 रह गई। हालांकि, उनमें से दो बाद में काम पर लौट आए, जिससे संख्या 15 हो गई। लेकिन इस बीच, पहले से कार्यरत दो कर्मचारियों पर पुलिस केस होने की जानकारी मिलने पर उन्हें कार्य मुक्त कर दिया गया। इसके अतिरिक्त, शेष कर्मचारियों के सत्यापन की प्रक्रिया शुरू होने पर तीन और कर्मचारी जांच में फेल हो गए। इस तरह, वर्तमान में केवल 12 कर्मचारी ही नोट और सिक्कों की गिनती का कार्य कर रहे हैं। कई अन्य कर्मचारी भी कार्रवाई की जद में हैं और उनकी पृष्ठभूमि की जांच की जा रही है। सावन मेले से पहले गणना कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने की आवश्यकता को देखते हुए, निजी भर्ती एजेंसी उन पूर्व कर्मचारियों को प्राथमिकता दे रही है जिन्होंने पहले इस्तीफा दे दिया था, क्योंकि उनके पास कार्य का अनुभव है। हालांकि, अब इन कर्मचारियों का भी कड़ा पुलिस सत्यापन कराया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, इस प्रक्रिया में भी कई ऐसे कर्मचारी पाए गए हैं जिनके खिलाफ पुलिस केस दर्ज हैं। प्रबंधन ने अब यह स्पष्ट कर दिया है कि भविष्य में केवल सत्यापन में पास होने वाले लोगों को ही नियुक्त किया जाएगा, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह से मानकों के अनुरूप हो और मंदिर की पवित्रता तथा वित्तीय पारदर्शिता बनी रहे।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह**. 9334331934, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**